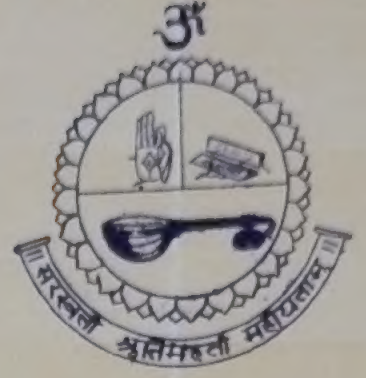




संस्कृतश्रीः

SAMSKRITASRI



पाठमाला - २

PATAMALA - 2

(SANSKRIT - ENGLISH)



Published by

SAMSKRIT EDUCATION SOCIETY (REGD.)

Head Office :

Old 212/7, New No. 11

St. Marry's Road, R.A. Puram

Chennai - 600 004

Phone : 044-24951402

Admn. Office :

283, T.T.K. Road,

Chennai - 600 018

First Edition

Big Letters

2023

Price : Rs. 150/-



संस्कृतश्रीः - पाठमाला - २

Sanskrit Reader-2

INTRODUCTION

Invocation

शुक्लांबरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् ।
प्रसन्नवदनं वन्दे सर्वविघ्नोपशान्तये ॥
गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥
ज्ञानानन्दमयं देवं निर्मलस्फटिकाकृतिम् ।
आधारं सर्वविद्यानां ह्यग्रीवमुपास्महे ॥
सरस्वति नमस्तेऽस्तु वीणापुस्तकधारिणि ।
हंसवाहनमारूढे विद्यादानं कुरुष्व मे ॥

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

॥ ओं नमो नारायणाय ॥

॥ ओं नमः शिवाय ॥

PREFACE

Language skills are natural to human beings and so they can easily be developed through logical thinking. With due attention and systematic study, a reasonable skill can be acquired in any language in about a year's time. Constant reading, writing and speaking the language concerned will help in acquiring all the necessary skills in the language, literature and its grammar. It is always easier to learn a new language through the already known language. By comparing and contrasting the features of the two languages, the specialities of both can be easily understood. It is with this view that Sanskrit is taught through the medium of English in this book. This follows the success of our experiment of teaching Sanskrit through Tamil as ordained by His Holiness Sri Sankaracharya of Kanchi Kamakoti Math in 1977. The lessons were first published through SamskrtaSri and later compiled in book form. The present attempt is meant to help non Tamil speaking people and also for those of Tamil origin not having sufficient background in that language.

The present series will consist of Seven small volumes. At the completion of the study of the Seven books, a diligent student will have acquired the ability to speak and write in simple Sanskrit.

The books are meant for self study. Meaningful exercises are given at the end of each lesson. Learners may complete the exercises and send them (to Srirangam address given below) for correction through Book post posted under clause 114 (8) of P&T guide. The covers have to be superscribed as "Pupil's Exercise". The students may also send their doubts for clarification. For these services the students have to send sufficiently stamped envelopes to The Editor, Samskrta Sri, 22, Vireswaram approach road, Srirangam, Trichy - 620 006. The books can be got from Sanskrit Education Society, 148-150, Luz Church Road, Chennai - 600 004.

—The Editor

The Devanagari Script

Vowels:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
लृ लृ ए ऐ ओ औ अं अः

Consonants:

| | | | | |
|---|-----|-----|---|---|
| क | ख | ग | घ | ङ |
| च | छ | ज | झ | ञ |
| ट | ठ | ड | ढ | ण |
| त | थ | द | ध | न |
| प | फ | ब | भ | म |
| य | र | ल | व | |
| श | ष | स | ह | |
| ळ | क्ष | ज्ञ | | |

संस्कृतश्रीः पाठमाला - २

Sanskritasri Pathamala - 2

सरस्वति नमस्तेऽस्तु वीणापुस्तकधारिणि ।
हंसवाहनमारूढे विद्यादानं कुरुष्व मे ॥

सिंहावलोकनम् - A Review of entire lessons

In the first seven lessons of book one, we learnt the alphabets. Then, in the next eight lessons, simple sentence structure was dealt with. The eight declensions were taught in lesson No 16 to 23. In between, the verbal formation was also taught. The last few lessons consisted of exercises.

We have learnt the declensions of masculine words ending in the vowels अ इ उ ऋ followed by feminine gender words ending in आ इ ई उ ऊ and the neuter gender words ending in अ इ उ ऋ . The cases were dealt with in different lessons. We may now see them all together in the form of tables.

अकारान्तः पुल्लिङ्गः अचलशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|-----------|----------|
| Nom | अचलः | अचलौ | अचलाः |
| Acc | अचलं | अचलौ | अचलान् |
| Ins | अचलेन | अचलाभ्यां | अचलैः |
| Dat | अचलाय | अचलाभ्यां | अचलेभ्यः |
| Abl | अचलात् | अचलाभ्यां | अचलेभ्यः |
| Gen | अचलस्य | अचलयोः | अचलानां |

| | | | |
|-----|--------|---------|----------|
| Loc | अचले | अचलयोः | अचलेषु |
| Voc | हे अचल | हे अचलौ | हे अचलाः |

**Some more अ ending words
in masculine gender.**

| | | | |
|---------|---------|---------|-----------|
| देवः | The god | वर्गः | Group |
| अच्युतः | Vishnu | गुणः | Quality |
| अश्वः | Horse | रसः | Taste |
| आकाशः | Sky | मृदङ्गः | Mrudangam |
| आनन्दः | Joy | बालः | Boy |

आकारान्तः स्त्रीलिङ्गः मालाशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|-----------|----------|
| Nom | माला | माले | मालाः |
| Acc | मालां | माले | मालाः |
| Ins | मालया | मालाभ्यां | मालाभिः |
| Dat | मालायै | मालाभ्यां | मालाभ्यः |
| Abl | मालायाः | मालाभ्यां | मालाभ्यः |
| Gen | मालायाः | मालयोः | मालानां |
| Loc | मालायां | मालयोः | मालासु |
| Voc | हे माले | हे माले | हे मालाः |

Some more आ ending fem. gender words

| | | | |
|------|-------|-------|--------|
| सीता | Sita | रथ्या | Street |
| गाथा | Story | प्रभा | Glow |
| बाला | Girl | रमा | Ramaa |

अकारान्तः नपुंसकलिङ्गः वनशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|----------|----------|
| Nom | वनं | वने | वनानि |
| Acc | वनं | वने | वनानि |
| Ins | वनेन | वनाभ्यां | वनेः |
| Dat | वनाय | वनाभ्यां | वनेभ्यः |
| Abl | वनात् | वनाभ्यां | वनेभ्यः |
| Gen | वनस्य | वनयोः | वनानां |
| Loc | वने | वनयोः | वनेषु |
| Voc | हे वन | हे वने | हे वनानि |

Some more अ ending neuter words.

| | | | |
|-------|----------|--------|---------|
| बलं | Strength | जलं | Water |
| सलिलं | Water | राज्यं | Kingdom |

Note :

1. It may be observed that the dual forms in the first two cases are identical. Similarly, the dual forms of cases 3,4 and 5 are the same. The forms in the sixth and seventh cases also look the same. The plural forms in the cases of 4 and 5 are identical.

There is only marginal difference (with respect to singular forms only) between the nominative and the vocative forms.

3. The neuter gender forms are the same in nominative and accusative forms. In the अ ending neuter forms, cases 3 to 7 are identical with masculine gender forms.

4. The अ ending masculine words and the आ ending feminine words can be compared and contrasted in their declensions.

It may be noted that, with respect to the अ ending masculine and neuter words, in the Instrumental singular form and genetive plural forms, the ending न changes to ण in some words. Compare बालेन with रामेण, similarly in अमरेण, कुमारेण, सूर्येण, etc. Then general rule is that when we have क, र or ष in a word न is replaced by ण.

इकारान्तः पुंलिङ्गः हरिशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|----------|---------|
| Nom | हरिः | हरी | हरयः |
| Acc | हरिं | हरी | हरीन् |
| Ins | हरिणा | हरिभ्यां | हरिभिः |
| Dat | हरये | हरिभ्यां | हरिभ्यः |
| Abl | हरेः | हरिभ्यां | हरिभ्यः |
| Gen | हरेः | हरीयोः | हरीणां |
| Loc | हरी | हरीयोः | हरिषु |
| Voc | हे हरे | हे हरी | हे हरयः |

Some more इ ending neuter words.

| | | | |
|--------|----------|--------|-------|
| निधिः | Treasure | रश्मिः | Ray |
| अतिथिः | Guest | राशिः | Heap |
| अलिः | Bee | ध्वनिः | Sound |

| | | | |
|---------|----------|-----------|--------|
| व्याधिः | Disease | दुन्दुभिः | Drum |
| अद्रिः | Mountain | आधिः | Lunacy |

(अद्रिणा, अद्रीणां)

इकारान्तः स्त्रीलिङ्गः मतिशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|----------|---------|
| Nom | मतिः | मती | मतयः |
| Acc | मतिं | मती | मतीः |
| Ins | मत्या | मतिभ्यां | मतिभिः |
| Dat | मतये | मतिभ्यां | मतिभ्यः |
| Abl | मतेः | मतिभ्यां | मतिभ्यः |
| Gen | मतेः | मत्योः | मतीनां |
| Loc | मतौ | मत्योः | मतिषु |
| Voc | हे मते | हे मती | हे मतयः |

Some more इ ending neuter words.

| | | | |
|---------|----------|---------|-------------------|
| यष्टिः | A stick | वृष्टिः | Rain |
| नीतिः | Justice | कान्तिः | Glow |
| गतिः | Refuge | कीर्तिः | Fame |
| भीतिः | Fear | भूमिः | Earth |
| शक्तिः | Strength | धूलिः | Dust |
| उन्नतिः | rise | बुद्धिः | Intellect |
| मूर्तिः | Form | रात्रिः | Night (रात्रीणां) |

इकारान्तः नपुंसकलिङ्गः वारिशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|----------|--------|--------|
| Nom | वारि | वारिणी | वारीणि |
| Acc | वारि | वारिणी | वारीणि |

| | | | |
|-----|--------------|-----------|-----------|
| Ins | वारिणा | वारिभ्यां | वारिभिः |
| Dat | वारिणे | वारिभ्यां | वारिभ्यः |
| Abl | वारिणः | वारिभ्यां | वारिभ्यः |
| Gen | वारिणः | वारिणोः | वारीणां |
| Loc | वारिणि | वारिणोः | वारिषु |
| Voc | हे वारे-वारि | हे वारिणी | हे वारीणि |

इ - ending neuter words are very few in number.

Note :

1. The इ - ending masculine and feminine words look similar in majority of the cases in their declension. There is difference only in accusative plural and instrumental singular.
2. The first and second case forms of इ ending neuter words are identical. The eighth case's forms differ slightly from the nominative forms. The singular forms of 4th, 5th, 6th and 7th cases and the dual forms of 6th and 7th cases vary from the corresponding forms of इ ending masculine forms.

उकारान्तः पुंलिङ्गः शम्भुशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|------|----------|------------|-----------|
| Nom. | शम्भुः | शम्भू | शम्भवः |
| Acc. | शम्भुं | शम्भू | शम्भून् |
| Ins. | शम्भुना | शम्भुभ्यां | शम्भुभिः |
| Dat. | शम्भवे | शम्भुभ्यां | शम्भुभ्यः |

| | | | |
|----------|----------|------------|-----------|
| Abl. | शम्भोः | शम्भुभ्यां | शम्भुभ्यः |
| Gen. | शम्भोः | शम्भोः | शम्भूनां |
| Loc. | शम्भौ | शम्भोः | शम्भुषु |
| Vocative | हे शम्भो | हे शम्भू | हे शम्भवः |

Some more उ ending masculine words.

| | | | |
|--------|-----------|---------|-----------------|
| परशुः | Axe | बाहुः | Arm |
| प्रभुः | Master | रिपुः | Enemy |
| वायुः | Wind | सेतुः | Dam |
| हेतुः | Reason | वेणुः | Bamboo |
| शिशुः | Child | मेरुः | Meru (Mountain) |
| शुक्रः | Sugarcane | स्याणुः | Sthanu(Siva) |
| तन्तुः | Thread | गुरुः | Teacher |

(प्रभुणा, प्रभूणां, मेरुणा, मेरूणां, गुरुणा, गुरूणां)

उकारान्तः. स्त्रीलिङ्गः 'धेनु शब्दः'

| | Singular | Dual | Plural |
|--------------|----------------|-----------|----------|
| Nominative | धेनुः | धेनू | धेनवः |
| Accusative | धेनुं | धेनू | धेनूः |
| Instrumental | धेन्वा | धेनुभ्यां | धेनुभिः |
| Dative | धेनवे, धेन्वै | धेनुभ्यां | धेनुभ्यः |
| Ablative | धेनोः धेन्वाः | धेनुभ्यां | धेनुभ्यः |
| Genitive | धेनोः, धेन्वाः | धेन्वोः | धेनूनां |
| Locative | धेनौ, धेन्वां | धेन्वोः | धेनुषु |
| Vocative | हे धेनो | हे धेनू | हे धेनवः |

चञ्चुः Beak of a bird

उकारान्तः नपुंसकलिङ्गः मधुशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|-----|---------------|----------|----------|
| Nom | मधु | मधुनी | मधूनि |
| Acc | मधु | मधुनी | मधूनि |
| Ins | मधुना | मधुभ्यां | मधुभिः |
| Dat | मधुने | मधुभ्यां | मधुभ्यः |
| Abl | मधुनः | मधुभ्यां | मधुभ्यः |
| Gen | मधुनः | मधुनोः | मधूनां |
| Loc | मधुनि | मधुनोः | मधुषु |
| Voc | हे मधो, - मधु | हे मधुनी | हे मधूनि |

Some more उ ending - words

| | | | |
|-------|--------|------|----------------------|
| वसु | Wealth | गुरु | Heavy |
| वस्तु | Object | मृदु | Soft |
| तालु | Palate | कटु | Hot |
| लघु | Light | सानु | Summit of a mountain |

(गुरुणा गुरूणां)

The words like लघु coming as attributes will have slight changes in their declension which we will learn later.

द्वितीयः पाठः : Lesson -2

We have learnt the general declensions of words ending in अ इ उ in all eight cases. Let us learn making sentences with words that we have learnt already. Translate the Samskrit sentences into English

and English sentences into Samskrit and practise Exercises are given under the heading अनुवादमाला.

अनुवादमाला-१ - Conversation.

कः सः बालः ? सः रामुः ।

अयं कः? अयं दामोदरः ।

माधवः अत्र अस्ति किम् ? माधवः अत्र नास्ति; तत्र अस्ति ।

सः तत्र किं करोति ? सः पाठं पठति ।

इदं किम् ? इदं फलम् ।

तव पाठशाला कुत्र अस्ति? मम पाठशाला दक्षिणतः अस्ति ।

कस्य अयं कन्दुकः? रमायाः अयं कन्दुकः ।

उमा पठति वा ? उमा न पठति ।

सीता पठति वा ? सीता पठति ।

इदं पुस्तकं किं रामस्य उत कृष्णस्य ? रामस्य एव इदं पुस्तकम् ।

(करोति - Does उत -or)

अनुवादमाला - २

इयं लेखिनी । सा मम हस्ते अस्ति । तया पत्रे लिखामि । मम पाठं तत्र लिखामि । आचार्यः तं पाठं पश्यति । साधु त्वया लिखितं इति वदति । बालिका उमा अपि मया सह पाठशालां गच्छति । मया सहैव सा पठति । सा सम्यक् पठति ।

(लेखिनी-Pen, पश्यति-Sees, साधु -Well, लिखितं-Written)

अनुवादमाला - ३

इयं मे लेखिनी । तस्यां नीला मषी अस्ति । पाठशालायां वृक्षाः सन्ति । लताश्च तत्र सन्ति । लतासु पुष्पाणि सन्ति ।

पुष्पैः मालां अहं करोमि । त्वं किं खादसि ? फलानि रुचिराणि
अत्र सन्ति । तव पेटी कुत्र अस्ति ? पेठ्यां पुस्तकं विद्यते ।

(मषी-Ink , रुचिराणि- tasty, पेटी-Box)

अनुवादमाला - ४

का सा बालिका ? सा रमा ।
सा किं पाठशालां गच्छति ? सा पाठशालां न गच्छति ।
अपि तु गृहं गच्छति ।
त्वं पाठशालां कदा गच्छसि ? अहं प्रातः पाठशालां गच्छामि ।
तस्याः बालिकायाः किं नाम ? तस्याः श्यामला इति नाम ।
सा किं संस्कृतं पठति ? सा संस्कृतं पठति ।
रमेशः किं पठति ? सः तमिल्भाषां पठति ।
त्वं रमेशेन सह कुत्र गच्छसि ?
अहं रमेशेन सह उद्यानं गच्छामि ।
कृष्णः सत्यं वदति किम् ? कृष्णः सत्यं एव वदति ।
रमायाः पिता कुत्र अस्ति ? रमायाः पिता गृहे अस्ति ।
कानि इमानि ? इमानि क्रीडनकानि ।
(क्रीडनकानि- Playthings)

अनुवादमाला -- ५

Translate into Samskrit

I am coming there. You are going to school. Rama is not there. I am not going to school. Rama is giving a book to Krishna. This is my ball. You are playing with the ball. Damodara is going to the city. There are fruits in the tree. I am eating fruits.

अनुवादमाला--६

Translate in to Samskrit.

Where are you going? I am going to the school.
Is Rama there? Rama is not there. Krishna is there.
Where is Krishna going? Krishna is going to his
house.

What is there in the tree? There are fruits in the
tree.

Where is that fruit? That fruit is with Sita.

Who is this boy? This boy is my friend.

What is this? This is a lamp.

What is there in Rama's hand? There is a pen in Rama's
hand.

What do you do with a pen? I write with a pen.

Whose pen is this? This is Rama's Pen.

तृतीयः पाठः Lesson - 3

Kalidasa was a poet of Ujjain. One fine morning he saw a little girl hopping across to her school. This is the conversation between the poet and the child.

कालिदासः - का त्वं बाले ?

बाला - काञ्चनमाला ।

कालिदासः - कस्याः पुत्री ?

बाला - कनकलतायाः ।

कालिदासः - हस्ते किं ते ?

बाला - तालीपत्रम् ।

कालिदासः - का वा रेखा ?

बाला - का खा गा घा ?

The entire verse runs thus :

का त्वं बाले काञ्चनमाला कस्याः पुत्री कनकलतायाः ।
हस्ते किं ते तालीपत्रं कां वा रेखा का खा गा घा ॥

The prose order of the verse

बाले ! त्वं का ? (अहं) काञ्चनमाला । (त्वं) कस्याः
पुत्री ? कनकलतायाः (पुत्री) । ते हस्ते (किं अस्ति) ? (मे
हस्ते) तालीपत्रं (अस्ति) । तत्र का वा रेखा ? (तत्र) का खा
गा घा ।

(तालीपत्रं- Palm Leaf (A writing material in those
days) रेखा- Written letters)

चतुर्थः पाठ - : Lesson - 4

अनुवादमाला- ७

Translate in to English.

सः बालाभ्यां सह ग्रामं गच्छति । त्वं कर्णाभ्यां
आकर्णयसि । योधाः बाणैः युध्यन्ति । माणवकाः गुरुभिः सह
आगच्छन्ति । भिक्षुः आहाराय अटति । गुरुः शिष्याय तत्त्वं
उपदिशति । राधा पुत्राभ्यां पाकं करोति । त्वं देवेभ्यः पुष्पं
नयसि । जनकः पुत्रेभ्यः धनं संपादयति । त्वं अतिथिभ्यां क्षीरं
आनयसि । धनिकः अगतिभ्यः वस्त्राणि यच्छति । कण्णप्पः शम्भवे
नेत्रं अर्पयति । अहं पशुभ्यां घासं आनयामि । गुरुभ्यो नमः ।
पिता पुत्राय कुप्यति । गुरुः शिष्याय क्रुध्यति । बालकः
क्रीडनकाय स्पृहयति । कृतघ्नः मित्राय द्रुह्यति । लुब्धः धनिकाय
असूयति । गजः महिषात् उन्नतः । तडागः समुद्रात् अल्पः ।

जनाः जीवनाय ग्रामेभ्यः नगरं आगच्छन्ति। कौरवेभ्यः पाण्डवाः सचरित्राः। रविः हरेः बलवान्। हरिः रवेः दुर्बलः। नृपाः शत्रोः राज्यं रक्षन्ति।

आकर्णयसि- You hear, योधाः Soldiers, युध्यन्ति (They) fight, अटति- wanders, उपदिशति- instructs, पाकः Cooking, अगतिः Destitute, घासः- Grass, सचरित्रः- A man of good conduct, कृतघ्नः Ungrateful लुब्धः - Greedy Man

पञ्चमः पाठः Lesson - 5

Let us now look into the ऋ ending words. They are of two types. The first type of words are the kinship terms like पितृ (father) and मातृ (mother). Eight such words are important and are frequently used.

1. पितृ- - पिता Father (Masc)
 2. भ्रातृ - - भ्राता Brother (Masc)
 3. जामातृ- - जामाता Son-in-law (Masc)
 4. मातृ- माता Mother (Fem)
 5. दुहितृ - दुहिता. Daughter (Fem)
 6. स्वसृ - - स्वसा Sister (Fem)
 7. ननान्द- ननान्दा Sister-in-law (Fem)
 8. यातृ- याता Co-sister (wife of husband's brother.) (Fem.)
- 1-3 are in masculine gender only. 4-8 are placed in feminine gender only. Another kinship term that we use is नप्तृ It has forms in both the genders.

नप्तु-नप्ता Great grand son (Masc)

नप्तु-नप्त्री Great grand daughter (Fem)

It gets ई endings in feminine gender.

The second category of nouns are derived from verbal roots. For example, "to run" is a verb. The word "runner" is a noun derived from it. In Sanskrit also we have such noun forms. The root पठ् to read, can be transformed into a nominal stem as पठितृ meaning "one who reads or a reader. Its forms in the three genders are-

| | Singular | Dual | Plural |
|-----------|----------|-----------|-----------|
| masculine | पठिता | पठितारौ | पठितारः |
| feminine | पठित्री | पठित्र्यौ | पठित्र्यः |
| neuter | पठितृ | पठितृणी | पठितृणि |

Some more examples are given.

| Root | Masc. | Meaning | Neu | Fem |
|------|---------|-----------|---------|-----------|
| पठ | पठिता | Reader | पठितृ | पठित्री |
| रक्ष | रक्षिता | Protector | रक्षितृ | रक्षित्री |
| दा | दाता | Giver | दातृ | दात्री |
| धा | धाता | Creator | धातृ | धात्री |
| गम् | गन्ता | Goer | गन्तृ | गन्त्री |
| शास् | शास्ता | Ruler | शास्तृ | शास्त्री |
| कृ | कर्ता | Doer | कर्तृ | कर्त्री |
| दृश् | द्रष्टा | Seer | द्रष्टृ | द्रष्ट्री |
| नी | नेता | Leader | नेतृ | नेत्री |

ऋकारान्तः पुंलिङ्गः नेतृशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|------|----------|-----------|-----------|
| Nom | नेता | नेतारौ | नेतारः |
| Acc | नेतारं | नेतारौ | नेतृन् |
| Inst | नेत्रा | नेतृभ्यां | नेतृभिः |
| Dat | नेत्रे | नेतृभ्यां | नेतृभ्यः |
| Abl | नेतुः | नेतृभ्यां | नेतृभ्यः |
| Gen | नेतुः | नेत्रोः | नेतृणां |
| Loc | नेतरि | नेत्रोः | नेतृषु |
| Voc | हे नेतः | हे नेतारौ | हे नेतारः |

ऋकारान्तः नपुंसकलिङ्गः नेतृ शब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|------------------------------|----------|-----------|-----------|
| Nom | नेतृ | नेतृणी | नेतृणि |
| Acc | नेतृ | नेतृणी | नेतृणि |
| (Inst to loc like masculine) | | | |
| | हे नेतृ | हे नेतृणी | हे नेतृणि |

ईकारान्तः स्त्रीलिङ्गः नेत्रीशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|------|-----------|-------------|------------|
| Nom | नेत्री | नेत्र्यौ | नेत्र्यः |
| Acc | नेत्रीं | नेत्र्यौ | नेत्रीः |
| Ins | नेत्र्या | नेत्रीभ्यां | नेत्रीभिः |
| Dat | नेत्र्यै | नेत्रीभ्यां | नेत्रीभ्यः |
| Abla | नेत्र्याः | नेत्रीभ्यां | नेत्रीभ्यः |

| | | | |
|-----|------------|-------------|--------------|
| Gen | नेत्र्या : | नेत्र्यो : | नेत्रीणां |
| Loc | नेत्र्यां | नेत्र्यो : | नेत्रीषु |
| Voc | हे नेत्रि | हे नेत्र्यौ | हे नेत्र्य : |

Transalate the following sentences into English with the help of a Samskrit-English Dictionary. The key is given at the end of the lesscn.

१. धाता जगत् सृजति ।
२. दाता दरिद्रेभ्यः धनं यच्छति ।
३. रामः जनकस्य जामाता ।
४. देवकी कृष्णस्य माता ।
५. राधा वृषभानोः दुहिता ।
६. कृष्णस्य पत्नी रुक्मिणी ।
७. बलरामस्य पत्नी रेवती ।
८. रुक्मिणी रेवत्याः याता ।
९. रेवती रुक्मिण्याः याता ।
१०. वाली सुग्रीवस्य भ्राता ।
११. सुभद्रा बलरामकृष्णयोः स्वसा ।
१२. सुभद्रा रुक्मिण्याः ननान्दा ।
१३. याचकाः दातारं प्रशंसन्ति ।
१४. जननायक राज्येषु मन्त्रिणः एव शास्तारः ।
१५. होतुः नेत्रे धूमेन आविले भवतः ।
१६. पिता पुत्रं लालयति । पितामहः पौत्रं लालयति ।
प्रपितामहः नप्तारं लालयति ।
१७. नेतुः सुभाषचन्द्रवसोः कीर्तिः महती ।

Key to Lesson - 5

1. The creator creates the world.
2. The donor gives money to the poor
3. Rama is the son-in-law of Janaka
4. Devaki is Krishna's mother.
5. Radha is Vrushabhanu's daughter.
6. Krishna's wife is Rukmini.
7. Balarama's wife is Revathi
8. Rukmani is Revathi's Co-sister
9. Revathi is Rukmini's Co-sister
10. Vaali is Sugriva's brother.
11. Subhadhra is the sister of Krishna and Balarama.
12. Subhadra is Rukmini's sister - in - law
13. The beggars praise the donor.
14. In democratic countries the ministers are the rulers.
15. The two eyes of the fire sacrificer are dim due to smoke.
16. The father is fondling the son. The grandfather is fondling grandson. The greatgrandfather is fondling greatgrandson.
17. The fame of leader Subhas Chandra Vasu is great.

षष्ठः पाठः Lesson - 6**ऋकारान्त Words**

Certain special features of ऋ ending kinship terms can be seen in this lesson.

1. Only the particular genders are provided.
2. भ्राता भ्रातरौ भ्रातरः भ्रातरं भ्रातरौ - Note the change

3. स्वसृ ननान्द स्वसारौ स्वसारः Note the change into long syllables . मातृ and the other four kinship terms do not decline like fem. forms. धात्री , यात्री. मातृ and the other four kinship terms take the forms in the second case. मातृः दुहितृः स्वसृः ननान्दृः यातृः .

The full forms of these words are given for a clear understanding.

ऋकारान्तः पुल्लिङ्गः भ्रातृशब्दः

| | Singular | Dual | Plural |
|------|-----------|-------------|------------|
| Nom | भ्राता | भ्रातरौ | भ्रातरः |
| Acc | भ्रातरं | भ्रातरौ | भ्रातृन् |
| Inst | भ्रात्रा | भ्रातृभ्यां | भ्रातृभिः |
| Dat | भ्रात्रे | भ्रातृभ्यां | भ्रातृभ्यः |
| Abl | भ्रातुः | भ्रातृभ्यां | भ्रातृभ्यः |
| Gen | भ्रातुः | भ्रात्रोः | भ्रातृणां |
| Loc | भ्रातरि | भ्रात्रोः | भ्रातृषु |
| Voc | हे भ्रातः | हे भ्रातरौ | हे भ्रातरः |

पितृ , जामातृ - are declined in the same manner.

ऋकारान्तः स्त्रीलिङ्गः मातृशब्दः

| | | | |
|------|--------|-----------|---------|
| Nom | माता | मातरौ | मातरः |
| Acc | मातरं | मातरौ | मातृः |
| Inst | मात्रा | मातृभ्यां | मातृभिः |

The other forms are like भ्रातृ format. दुहितृ and यातृ are also declined on the same lines.

‘ ऋ ’कारान्तः स्त्रीलिङ्गः स्वसृशब्दः

| | | | |
|------|----------|------------|------------|
| Nom. | स्वसा | स्वसारौ | स्वसारः |
| Acc. | स्वसारं | स्वसारौ | स्वसृः |
| Ins. | स्वस्रा | स्वसृभ्यां | स्वसृभिः |
| Dat. | स्वस्रे | स्वसृभ्यां | स्वसृभ्यः |
| Abl. | स्वसुः | स्वसृभ्यां | स्वसृभ्यः |
| Gen. | स्वसुः | स्वस्रोः | स्वसृणां |
| Loc. | स्वसरि | स्वस्रोः | स्वसृषु |
| Voc. | हे स्वसः | हे स्वसारौ | हे स्वसारः |

ननान्द्र is also declined on the same lines. The students must write them and practise.

Read the following sentences

यः गुणैः पितरं प्रीणयति सः पुत्रः ।

One who pleases his father through his good qualities is a son.

या भर्तुः हितं इच्छति सा भार्या ।

One who wishes the welfare of her husband is wife.

जनिता, उपनेता, विद्यादाता, अन्नदाता, भयत्राता एते च पञ्च पितरः ।

One's own father, one who admitted (us) to a teacher, the giver of knowledge, the giver of food, one who has protected (us) from fear are the five fathers.

रामः पितुः आज्ञया वनं गच्छति ।

Rama goes to forest by the order of his father.

जगतः पितरौ पार्वतीपरमेश्वरौ वन्दे ।

I worship Parvati and Parameswara who are the parents of the world.

माता च पिता च पितरौ ।

Father and Mother are parents.

अनुवादमाला - ८

Translate into English

पार्वतीपरमेश्वरौ कैलासे वसतः । एकदा पार्वती परमेश्वरं पृच्छति, 'नाथ ! मम पितरौ स्तः । तव पितरौ क तिष्ठतः ?' इति । परमेश्वरः वदति- "पार्वती ! त्वं सत्यं वदसि । मम पितरौ न स्तः । किन्तु मम श्वशुरौ स्तः । तव श्वशुरौ क तिष्ठतः ? " इति । पार्वती लज्जिता तिष्ठति ।

(स्तः are (d), श्वशुरौ - The in - Laws , लज्जिता - Being shy

Exercise : Practise the declensions of पितृ, भर्तृ, जनितृ, उपनेतृ, विद्या दातृ, अन्न दातृ, भयत्रातृ ।

* _ * _ *

सप्तमः पाठः Lesson - 7

भूतकालः Past Tense

गच्छति गच्छतः गच्छन्ति । are present tense forms.

गच्छतु गच्छतां गच्छन्तु । are Imperative forms. They are taught in Book I. Let us now compare the Past tense (Imperfect past) termination.

| Present | Imperative | Past tense |
|-------------|--------------|------------|
| ति तः अन्ति | तु तां अन्तु | त् तां अन् |
| सि थः थ | - तं त | स् तं त |
| मि वः मः | आनि आव आम | अं व म |

अभवत्- He/She was, अयच्छत् - He / She gave.

अजनयत्- gave birth to. The present tense forms भवति, यच्छति, and जनयति change like this in past tense. It may be seen that these past tense forms have अ in the beginning.

पुरा कोसलदेशे दशरथः नाम राजा आभवत्।

There was a king by name Dasaratha in the Kosala country.

तस्य कौसल्या कैकेयी सुमित्रा इति भार्याः अभवन्।

He had (there were) three wives for him, Kausalya, Kaikeyi and Sumitra.

किन्तु एकः पुत्रः अपि न अभवत्।

But he had no son at all.

राजा अश्वमेधेन अयजत्

He worshipped through the performance of horse sacrifice.

देवता दशरथाय पायसं अयच्छत्।

The deity offered him a sweet gruel.

सः पायसं भार्याभ्यः अयच्छत्।

He gave the sweet gruel to his wives

ता : गर्भिण्यः अभवन् ।

They became pregnant.

कौसल्या रामं अजनयत् । कैकेयी भरतं अजनयत् । सुमित्रा
लक्ष्मणं शत्रुघ्नं च अजनयत् ।

Kausalya gave birth to Rama. Kaikeyi gave birth to
Bharatha. Sumitra gave birth to Lakshmana and
Shatrughna

राजा नितरां अतुष्यत् ।

The king rejoiced very much

बालाः सर्वाः विद्याः अपठन् ।

The boys learnt all the arts.

Past tense (Imperfect) forms

| | | |
|----------|-----------|----------|
| अभवत् | अभवतां | अभवन् |
| अभवः | अभवतं | अभवत |
| अभवं | अभवाव | अभवाम |
| अतुष्यत् | अतुष्यतां | अतुष्यन् |
| अतुष्यः | अतुष्यतं | अतुष्यत |
| अतुष्यं | अतुष्याव | अतुष्याम |
| ऐच्छत् | ऐच्छतां | ऐच्छन् |
| ऐच्छः | ऐच्छतं | ऐच्छत |
| ऐच्छं | ऐच्छाव | ऐच्छाम |
| अजनयत् | अजनयतां | अजनयन् |
| अजनयः | अजनयतं | अजनयत |
| अजनयं | अजनयाव | अजनयाम |

Note : The form इच्छति has इ in the begining. When the past tense marker अ is added in the beginning अ and इ combine to form ऐ. Therefore, we have ऐच्छत् ऐच्छतां ऐच्छन् in the past tense.

There are three past tenses in Samskrit. What we have learnt in this lesson is known as imperfect past tense. There are two more called perfect past tense (लिट्) and Aorist past tense (लुङ्)

Exercise : Transform the following present tense sentences into past tense and translate. The key is given at the end of the lesson.

१. विश्वामित्रः अयोध्यां आगच्छति ! (आगच्छत् -came)
२. सः यागं कर्तुं इच्छति ।
३. मारीचः सुबाहुः च यागस्य विघ्नं चरतः ।
४. दशरथः यागरक्षणाय रामं लक्ष्मणं च यच्छति ।
५. रामलक्ष्मणौ विश्वामित्रस्य यागं रक्षतः ।
६. तौ मिथिलां गच्छतः ।
७. तत्र रामः शिवधनुः आरोपयति ।
८. जनकमहाराजः तुष्यति ।
९. सः दशरथं आनयति ।
१०. दशरथः बन्धुभिः सह मिथिलां आगच्छति ।
११. जनकः रामाय सीतां, लक्ष्मणाय ऊर्मिलां च यच्छति ।
१२. जनकस्य सहोदरः कुशध्वजः माण्डवीं भरताय श्रुतकीर्तिं शत्रुघ्नाय च यच्छन्ति ।

१३. दशरथः पुत्रैः वधूभिः च सह अयोध्यां आगच्छति ।
 १४. मार्गे परशुरामः आगच्छति ।
 १५. रामः परशुरामं युद्धे जयति ।
 १६. सर्वे साकेते सुखं वसन्ति ।

Key to Lesson -7

1. Visvamitra is coming to Ayodhya.
2. He wants to perform a sacrifice.
3. Maṛicha and Subahu cause impediment to the sacrifice.
4. Dasaratha gives Rama and Lakshmana for protection of sacrifice.
5. Rama and Lakshmana protect the sacrifice of Viṣvamitra.
6. They go to Mithila.
7. There Rama ties up the Siva's bow.
8. King Janaka rejoices.
9. He brings Dasaratha.
10. Dasaratha comes to Mithila with relatives.
11. Janaka gives Sita to Rama and Urmila to Lakshmana.
12. Janaka's brother Kusadhwaja gives Mandavi to Bharata and Srutakirti to Satrughna.
13. Dasaratha comes to Ayodhya with his sons and daughters in law.
14. Parasurama comes on the way.
15. Rama conquers Parasurama in war.
16. All live happily in Saketa.

अनुवादमाला-९

Translate into English :

मातुः भ्राता मातुलः । दुहितुः भर्ता जामाता । सीता ऊर्मिला च स्वसारौ । रामः भरतः लक्ष्मणः शत्रुघ्नश्च भ्रातरः । सीता रामस्य पत्नी । ऊर्मिला लक्ष्मणस्य पत्नी । सीता ऊर्मिला च परस्परं यातरौ च भवतः । मम भाग्यस्य दातारं, भयस्य हन्तारं श्रीरामं नमामि । रामः भ्रात्रा लक्ष्मणेन, जनकस्य दुहित्रा सीतया च सह वनं अगच्छत् । जनकः दुहितरं सीतां रामाय अददात् । रामं जामातरं अकरोत् ।

(अगच्छत् - went, अकरोत् - did अददात् - gave)।

अनुवादमाला - १०

Translate into English :

वसुदेवस्य दुहिता सुभद्रा । सा कृष्णस्य स्वसा । कृष्णः स्वसारं सुभद्रां अर्जुनाय अददात् । रुक्मिणी ननान्दरि सुभद्रायां अतीव प्रेम प्रकटितवती । वसुदेवः जामात्रे अर्जुनाय पारितोषिकं अयच्छत् । कृष्णस्य माता देवकी । तस्याः भ्राता कंसः । स्वसुः देवक्याः पुत्रे कृष्णे तस्य महान् द्वेषः अभवत् । अन्नस्य दाता पित्रा समः । भयात् त्रातारं पितुः समं वदन्ति । विद्यायाः दातारं श्रीगुरुं नमामि ।

(अददात्, अयच्छत् = gave, त्राता = Protector, दाता = Giver, प्रकटितवती = Exhibited(-f))

अनुवादमाला-११

Translate into English :

भरतस्य माता कैकेयी । सा भर्तारं दशरथं वरं अयाचत । तेन
भरतस्य भ्राता श्रीरामः वनं अगच्छत् । अजः दशरथस्य पिता ।
दशरथस्य पौत्रौ कुशलवौ, अजस्य नप्तारौ भवतः । मम स्वसुः
भर्ता वेङ्कटरामः इदानीं अत्र आगच्छति । मम स्वसुः पुत्राय
बालाय कन्दुकं ददामि । रामः नष्ट्रे पारितोषिकं ददाति ।
मातरं पितरं च प्रातः नमामि । मात्रा सह आपणं गच्छामि ।
पित्रे आसनं ददामि । पितुः (Abl.) वस्त्रं गृह्णामि । मातुः भ्रातरं
मातुलं नमामि । मातरि मे महती भक्तिः ।

(अयाचत - requested. ददामि - I give , ददाति - He
gives. गृह्णामि- I take)

अनुवादमाला - १२

Translate into Sanskrit.

I am going to school with my mother. He salutes
his father. Rukmini comes here with her sister-in-law.
Urmila sees her sister. Kamsa torments his sister.
Janka's daughter is Sita. Urmila is Sita's sister.

अष्टमः पाठः :- Lesson - 8

Adjectives

Nouns, pronouns and adjectives take the
different cases. They can be declined. We saw the
declensions of words like राम and हरि in all eight
cases. We also saw the declensions of pronouns like
सा - तौ - ते, सा- ते-ताः and तत् - ते-तानि The pronouns

do not have the eighth case. The adjectives describe the nouns and bring out their characteristics. - Eg. good boy, bad road, tall tree etc. Adjectives are called as विशेषण in Samskrit.

The adjectives also take gender, number and case. They qualify a noun and so they take the same case, number and gender form as the noun they qualify. Let us see some examples.

(शीतल- Cool, उष्ण - Hot, मधुर - Sweet)

| Mas. | Fem. | Neuter |
|----------------|----------------|-------------|
| चन्द्रः शीतलः | रात्रिः शीतला | दिपं शीतलं |
| सूर्यः उष्णः | ज्वाला उष्णा | अन्नं उष्णं |
| इक्षुरसः मधुरः | द्राक्षा मधुरा | गानं मधुरं |

The adjective शीतल gets transformed to शीतलः, शीतला, शीतलं, in the three genders, Masc., Fem and neuter respectively. Likewise they will get transformed according to the number and case of the noun they qualify.

Let us see some adjectival forms.

| | | Mas | Fem. | Neuter |
|-------|-------|--------|--------|--------|
| शीतल | Cool | शीतलः | शीतला | शीतलं |
| उष्ण | Hot | उष्णः | उष्णा | उष्णं |
| शुभ्र | White | शुभ्रः | शुभ्रा | शुभ्रं |
| रक्त | Red | रक्तः | रक्ता | रक्तं |
| कृष्ण | Black | कृष्णः | कृष्णा | कृष्णं |

| | | | | |
|---------|-----------|----------|----------|----------|
| नील | Blue | नीलः | नीला | नीलं |
| पीत | Yellow | पीतः | पीता | पीतं |
| हरित | Green | हरितः | हरिता | हरितं |
| सूक्ष्म | Subtle | सूक्ष्मः | सूक्ष्मा | सूक्ष्मं |
| स्थूल | Fat | स्थूलः | स्थूला | स्थूलं |
| कृश | Lean | कृशः | कृशा | कृशं |
| वृद्ध | Old | वृद्धः | वृद्धा | वृद्धं |
| बाल | Young | बालः | बाला | बालं |
| आढ्य | Rich | आढ्यः | आढ्या | आढ्यं |
| धनिक | Rich | धनिकः | धनिका | धनिकं |
| दरिद्र | Poor | दरिद्रः | दरिद्रा | दरिद्रं |
| निपुण | Clever | निपुणः | निपुणा | निपुणं |
| शूर | Brave | शूरः | शूरा | शूरं |
| चतुर | Efficient | चतुरः | चतुरा | चतुरं |
| पुराण | Old | पुराणः | पुराणी | पुराणं |
| नवीन | New | नवीनः | नवीना | नवीनं |
| नव | New | नवः | नवा | नवं |
| मूक | Dumb | मूकः | मूका | मूकं |
| पङ्गु | Lame | पङ्गुः | पङ्गुः | पङ्गु |
| बधिर | Deaf | बधिरः | बधिरा | बधिरं |
| काण | Blind | काणः | काणा | काणं |

(Single eye)

अन्धः Blind (both eyes) अन्धः अन्धा अन्धं

| | | | | |
|--------|---------------|---------|---------|---------|
| विग्र | Short of nose | विग्रः | विग्रा | विग्रं |
| परुष | Harsh | परुषः | परुषा | परुषं |
| मधुर | Pleasing | मधुरः | मधुरा | मधुरं |
| मृदुल | Soft | मृदुः | मृदुः | मृदु |
| मृदुल | Soft | मृदुलः | मृदुला | मृदुलं |
| हिंस्र | cruel | हिंस्रः | हिंस्रा | हिंस्रं |
| सिकतिल | Sandy | सिकतिलः | सिकतिला | सिकतिलं |
| कठिन | Hard | कठिनः | कठिना | कठिनं |
| सुरभि | Fragrant | सुरभिः | सुरभिः | सुरभि |
| दयालु | Kind | दयालुः | दयालुः | दयालु |
| शान्त | Peaceful | शान्तः | शान्ता | शान्तं |
| पूति | Foul smelling | पूतिः | पूतिः | पूति |
| पूर्ण | Full | पूर्णः | पूर्णा | पूर्णं |
| रिक्त | Empty | रिक्तः | रिक्ता | रिक्तं |
| अल्प | a little | अल्पः | अल्पा | अल्पं |
| अधिक | More, a lot | अधिकः | अधिका | अधिकं |
| विरल | Few | विरलः | विरला | विरलं |

Please note :

1. It is not necessary that adjectives must end in अ. There are also adjectives ending in इ उ etc.
2. The adjectives having अ ending will take आ ending. in Fem. Eg. मधुरा or ई ending.(सुन्दरी)

3. The adjectives take the same number gender case form as the noun they qualify.

For example if we take the adjective निपुण meaning clever, it becomes निपुणः बालः, निपुणौ बालौ, निपुणाः बालाः in singular dual and plural. So in all the cases together, there will be $8 \times 3 = 24$ different forms. Similarly in feminine gender beginning with निपुणा कन्या, निपुणे कन्ये and निपुणाः कन्याः we will have 24 forms. But the case termination attached to the adjectives do not convey any special meaning. But they have to take a similar form as the noun they qualify.

उन्नतः गिरिः - Tall mountain. अगाधः समुद्रः - deep ocean.
प्रसिद्धाः भूपतयः - famous kings.

Translate the following sentences into English with the help of a dictionary. Key is given at the end of the lesson.

- (१) नगरेषु धनिकाः जनाः वसन्ति ।
- (२) अहं उन्नतं गिरिं पश्यामि ।
- (३) आदिकविना वाल्मीकिना रामायणं कृतम् ।
- (४) अनुजेन लक्ष्मणेन सह रामः वनं गच्छति ।
- (५) सीता अपि भर्तारं रामं अनुगच्छति ।
- (६) वृद्धाः नराः मन्दं मन्दं गच्छन्ति ।
- (७) उन्नतात् पर्वतात् नदी प्रवहति ।
- (८) एकलव्यः गुरोः द्रोणस्य प्रतिमां करोति ।

(९) कृष्णः भक्तायाः द्रौपद्याः मानं रक्षति ।

(१०) भृङ्गाः रम्येभ्यः पुष्पेभ्यः मधु पिबन्ति ।

(११) जीर्णेषु वृक्षेषु विहगाः न वसन्ति ।

(१२) सर्कारः दरिद्रेभ्यः माणवकेभ्यः उपकार-धनं यच्छति ।

Key to the lesson 8

1. Rich people live in towns.
2. I see a tall mountain.
3. The Ramayana was composed by the first poet Valmiki.
4. Rama goes to the forest with his younger brother Lakshmana.
5. Sita also follows her husband, Rama.
6. Old people go slowly and slowly.
7. River flows from the tall mountain.
8. Ekalavya makes an image of his teacher Drona.
9. Krishna saves the dignity of the devotee Draupadi.
10. The bees are drinking honey from beautiful flowers.
11. Birds do not live in worn out trees.
12. The Government is giving scholarship-money to the poor students

1, Use the adjectives given and give them format according to the noun they qualify.

दयालु - पुरुषेण । रक्त-पुष्पे । उष्णेन उदके - । निपुण-
कन्यका । सुरभि-वायुना । पुराण-आलयानाम् । स्थूल-फलानि ।
मृदु-शयने । पशु-नरौ । पीतानि पुष्प- । उष्ण - ज्वालाभिः
कठिन - शिलायां ।

2. Given below are some adjectives and nouns. Rewrite the sentences with the proper form of adjectives (in agreement with the nouns they qualify)

चतुरः बालकाः । निपुणः कन्यका । उष्णः जलं ।

शीतला हिमं । उन्नता गिरिः । सुरभि पुष्पाणि ।

अन्धाय मनुष्यस्य । मृदुः शयने । क्रूरं मृगान् । दीनेषु जनेषु ।

3. Translate into Sanskrit :

1. Little water, 2. More milk,
3. empty vessel, 4. sweet music.

अनुवादमाला - १३

Translate in to English.

दयालुः गुरुः छात्रं बोधयति । अन्धः नरः भिक्षां याचते ।
अश्वः सिकतिलायां भूमौ तिष्ठति । कठिनायां शिलायां वयं
उपविशामः । रामः मधुरं वचः भाषते । तटाके मधुरं पानीयं अस्ति ।
दरिद्रस्य हस्तः रिक्तः भवति । आढ्यस्य हस्तः धनेन पूर्णः भवति ।
ज्ञानिनः विरलाः भवन्ति । अयं आश्रमः शान्तः भवति ।

(छात्र : Student, याचते - requests, उपविशामः We sit,
भाषते - speaks).

अनुवादमाला - १४

Translate into English.

भारते हिमालयः उन्नतः गिरिः । तस्मात् उन्नतात् हिमालयात् गङ्गा
प्रवहति । गङ्गायाः जलं मधुरं शीतं च भवति । गङ्गायाः प्रवाहः पूर्णः
भवति । सुरभिणा पुष्पेण ईश्वरं अर्चयति । अयं याचकः शान्तात्

धनिकात् अधिकं धनं याचते। बालाः माणवकाः रम्याणि पारितोषिकाणि लभन्ते। अगाधे समुद्रे प्रसिद्धाः मुक्ताः विद्यन्ते।

(प्रवहति - flows, प्रवाहः - Flow, पारितोषिकाणि- Presentations, लभन्ते- get, मुक्ताः - Pearls)

नवमः पाठः Lesson - 9

सङ्ख्या - Numbers 1 to 10 .

| Masc. | | Fem. | Neuter |
|---------|-------|--------|---------|
| एकः | One | एका | एकं |
| द्वौ | Two | द्वे | द्वे |
| त्रयः | Three | तिस्रः | त्रीणि |
| चत्वारः | Four | चतस्रः | चत्वारि |
| पञ्च | Five | पञ्च | पञ्च |
| षट् | Six | षट् | षट् |
| सप्त | Seven | सप्त | सप्त |
| अष्ट | Eight | अष्ट | अष्ट |
| नव | Nine | नव | नव |
| दश | Ten | दश | दश |

Note : एक (One) द्वि (two) त्रि (three) and चतुर् (Four) have different forms in the three genders. The numbers 5 to 10 have common forms in all the three genders. There are case forms for these numbers denoting words also. एक has to be declined in singular only, द्वि in dual only, त्रि and other numbers have

plural forms only. They are given at the end of the lesson.

- (१) अयं एकः बालः । He is a boy
 इयं एका बाला । She is a girl
 इदं एकं पुष्पम् । This is a flower
- (२) अयं एकः बालः + अयं एकः बालः = इमौ द्वौ बालौ
 इयं एका बाला + इयं एका बाला = इमे द्वे बाले
 इदं एकं पुष्पम् + इदं एकं पुष्पम् = इमे द्वे पुष्पे
- (३) अयं एकः बालः + अयं एकः बालः +
 अयं एकः बालः = इमे त्रयः बालाः ।
 इयं एका बाला + इयं एका बाला +
 इयं एका बाला = इमाः तिस्रः बालाः ।
 इदं एकं पात्रं + इदं एकं पात्रं +
 इदं एकं पात्रं = इमानि त्रीणि पात्राणि ।

The other number - denoting words also should be used in a similar fashion.

Exercise : Fill up the blanks

रामः कृष्णः इति वसुदेवस्य.....पुत्रौ (द्वौ is the answer)

कुन्ती माद्री इति पांडोः भार्ये ।

कुम्भकर्णः विभीषणः इति रावणस्य भ्रातरौ ।

दशरथस्य, रामः, लक्ष्मणः, भरतः, शत्रुघ्नः इति.....पुत्राः ।

धर्मपुत्रादयः (Dharma putra and others)भ्रातरः ।

वर्षस्य.....ऋतवः । (ऋतुः = A season of two months)

सूर्यादयः.....ग्रहाः ।

सुब्रह्मण्यस्यमुखानि ।

परमेश्वरस्यनेत्राणि ।

The declension of एक and other words.

The words एक, द्वि, त्रि and चतुर् have different forms in different genders.

Singular only

| masc | fem | neuter |
|----------|---------|----------|
| एकः | एका | एकं |
| एकं | एकां | एकं |
| एकेन | एकया | एकेन |
| एकस्मै | एकस्यै | एकस्मै |
| एकस्मात् | एकस्याः | एकस्मात् |
| एकस्य | एकस्याः | एकस्य |
| एकस्मिन् | एकस्यां | एकस्मिन् |

द्वि शब्दः (Dual only)

| mas | fem | neut |
|-----------|-----------|-----------|
| द्वौ | द्वे | द्वे |
| द्वौ | द्वे | द्वे |
| द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |
| द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| द्वाभ्यां | द्वाभ्यां | द्वाभ्यां |
| द्वयोः | द्वयोः | द्वयोः |
| द्वयोः | द्वयोः | द्वयोः |

त्रि शब्द (Plural only)

| | | |
|----------|----------|----------|
| mas | fem | neuter |
| त्रयः | तिस्रः | त्रीणि |
| त्रीन् | तिस्रः | त्रीणि |
| त्रिभिः | तिसृभिः | त्रिभिः |
| त्रिभ्यः | तिसृभ्यः | त्रिभ्यः |
| त्रिभ्यः | तिसृभ्यः | त्रिभ्यः |
| त्रयाणां | तिसृणां | त्रयाणां |
| त्रिषु | तिसृषु | त्रिषु |

चतुर् शब्द : (Plural only)

| | | |
|-----------|----------|-----------|
| चत्वारः | चतस्रः | चत्वारि |
| चतुरः | चतस्रः | चत्वारि |
| चतुर्भिः | चतसृभिः | चतुर्भिः |
| चतुर्भ्यः | चतसृभ्यः | चतुर्भ्यः |
| चतुर्भ्यः | चतसृभ्यः | चतुर्भ्यः |
| चतुर्णां | चतसृणां | चतुर्णां |
| चतुर्षु | चतसृषु | चतुर्षु |

The rest of the number - denoting words do not change in the different genders. They are declined in plural only.

पञ्च - षट्-सप्तशब्दाः

| | | |
|----------|---------|----------|
| पञ्च | षट् | सप्त |
| पञ्च | षट् | सप्त |
| पञ्चभिः | षड्भिः | सप्तभिः |
| पञ्चभ्यः | षड्भ्यः | सप्तभ्यः |
| पञ्चभ्यः | षड्भ्यः | सप्तभ्यः |
| पञ्चानां | षण्णां | सप्तानां |
| पञ्चसु | षट्सु | सप्तसु |

अष्ट - नव- दश- शब्दाः

| | | |
|----------|--------|--------|
| अष्ट | नव | दश |
| अष्ट | नव | दश |
| अष्टभिः | नवभिः | दशभिः |
| अष्टभ्यः | नवभ्यः | दशभ्यः |
| अष्टभ्यः | नवभ्यः | दशभ्यः |
| अष्टानां | नवानां | दशानां |
| अष्टसु | नवसु | दशसु |

Note अष्टौ , अष्टौ , अष्टाभिः , अष्टाभ्यः , अष्टाभ्यः , अष्टानां, अष्टासु are the alternative forms for अष्ट ।

The number - denoting words act like Adjectives and so their usage can be noted.

| | | |
|-----------------|------------------|-------------------|
| एकः बालः | एका कन्या | एकं पुष्पं |
| एकं बालं | एकां कन्यां | एकं पुष्पं |
| एकेन बालेन | एकया कन्यया | एकेन पुष्पेण |
| एकस्मै बालाय | एकस्यै कन्यायै | एकस्मै पुष्पाय |
| एकस्मात् बालात् | एकस्याः कन्यायाः | एकस्मात् पुष्पात् |
| एकस्य बालस्य | एकस्याः कन्यायाः | एकस्य पुष्पस्य |
| एकस्मिन् बाले | एकस्यां कन्यायां | एकस्मिन् पुष्पे |

दशरथः चतुर्भिः पुत्रैः प्रीतः अभवत्।

Dasaratha became happy with four sons.

अश्वस्य चतुर्षु पादेषु एकैकः शफः एव अस्ति ।

The horse has only one hoof in each of the four legs.

इतरेषा मृगाणां द्वौ शफौ स्तः ।

The other animals have two hoofs.

वयं द्वाभ्यां नेत्राभ्यां पश्यामः ।

We see with two eyes.

Some special numbers declined only in plural:

एकद्व - One or two, द्वित्र - two or three

त्रिचतुर - Three or four, चतुष्पञ्च - Four or Five

पञ्चषट् - Five or Six, षट्सप्त - Six or Seven ,

सप्ताष्ट - Seven or eight,

Many more such forms can be coined. But they are not popular in use. They are declined like " Rama ' in masculine, " Mala ' in feminine and " Vana ' in neuter.

उद्याने एकद्वाः फलवृक्षाः अपि सन्ति ।

There are one or two fruit-trees in the garden. (It means, either it is not known to be one or two, or it is not necessary to specify the number)

| पुं. | स्त्री. | नपुं. |
|-------------|-------------|--------------|
| एकद्वाः | एकद्वाः | एकद्वानि |
| द्वित्राः | द्वित्राः | द्वित्राणि |
| त्रिचतुराः | त्रिचतुराः | त्रिचतुराणि |
| चतुष्पञ्चाः | चतुष्पञ्चाः | चतुष्पञ्चानि |
| पञ्चषाः | पञ्चषाः | पञ्चषाणि |
| षट्सप्ताः | षट्सप्ताः | षट्सप्तानि |
| सप्ताष्टाः | सप्ताष्टाः | सप्ताष्टानि |

रथ्यायां एकद्वेषु स्थलेषु सेतूनां परिष्कारः प्रचलति ।

The repairing of the bridges is taking place in one or two places.

गोण्यां एकद्वानि छिद्राणि सन्ति ।

There are one or two holes in the sack.

गृहे द्वित्राः अतिथयः आगताः ।

Two or three visitors came to the house.

पुस्तके पञ्चषाणि पुटानि त्रुटितानि ।

Five or Six pages are torn in the book.

त्रिचतुरेभ्यः दिनेभ्यः पूर्वं अहं सुन्दरेशं अपश्यम् ।

I saw Sundaresan three or four days back.

चतुष्पञ्चैः वयस्यैः सह गोपालः मैदानं अगच्छत् ।

Gopala went to the playground with four or five friends .

पिटके एकद्वानि फलानि शीर्णानि ।

One or two fruits in the basket are rotten.

परीक्षायां पञ्चषाणां प्रश्नानां उत्तराणि न अलिखम् ।

I did not write answers for five or six questions in the examination.

गायकः दीक्षितस्य त्रिचतुराणि कीर्तनानि अगायत् ।

The singer sang four or five songs of Dikshita.

कार्यालये वयं सप्ताष्टाः कार्यदर्शिनिः स्मः

We are seven or eight employees in the office.

क्षेत्रे पञ्चषाः धेनवः तृणं चरन्ति ।

Five or Six cows are grazing in the field.

दशमः पाठः Lesson - 10

Kinship Terms in Samskrit

माता, जननी, अम्बा Mother पिता, जनकः Father

भ्राता, सोदरः Brother स्वसा, भगिनी Sister

The elder brother is to be specified as ज्येष्ठः or अग्रजः

The elder sister, by the term ज्येष्ठा or अग्रजा.

The younger brother is referred to as कनिष्ठः or अनुजः

while the younger sister, by कनिष्ठा or अनुजा

Father's father - पितामहः Father's Mother - पितामही

Mother's father - मातामहः Mother's Mother - मातामही

Son - सुतः, तनयः, आत्मजः, पुत्रः

Daughter- सुता, तनया, आत्मजा, पुत्री

Daughter's son- दौहित्रः Daughter's Daughter - दौहित्री

Son's son - पौत्रः, Son's daughter - पौत्री

Friend (M)-वयस्यः मित्रं Friend (F)- वयस्या, मित्रं

(मित्रं - is always in neuter form, मित्रः in Masc refers to the Sun).

अनुवादमाला-१५

Translate in to English.

—मित्र राम ! नमः ते।

—मित्र कृष्ण ! नमः ते। अपि तव कुशलम् ?

—मम कुशलं एव। कः त्वया सह आगच्छति ?

—मम भ्राता रामचन्द्रः।

—सः किं तव अनुजः, उत अग्रजः ?

—मम अनुजः एव। सः मया सहैव पठति।

—अपि तव माता कुशलिनी ?

—मम माता कुशलिनी एव।

—किं ते स्वसा नन्दिनी भर्तुः गृहात् आगता ?

—मम स्वसा न आगता। तस्याः सुताः विद्याशालायां पठन्ति।
तेषां विरामः न अस्ति। अतः मम स्वसा भर्तुः गृहे एव
तिष्ठति।

—तव अग्रजः किं करोति ?

—मम अग्रजः कलाशालायां पठति।

—तव जनकः कुत्र वर्तते ?

—मम जनकः तञ्जापुरे वर्तते।

—अपि त्वं इदानीं संस्कृतं पठसि ?

— अहं संस्कृतं पठामि । मम अग्रजा वसुमती अपि संस्कृतं पठति । संस्कृताध्यापकस्य गृहं गत्वा प्रतिदिनं संस्कृतं पठावः । मम पिता संस्कृतं सम्यक् जानाति । मम पितामहः, पितामही च मिथः संस्कृतेनैव भाषेते । अतः मम, मम अग्रजायाः च संस्कृते रुचिः अधिका ।

—किं तव माता संस्कृतं न जानाति ?

—न..न.. सा अपि संस्कृतं सम्यक् जानाति ।

— एतत् श्रुत्वा अहं अधिकं सन्तोषं अनुभवामि । (तुष्यामि)
(कुशलं- happiness कुशली- doing well (masc), कुशलिनी-
doing well (fem), विरामः - Holiday, संस्कृताध्यापकः -
Sanskrit teacher, भाषेते - the two speak मिथः - between
the two (नमः ते Combine to form नमस्ते ।)

एकादश : पाठः Lesson No. 11

By adding the particle known as वारं or कृत्वा with number - denoting words we get the equivalents for the terms, once, twice etc.

| | | | |
|------|-----------|-------------|------------|
| एक | एकवारं | एककृत्वः | Once |
| द्वि | द्विवारं | द्विकृत्वः | Twice |
| त्रि | त्रिवारं | त्रिकृत्वः | Thrice |
| चतुः | चतुर्वारं | चतुष्कृत्वः | Four times |
| पञ्च | पञ्चवारं | पञ्चकृत्वः | Five times |
| षट् | षड्वारं | षट्कृत्वः | Six times |

| | | | |
|------|----------|------------|-------------|
| सप्त | सप्तवारं | सप्तकृत्वः | Seven times |
| अष्ट | अष्टवारं | अष्टकृत्वः | Eight times |
| नव | नववारं | नवकृत्वः | Nine times |
| दश | दशवारं | दशकृत्वः | Ten times |

Note : The सकृत् gives the sense of एकवारं that is once. The opposite of it, i.e असकृत् means many times.

By adding the particle धा to the number - denoting words, we get the sense, "portion '

| | | | |
|---------|-------------------|--------|-------------------|
| एकधा | One (full) | षोढा | By six portions |
| द्विधा | By two portions | सप्तधा | By seven portions |
| त्रिधा | By three portions | अष्टधा | By eight portions |
| चतुर्धा | By four portions | नवधा | By nine portions |
| पञ्चधा | By five portions | दशधा | By ten portions |

षट् + धा becomes षोढा

The addition of the particle 'शः' with the numbers gives the sense of "in groups of" a particular number.

| | | | |
|---------|--------------------|--------|--------------------|
| एकशः | One by one | षट्छः | In groups of six |
| द्विशः | In groups of two | सप्तशः | In groups of seven |
| त्रिशः | In groups of three | अष्टशः | In groups of eight |
| चतुश्शः | In groups of four | नवशः | In groups of nine |
| पञ्चशः | In groups of five | दशशः | In groups of ten |

वारं, कृत्वा, धा, शः are all indeclinable particles

Translate the following sentences into English with the help of a dictionary. The key is given at the end.

१. प्रतिदिनं एकवारमपि / एककृत्वः अपि / सकृदपि भगवन्नाम कीर्तय ।
२. मूर्खः असकृत् उक्तं अपि हितं न मानयति ।
३. प्रातः सायं च द्विवारं नलिके जलं आगच्छति ।
४. सः विनायकं त्रिवारं / त्रिकृत्वः प्रदक्षिणं करोति ।
५. अहं प्रतिदिनं चतुर्वारं वटीं गिलामि ।
६. केषुचित् देवालयेषु षट्कृत्वः / षड्वारं पूजा चलति ।
७. अर्चकः नारिकेलं द्विधा कृत्वा निवेदयति ।
८. पिता इक्षुदण्डं त्रिधा कृत्वा पुत्रेभ्यः यच्छति ।
९. भूमौ पतितं भाण्डं शतधा अभवत् ।
१०. अहं रूप्यकाणि एकशः गणयामि ।
११. आचार्यः बालकान् त्रिशः स्थापयति ।
१२. त्वं बालकेभ्यः फलानि पञ्चशः विभज्य देहि ।

The keys are :

1. Utter the name of God daily at least once.
2. The fool does not consider the wise words, told several times though.
3. Water flows in the tap twice, morning and evening.
4. He goes round Vinayaka thrice.

5. I swallow the pills four times every day.
6. In some temples worship is done six times.
7. The priest cuts the coconut in two halves and offers (to lord).
8. The father breaks the sugarcane into three pieces and gives them to the sons.
9. The pot that fell broke (became) into 100 pieces.
10. I count the currency notes one by one.
11. The teacher makes the students stand in groups of three.
12. You divide the fruits into groups of five and give them to the boys

Exercise-I :- Fill up the sentence with a samskrit word and translate. Refer to the key at the end.

- १ प्राणिशालायां ----- अजगराः सन्ति । (3 - 4)
२. पुस्तकालये ----- नवीनपुस्तकानि आगतानि (7-8)
३. प्रतिदिनं----- आमलकफलानि भक्षय । (1-2)
४. सायं ----- बालकैः सह उद्याने क्रीड । (2-3)
५. गुरुः ----- बालकेभ्यः वेदं उपदिशति । (5-6)
६. त्रिशिरपुरे----- कलाशालाः सन्ति । (7-8)
७. तासु ----- कलाशालासु बालिकाः एव पठन्ति । (2-3).

Key to Exercise I

1. There are three or four pythons in the zoo.
2. Seven or eight new books arrived in the Library.
3. Eat one or two Amla fruits daily.

4. Play with two or three boys in the garden.
5. The teacher is teaching Vedas to 5 or 6 children.
6. There are 7 -8 colleges in Trichy.
7. Out of them in 2 or 3 colleges only girls study.

Exercise II :-- Translate into Samskrit.

1. Go around Durga devi once.
2. Go around Vinayaka thrice.
3. Bring the fruits in groups of 4.
4. The boys are standing in groups of fives in the playground.

द्वादशः पाठः Lesson 12.

अव्ययानि Indeclinable

Words are divided into four classes नाम (Nouns) आख्यातं (Verbs) निपातः Conjunctions and उपसर्गः (Prefixes). The last two are called अव्यय and they are indeclinables. They do not undergo any changes unlike the nouns, which undergo changes depending upon the case, number or gender and the verbs which vary according to the tense, person or number.

Some indeclinables have been dealt with in lesson 10 of Book I. Some more are given here in this lesson.

अथ Then

अन्तः inside

अधः (अधस्तात्) Down

अलं sufficient enough) of

इव like

ईषत् a little

एवं like this

कृतं enough of

| | | | |
|---------|--------------------------|-----------|-------------------|
| किल | Is it not so. | खलु | Is n't it |
| चिरं | For a long time | जातु | Once |
| प्राक् | Before (by time) | पुरः | before (by place) |
| पुरतः | In front of | पुरस्तात् | In front of |
| पश्चात् | later or back of | बहिः | Outside |
| मिथः | Mutually / to each other | मा | Don't |
| तूष्णीं | Silently | दिष्ट्या | Fortunately |
| पुरा | Once | सद्यः | Immediately |
| ह्यः | Yesterday | श्वः | Tomorrow |

Translate into English with the help of a dictionary.
Refer to the key at the end.

१. आलयस्य पुरः/पुरतः/ पुरस्तात् पुष्करिणी अस्ति ।
२. अद्य सोमवारः ।
३. ह्यः भानुवारः ।
४. श्वः भौमवारः ।
५. विद्यालयस्य पश्चात् नदी प्रवहति ।
६. अहं प्रतिदिनं प्रायः वेलातटं गच्छामि ।
७. त्वं सूर्योदयात् प्राक् शयनात् उत्तिष्ठ ।
८. पुनः सायंकाले मम गृहं मा आगच्छ ।
९. पुनः पुनः एवं निर्बन्धं मा कुरु ।
१०. अथ जातु दशरथः मृगयायै वनं आगच्छत् ।
११. गर्भगृहस्य अन्तः देवमूर्तिः अस्ति ।
१२. वृक्षस्य अधः/अधस्तात् छायायां पान्थाः उपविशन्ति ।
१३. अलं/कृतं भयेन । अहं युष्मान् रक्षामि ।

१४. रामः वनं गच्छतु, भरतः राजा भवतु इति कैकेयी वरं
अपृच्छत्।

५. सीतां अन्वेष्टुं रामलक्ष्मणौ चिरं वने अचरताम्।

१६. पितुः कोपः ईषत् शान्तः आसीत्।

१७. अधुना मेघो न वर्षति; त्वं गृहं गच्छ।

१८. नक्षत्राणि रत्नदीपाः इव विलसन्ति।

Key to the Exercise.

1. There is a tank in front of the temple.
2. It is Monday today.
3. It was Sunday yesterday.
4. It will be Tuesday to-morrow.
5. A river flows at the back yard of the school.
6. I go to the beach almost everyday.
7. Get up from the bed before sunrise.
8. Do not come to my house again in the evening
9. Do not pressurise again and again like this.
10. Then once Dasaratha went for hunting
11. There is the image of the Lord inside the sanctum
sanctorum.
12. The travellers sit under the shade of the trees.
13. Enough of fear. I will protect you.
14. Let Rama go to forest and Bharata become king,
thus Kaikeyi asked for boon.
15. Rama and Lakshmana searched for Sita in the
forest for a long time.
16. The anger of father has subsided a bit.
17. The cloud is not showering the rain (literally) now.
Go home.
18. The stars are shining like gem lamps.

Translate into Samskrit :

1. I will come in the evening.
2. What are you doing now ?
3. There is sweet water inside the coconut.
4. Read aloud a bit .
5. Don't do like this.
6. They are standing here for a long time.
7. There is a ground in front of the school.
8. People are coming out from the temple.
9. They are quarrelling with each other.
10. Be silent in the class-room. Do not talk.
11. The train is coming slowly.
12. It is holiday for the school yesterday and today.
13. Do the job well
14. Come back to-morrow.
15. Enough of ridicule.

(नारिकेलोदकम् - Coconut water, मा संलप- Don't talk, विरामः - Holiday) अलं and कृतं both are used in the sense of " enough ' or "stop with '. They govern a noun in the third case. For example, अलं कलहेन- Enough of quarrel (stop). अलं निद्रया- Enough of sleep. अलं भयेन- Stop with fear. कृतं परिहासेन- Enough of ridicule.

अनुवादमाला - १६**Translate in to English.**

तिसृभिः होराभिः एको यामः । दिवसस्य चत्वारः यामाः ।
 निशायाः च चत्वारः यामाः । आहत्य एकस्य दिनस्य अष्टौ
 यामाः । पञ्चदशभिः दिनैः एकः पक्षः । सः कृष्णपक्षः शुक्लपक्षः

इति द्वेधा भवति । कृष्णपक्षस्य अन्तिमं दिनं अमावास्या ।
शुक्लपक्षस्य अन्तिमं दिनं पूर्णिमा । द्वाभ्यां पक्षाभ्यां एको मासः ।
द्वाभ्यां मासाभ्यां एकः ऋतुः । षड्भिः ऋतुभिः एकः संवत्सरः ।

(होरा-hour याम :- three hours दिवस :- day, निशा-
night, आहत्य- Totally , दिनं- Day, अन्तिमं- Last).

अनुवादमाला - १७

Translate in to English.

अयं छात्रेषु प्रथमः । छात्राः द्वितीयायां तिथौ कलाशालां
आगच्छन्ति । अर्जुनः पाण्डोः तृतीयः पुत्रः । चतुर्थ्यां तिथौ
विनायकं पूजयन्ति । भ्रातृषु अहं पञ्चमः । मम द्वितीया भगिनी
रुक्मिणी । अहं प्रातः दशम्यां होरायां तत्र आगच्छामि । कृष्णः
अष्टम्यां तिथौ जातः । वसुदेवस्य पुत्रेषु अयं अष्टमः । सरस्वतीं
कन्यामासस्य नवम्यां तिथौ पूजयन्ति । तस्य दशमी तिथिः
विजयदशमी ।

(छात्राः - Student , कन्यामासः - Name of a month -
Purattasi)

अनुवादमाला - १८

Translate into Samskrit

Rama comes here every morning. He is the
seventh among the students. Sahadeva is the fifth
son of Pandu. I am the ninth in the class. Balarama
is the seventh child of Vasudeva. Kaikeyi is
Dasaratha's third wife. The Krishna had eight wives.
Sita is the only wife of Rama .

अनुवादमाला - १८

Translate into Samskrit

We, seven or eight brothers live in the house. There are 4-5 cows in my house. He worships Vinayaka four times. I go to temple twice everyday. The boys are standing in groups of threes. The girls are standing in groups of fours. The father is giving fruits in fives. I drink water frequently. He eats twice a day.

त्रयोदश : पाठ : - Lesson.13

Observe the pairs of sentences given below.

रामः पठति — रामः पाठशालां गच्छति ।

कृष्णः क्रीडति — कृष्णः क्रीडाङ्गणं गच्छति ।

पिता देवं पूजयति — पिता पुष्पाणि नयति ।

अहं स्नामि — अहं नदीं गच्छामि ।

त्वं चित्रं पश्यसि — त्वं चित्रशालां गच्छसि ।

These pairs of sentences can be combined by using the infinitive of purpose format. In Sanskrit, the infinitive of purpose is formed by adding the particle तुम् with the verb. For example, पठितुं means "to read". Observe the following compound sentences employing infinitive of purpose.

रामः पठितुं पाठशालां गच्छति ।

Rama goes to school to study .

कृष्णः क्रीडितुं क्रीडाङ्गणं गच्छति ।

Krishna goes to garden to play .

पिता देवं पूजयितुं पुष्पाणि नयति ।

The father takes flowers to worship God.

अहं स्नातुं नदीं गच्छामि ।

I go to the river to take bath.

त्वं चित्रं द्रष्टुं चित्रशालां गच्छसि ।

You go to the art gallery to see pictures .

For some of the verbs, the infinitive of purpose particle तुम् is directly added. Eg: स्ना+तुम् = स्नातुम् । In some of the verbs an additional इ is added in the middle. Eg: पठितुं, क्रीडितुं, पूजयितुं, Some of the verbs undergo changes due to sandhi rules. For example दृश्+तुम् = द्रष्टुम् It may be noted that these infinitive of purpose forms do not undergo any change in person or gender or tense. They are indeclinables.

Now reverse the order of the parts of sentences given above.

१. रामः पाठालयं गच्छति । रामः पठति ।

२. कृष्णः मैदानं गच्छति । कृष्णः क्रीडति ।

३. पिता पुष्पाणि नयति । पिता देवं पूजयति ।

४. अहं नदीं गच्छामि । अहं स्नामि ।

५. त्वं चित्रशालां गच्छसि । त्वं चित्रं पश्यसि ।

We can combine the sentences by using the indeclinable past participle form of the verb in the first sentence.

They are formed by using the particle **त्वा** with the verb. For example **नी + त्वा = नीत्वा**. Having led. For some verbs, an additional **इ** is added in the middle. Eg. **पठित्वा** = having read. Some verbs undergo changes due to sandhi. Eg. **दृष्ट्वा** = having seen.

रामः पाठालयं गत्वा पठति।

Having gone to school, Rama reads.

कृष्णः मैदानं गत्वा क्रीडति।

Having gone to the playground, Krishna plays.

पिता पुष्पाणि नीत्वा देवं पूजयति।

Having brought flowers, the father worships God.

अहं नदीं गत्वा स्नामि।

Having gone to the river, I bathe.

त्वं चित्रशालां गत्वा चित्रं पश्यसि।

Having gone to the art gallery you see pictures.

Sentences in past tense also can be combined by using **त्वा** particle. Observe the following pairs of sentences.

मन्थरा नगरं द्वारं अपश्यत्; कैकेय्याः समीपं अगच्छत्।

भरतः पितुः उत्तर क्रियां अकरोत्; रामं आनेतुं वनं अगच्छत्।

भरतः पादुके सिंहासने अस्थापयत्; राज्यं अरक्षत्।

मन्थरा नगरालङ्कारं दृष्ट्वा कैकेय्याः समीपं अगच्छत्।

Having seen the decoration of the city, Manthara went to Kaikeyi.

भरतः पितुः उत्तरक्रियां कृत्वा- रामं आनेतुं वनं अगच्छत्।

Having performed the funeral rites of his father, Bharata went to the forest to bring back Rama

भरतः पादुके सिंहासने स्थापयित्वा- राज्यं अरक्षत्।

Having placed the sandals (of Rama) on the throne, Bharata protected the Kingdom.

Observe the following imperfect sentences

त्वं नदीं गच्छ - स्नानं कुरु ।

यूयं गुरुं नमत - वेदं पठत ।

प्रश्नान् पठत - उत्तरं लिखत ।

They can be combined by using the Indeclinable past participle forms.

त्वं नदीं गत्वा स्नानं कुरु ।

Having gone to the river, take bath.

यूयं गुरुं नत्वा वेदं पठत ।

You salute the teacher and study Vedas

प्रश्नान् पठित्वा उत्तराणि लिखत

Having read the questions, you write answers.

We may see that the participle forms do not undergo changes with respect to gender, tense, person or number. Hence they are called Indeclinable past participle forms.

| | <u>क्त्वान्त शब्दः</u> | <u>तुमुन्नन्त शब्दः</u> |
|--------------|---------------------------------|--------------------------|
| Verb | Indeclinable Past Participle | Infinitive of Purpose |
| पठ - Read | पठित्वा Having read | पठितुं - To read |
| क्रीड - Play | क्रीडित्वा - Having played | क्रीडितुं - to play |

| Verb | Verb Indeclinable Past Participle | Infinitive of Purpose |
|------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| पूज - Worship | पूजयित्वा - Having worshiped | पूजयितुं - to worship |
| गच्छ - Go | गत्वा - Having gone | गन्तुं - to go |
| नम - Salute | नत्वा - having saluted | नन्तुं - to salute |
| भ्रम - Wander | भ्रान्त्वा - having wandered | भ्रमितुं - to wander |
| नी-नय् - take | नीत्वा - having taken | नेतुं - to take |
| पा-पिब् - drink | पीत्वा - having drunk | पातुं - to drink |
| जि-जय् - Conquer | जित्वा - having conquered | जेतुं - to conquer |
| पाल - Protect | पालयित्वा - having protected | पालयितुं - to protect |
| पत - fall | पतित्वा - having fallen | पतितुं - to fall |
| वस - dwell | उषित्वा - having dwelled | वस्तुं - to dwell |
| चर - move | चरित्वा - having moved | चरितुं - to wander |
| यज - Sacrifice | इष्ट्वा - having sacrificed | यष्टुं - to sacrifice |
| मार - kill | मारयित्वा - having killed | मारयितुं - to kill |
| तर्ज - threaten | तर्जयित्वा - having threatened | तर्जयितुं - to threaten |
| कथ - narrate | कथयित्वा - having narrated | कथयितुं - to narrate |
| रच - arrange | रचयित्वा - having arranged | रचयितुं - to arrange |
| भक्ष - eat | भक्षयित्वा - having eaten | भक्षयितुं - to eat |
| अट - wander | अटित्वा - having wandered | अटितुं - to wander |
| वम - vomit | वमित्वा - having vomitted | वमितुं - to vomit |

Translate into English.

सः क्षीरं पीत्वा पाठं पठति । रामः मन्दिरं गत्वा देवं नमति ।
यदा गोपालः अत्र आगच्छति तदा अहं अपि आगच्छामि ।
कृष्णः स्नातुं नदीं गच्छति । वयं भ्रमितुं बहिः गच्छामः ।

चतुर्दशः पाठः - Lesson 14

Prefixes.

The upasargas are another type of indeclinables. They are generally added before the root. They are called prepositions in Samskrit-English grammer books. But they could not be confused with prepositions such as to, for, from etc. Hence, we are using the terms "prefixes". Some of the upasargas are given below.

प्र परा अप सं अनु अव निस् निर् दुस् दुर वि आ नि
अधि अपि सु उत् अति अभि प्रति परि उप ।

There are about 22 upasargas. They do not have a specific meaning of their own, nor do they function independently. But they enhance or even change the meaning of the verbal root with which they are attached.

Let us take for example the root ह-हर-हरति - to carry and note the change in meaning when different upasargas join with it.

upasarga root form meaning noun-form .

| | | | |
|-----|---|--------------------|------------------|
| प्र | ह | प्रहरति - hits | प्रहारः - hit. |
| आ | ह | आहरति- eats/brings | आहारः - food. |
| सं | ह | संहरति - kills | संहारः - murder. |
| वि | ह | विहरति - plays | विहारः - play. |

परि ह परिहरति- removes परिहार :- removal

उद् ह उद्धरति- lifts उद्धार :- lifting (rescue)

अप ह अपहरति - steals अपहार :- theft.

Translate the following sentences with the help of a dictionary. (The key is given at the end.)

१. चोरः धनं हरति।
२. भीमः राक्षसं प्रहरति।
३. बालकः मोदकं आहरति।
४. रामः राक्षसान् संहरति।
५. बालाः सैकते विहरन्ति।
६. वैद्यः औषधैः व्याधीन् परिहरति।
७. सर्पः फणां उद्धरति।
८. कृष्णः नवनीतं अपहरति।

key

1. The thief steals away the wealth.
2. Bhima attacks the demon.
3. The boy eats/brings the sweet-meat.
4. Rama kills the demons.
5. The boys are playing in the sand.
6. The doctor removes the diseases by the medicines.
7. The snake raises its hood.
8. Krishna steals butter.

Changes in Verbal forms by the additions of upasargas (1) some give the opposite sense.

गच्छति, याति, goes. आगच्छति-आयाति-comes.

नयति-हरति, takes. आनयति, आहरति-brings.
 ददाति, यच्छति - gives. आददाति, आयच्छति- accepts.
 स्मरति- thinks. विस्मरति- forgets.

2. Some of the upasargas enhance the meanings of the original root.

जयति = conquers. विजयते = conquers completely
 विशति = enters. प्रविशति = enters fully.

3. When the upasargas change the meaning, the transitive verb becomes an intransitive verb and vice versa.

तिष्ठति- Stands अनुतिष्ठति- Performs
 भवति - is, becomes अनुभवति- experiences
 वदति - speaks संवदति - Converses.

In some cases the addition of an upasarga, extends the meanings. Eg

गच्छति=goes, अनुगच्छति - follows, उपगच्छति = goes near, संगच्छते = goes along with somebody उद्गच्छति = goes up. The verb ईक्षते- means - sees; but परीक्षते = means tests. समीक्षते - examines keenly, उदीक्षते = sees above. अपेक्षते=expects, desires वदति = speaks. संवदति = converses with somebody विसंवदन्ते = contradict. Some of the verbs take a completely different meaning when associated with upasargas. Eg. यच्छति - gives. व्यायच्छति- opens. गच्छति - goes. निगमयति - deduces भवति- becomes. अभिभवति - opposes.

I. Translate into English.

धनिकः दरिद्रेभ्यः धनं ददाति - यच्छति ।

दरिद्रः धनिकात् धनं आददाति ।

अहं गृहस्य द्वारं व्याददामि - व्यायच्छामि ।

राजा शत्रुं जयति - विजयते ।

धेनवः गोष्ठं विशन्ति - प्रविशन्ति ।

साधवः अपि दुःखं अनुभवन्ति ।

दुष्टाः साधून् अभिभवन्ति ।

वत्सः मातरं अनुगच्छति ।

शिष्याः गुरुं उपगच्छन्ति ।

II Translate into Samkrit.

1. The teacher examines the student.
2. The scholar examines the poem keenly.
3. The farmer looks up at the sky.
4. The wicked man disregards the words of the good man.
5. The students desire for win .(success.)

पञ्चदशः पाठः - Lesson -15**भविष्यत् कालः - Future Tense.****१ विधिलिङ् - (POTENTIAL MOOD)**

We have seen so far the Present-tense, Imperfect past-tense and Imperative mood. In the next few lessons, the verbal forms indicating of future action. are dealt with . He will come, He may come. Both these sentences convey a future sense . While the

former is more definitive, the latter has a sense of doubt.

Even in sentences where a possibility is expressed, emphasis is on "hope". Such sentences are called **विधिलिङ्** in Samskrit and Potential Mood in English. Let us see some forms of Potential Mood.

III Person. प्रथमपुरुषः पठेत् पठेतां पठेयुः

II Person. मध्यमपुरुषः पठेः पठेतं पठेत

I Person. उत्तमपुरुषः पठेयं पठेव पठेम

ईत् ईतां ईयुः । ईः ईतं ईत । ईयं ईव ईम । are the terminations of the Potential Mood. Just as राम + ईश्वर becomes रामेश्वर, so also पठ्+अ +ईत् becomes पठेत्

Try to translate the following sentences into English with the help of a dictionary. Refer to the key given at the end of the exercise, if necessary.

१. अहं सायङ्काले आलयं गच्छेयम् ।

२. किं (अपि) त्वं रात्रौ क्षीरं पिबेः ?

३. सः अद्य आगच्छेत् ।

४. बालाः प्रातः प्रबुध्येयुः, स्नात्वा काफीं पीत्वा पाठान् पठेयुः, भुक्त्वा पाठशालां गच्छेयुः ।

५. त्वं कदा गृहं आगच्छेः ?

६. सः सूर्योदयात् पूर्वं शयनात् उत्तिष्ठेत् ।

७. त्वं निपुणः । प्रश्नानां उत्तराणि वदेः ।

८. अद्य राधा जयलक्ष्मीश्च गायेताम् ।

९. ग्रीष्मे तडागाः शुष्येयुः ।
१०. उदकेन तृष्णा शाम्येत् ।
११. सत्यं वदेत् ।
१२. असत्यं न वदेत् ।
१३. परस्वं न हरेत् ।
१४. उद्यन्तं सूर्यं न पश्येत् ।
१५. धयन्तीं गां न वारयेत् ।
१६. रात्रौ वृक्षमूलानि परिवर्जयेत् ।

KEY

1. I may go to the temple in the evening.
2. Will you drink milk at night?
3. He may come today.
4. The boys will get up in the morning. (They) will bathe, drink coffee, read lessons, eat and go to school.
5. When will you come home?
6. He will get up from the bed before sunrise.
7. You are clever, You may give answers for questions.
8. Radha and Jayalakshmi may sing to day.
9. The ponds will dry up in summer.
10. Thirst may be quenched by water.
11. Truth should be uttered.
12. Falsehood should not be uttered.
13. The belongings of others should not be coveted.
14. The rising Sun should not be seen,
15. One should not prevent a cow feeding its calf.
16. The "tree -bottoms' have to be avoided at night.

Exercise : Conjugate fully the following verbs in the विधिलिङ् forms वद्, पिब्, यज्, चर्, भक्ष्, वस्

Note : verbs in potential mood have the sense of "may do something" We will also have impersonal statements in potential mood. In such cases the action is mandatory. For example a sentence like सत्यं वदेत् must be translated as one "should speak truth" or "truth must be spoken." In such sentences, the verbs have the sense of "should" or "must". The Imperative mood signifies "order" for an individual. The Potential mood indicates a general instruction that should be observed. Thus the potential mood has a two way usage (i) expressing hope or prayer (ii) a general instruction that is mandatory

अनुवादमाला - २०

माधवः—नीलकण्ठ ! स्वागतं ते ।

नीलकण्ठः— आगच्छ ! कियद् दूरं पर्यटिम ।

माधवः—साधु। मातः ! अहं नीलकण्ठेन सह पर्यटितुं गच्छामि ।

माता—अस्तु। तक्रं पीत्वा गच्छतम्। शीघ्रं च प्रत्यागच्छतम्।

(उभौ तक्रं पीत्वा निर्गच्छतः)

नीलकण्ठः — कथय। कीदृशः ते विद्याभ्यासः।

माधवः—सम्यक् पठामि। प्रतिदिनं पाठ्यान् पाठान् पठित्वैव शयनाय गच्छेयम्।

नीलकण्ठः— कदा त्वं शयनात् उत्तिष्ठेः?

माधवः— प्रातः चतुर्थ्यां होरायां उत्तिष्ठेयम्। उत्थाय ईश्वरं स्मरेयम्। ततः दन्तान् क्षालयेयम्।

नीलकण्ठः — पाठान् न पठेः किम् ?

माधवः — सार्धपञ्चमहोरापर्यन्तं पठेयम् । ततः स्नात्वा
स्तोत्राणि पठित्वा क्षीरं पिबेयम् । अत्रान्तरे रामदासः
शिवगुरुः च मम गृहं आगच्छेताम् ।

नीलकण्ठः — कौ तौ रामदास-शिवगुरू ?

माधवः — प्रातिवेशिकौ वयस्यौ सतीर्थ्यौ । वयं सहैव गणितं
अभ्यस्येम, लेख्यानि च लिखेम ।

नीलकण्ठः — कियदवधि यूयं पठेत ?

माधवः — प्रायः सार्धनवमहोरावधि (होरापर्यन्तं) पठेम ।

नीलकण्ठः — ततः ?

माधवः — ततः तौ स्वगृहं गच्छेताम् । भुक्त्वा पाठशालायै
सज्जौ भवेताम् । अहमपि सज्जो भवेयम् । वयं त्रयः
सहैव गच्छेम ।

नीलकण्ठः — पाठशालायां मध्याह्नविरामः कदा भवेत् ?

माधवः — त्रयोदशहोरातः चतुर्दशहोरापर्यन्तं विरामो भवेत् ।
तदा वयं आहारं कृत्वा संलेपम । पत्रिकाः पठेम ।

नीलकण्ठः — किं सर्वे बालाः पत्रिकाः पठेयुः ?

माधवः — न, न । केचित् पठेयुः । केचित् गृहं गत्वा आगच्छेयुः ।
अन्ये मैदाने तरुतलेषु क्रीडेयुः ।

नीलकण्ठः — सायङ्काले कदा गृहं आगच्छेः ?

माधवः — सायङ्काले सार्धचतुर्थहोरायां पाठशाला विरमेत् । ततः
मुहूर्तं व्यायामाभ्यासः भवेत् । ततः गृहं आगच्छेम ।

नीलकण्ठः — गृहे सायङ्कालं कथं नयेः ?

माधवः — गृहे सोदरीं बालिकां क्रीडनकैः विनोदयेयम्। ततः
प्रदोषे आलयं गत्वा देवं नमयेयम्। गृहं प्रत्यागत्य
भुक्त्वा, दशम होरापर्यन्तं तस्मिन् दिने
पठितान् पाठान् चिन्तयेयम्।

नीलकण्ठः — समीचीना ते दिनचर्या। इदानीं गृहं
प्रतिगच्छेव। (उभौ गृहं प्रत्यागच्छतः)

Meaning for the new words.

स्वागतं - Welcome, कियद्दूरं - a short distance,
निर्गच्छतः - go out, पर्यटिम- Let us go for a stroll, सार्धं
पञ्चमहोरा - 30 minutes past five, प्रातिवेशिकः Man in
the opposite house, सतीर्थ्यः - Classmate, कियदवधि -
Till what, सार्धनवम - Nine thirty, व्यायामाभ्यासः -
Physical exercise, मुहूर्त - for a short while, चिन्तयेयं
- I will think, अभ्यस्येम - Let us practice, सज्जः -
Ready.

Translate into Sanskrit :

1. Charity has to be practised
2. One should not go alone in the night.
3. One must always think of the welfare of others.
4. One should not run when it is raining.
5. One should not live alone in a dilapidated house.
6. One should not commit treachery towards friends.
7. One should be humble towards elders.
8. One should not carry tales.
9. One should be always vigilant.

Notes :

चरेत् = One should do, एकाकी=Alone , वर्षति = It rains , शून्य गृहे = In dilapidated house, मित्रेभ्यः = to friends, विनीतः = humble , पिशुनः = One who carries tales, जागरूकः = Vigilant)

षोडशः पाठः Lesson-16

भविष्यत् कालः (*Future Tense*)

| | | |
|--------------|-----------------------|----------------|
| पठिष्यति | (He) will read. | पठ् इष्य ति |
| रक्षिष्यसि | (You) will protect. | रक्ष् इष्य सि |
| चरिष्यामि | (I) will move about. | चर् इष्य मि |
| लिखिष्यावः | (We both) will write. | लिख् इष्य वः |
| क्रीडिष्यामः | (We) will play. | क्रीड् इष्य मः |
| गमिष्यन्ति | (They) will go. | गम् इष्य अन्ति |
| पास्यति | (He) will drink. | पा स्य ति |
| वत्स्यति | (He) will dwell. | वस् स्य ति |
| स्थास्यथ | (You) all will stand. | स्था स्य थ |

In the previous lesson, we learnt the forms of Potential Mood, which conveys the sense of a future action. i.e. in suspense or an expression of a hope. In this lesson, we are learning the Future tense proper, that conveys the sense of definite future action. There are two types of Future tenses in Samskrit. --- I Future which is called लुट् in samskrit and II Future which is called as लृट्... Among the two, the I Future form is not in much

wse. It is enough if we learn the II Future forms, the examples of which are given above

We have already seen that the formula for any verbal form is = Root+conjugational sign + required verbal ending. The verbal endings for the II Future forms are the same as those in the present tense, but the future tense marker namely the particle **स्य** is added in the middle. For example, the root **पा.**+**स्य** +**ति** -**पास्यति** - He will drink. In some cases, instead of **स्य** we will be adding **इष्य** Eg. **पठ्**+**इष्य**+**ति** **पठिष्यति** - He will read.

There are certain double based roots, Eg. **गम** (**गच्छ्**), **पा** (**पिब्**), **स्था** (**तिष्ठ्**) etc. While framing the II Future forms, the first base alone is to be taken, in contrast with present tense, where the second base was taken. Compare : **च्छति**- he goes and **गमिष्यति** - he will go. We have used the second base in imperfect past tense, imperative and potential mood also. Thus we had **पिबति**, **अपिबत्**, **पिबतु** and **पिबेत्** in the four other tenses and moods but in the future tense we have **पास्यति**. Likewise, we have the forms as **स्थास्यति**, **वत्स्यति**, **पठिष्यति** **गमिष्यति** etc. It is difficult to state a rule for the verbs taking the future tense maker **स्य** or **इष्य**. The correct usage of forms comes only by practice.

अनुवादमाला २१

Translate in to English :-

श्वः अहं चेन्नपुरीं गमिष्यामि । त्वं कदा मह्यं पुस्तकं दास्यसि ? श्वः
सायं गृहं आगच्छ, पुस्तकं दास्यामि । परश्वः मम स्वसुः विवाहः

भविष्यति । बान्धवाः मम गृहं आगमिष्यन्ति । मासस्य अन्ते दीपावलीमहोत्सवः भविष्यति । सूर्योदयात् पूर्वं जनाः तैलस्नानं करिष्यन्ति । नूतनवस्त्राणि धारयिष्यन्ति । भक्ष्याणि भक्षयिष्यन्ति । मित्रेभ्यः तप्रेनि वितरिष्यन्ति । परस्परं गङ्गास्नानं प्रक्ष्यन्ति । बालकाः प्रस्फोटान् स्फोटयिष्यन्ति । बालिकाः ज्वालिनीः दीपयिष्यन्ति । तस्मिन् दिने पाठशाला न प्रचलिष्यति । सर्वे कार्यालयाः च न प्रचलिष्यन्ति ।

(प्रक्ष्यन्ति - They will ask; प्रस्फोटः - Crackers; ज्वालिनी - sparklers; वितरिष्यन्ति - they will give or distribute.

Translate into Samskrit

1. My father will be going to Kasi
2. I will be writing a letter
3. The train will arrive from Rameswaram
4. How will Sita live without Rama?
5. They will speak the truth.
6. The head-master will be distributing the prizes.
7. Sri Balamuralikrishna will be singing in the music hall.

पट्टिकायानं = Train, पारितोषिकम् = Prize, गास्यति = He will sing, रामं विना = With out Rama.)

सप्तदशः पाठः Lesson- 17

लङ् Conditional Mood.

There are six tenses and four moods in Samskrit. The present tense is called वर्तमान कालः

The past tense called भूत कालः has three varieties. The future tense, that is, भविष्यत् कालः has two varieties. We have learnt the present tenses (लट्), Imperfect Past tense (लङ्) and II Future (लृट्). The other two Past tenses (लुङ् and लिट्) are also in use, but are rather difficult. The I Future, that is, लुट् is not in much use. These forms will be taught later.

There are four moods. We have learnt so far, the Imperative mood (लोट्) and Potential mood (विधिलिङ्). The other two are Benedictive mood and (आशीर्लिङ्) Conditional mood. लृङ्, We will be learning conditional mood in this lesson.

We have found that two aspects distinguish one tense of mood from the other. One is the tense marker and the other is the termination or the verbal ending. So we have to make one more addition to the formula that we have learnt. The complete formula will be, a verbal form = (Tense marker) + Root + conjugational sign = Termination. The Tense marker is put within brackets because its position varies. Some times it will be placed in the beginning as we find in the Imperfect past tense. It may also be placed in the middle as we find in the II Future form.

Present Tense

पठ् + अ + ति = पठति

Root conj. sign

verbal ending
+ present-tense
marker

Imperfect Past-tense.

| | | | | | | |
|------------|---|------|---|------------|---|----------------|
| अ | + | पठ् | + | अ | + | त् = अपठत् |
| Imperfect | | Root | | conju,sign | | Imperfect |
| Past tense | | | | | | verbal ending. |
| Marker | | | | | | |

We will now take up Conditional Mood in this lesson. Obviously, conditional mood presupposes a condition. What is a condition? Let us explain it with some examples. Observe the following sentences.

1. I am giving money. The shop-keeper gives the goods.
2. You read well. You have passed the examination.
3. I will be going to Chennai. I will be meeting him.

If the action of the second sentence depends on that of the former, we have a conditional sentence. The pairs of sentences can be combined thus. Had I given the money, the shop-keeper would have given the goods. Had you read well, you would have passed the examination. Had I gone Chennai, I would have met him.

Such sentences are called Conditional Mood. They can be represented in Samskrit thus --- (We may see that they do not belong to Present, Past or Future -tenses.) यदि अहं धनं यच्छामि आपणिकः

धान्यं यच्छति is the sentence in the present-tense format with if..... then clause. It can be put in the Conditional clause thus

यदि अहं धनं अदास्यं तर्हि आपणिकः धान्यं अदास्यत् ।

यदि त्वं सम्यक् अपठिष्यः परीक्षायां उत्तीर्णः अभविष्यः ।

यदि अहं चेन्नै नगरं अगमिष्यं, तं तत्र अद्रक्ष्यम् ।

The indeclinable यदि, तर्हि refer to the condition. Compare the following forms.

| Root | present | Imperfect past | II Future | Conditional |
|-----------|---------|-------------------|-------------|-------------|
| दा - यच्छ | यच्छति | अयच्छत् | दास्यति | अदास्यत् |
| पठ | पठति | अपठत् | पठिष्यति | अपठिष्यत् |
| भू-भव् | भवसि | अभवः | भविष्यसि | अभविष्यः |
| गम्-गच्छ् | गच्छामि | अगच्छं | गमिष्यामि | अगमिष्यं |
| दृश-पश्य | पश्यामि | अपश्यं | द्रक्ष्यामि | अद्रक्ष्यम् |

We may see while Imperfect past tense forms are arrived at by adding अ before the present tense forms and the Imperfect endings at the end, the conditional mood is formed in the same process, but the base is the II Future form.

(Observe the following sentences.)

यदि हनुमान् समुद्रं न अतरिष्यत्, तर्हि सः सीतां न अद्रक्ष्यत् ।

If Hanuman had not crossed the Ocean, he would not have seen Sita.

यदि त्वं मम नाट्यं अद्रक्ष्यः, तर्हि तव आज्ञा समीचीना अभविष्यत् ।

Had you seen my dance, your order would have been justified.

यदि मम वाक्यं असत्यं अभविष्यत्, तर्हि अहं प्राणं अत्यक्ष्यम् ।

Had my words become false, I would have given up my life.

यदि वयं पाठं सम्यक् अपठिष्याम, तर्हि वयं उत्तीर्णाः अभविष्याम ।

Had we read well, we would have passed the examination.

अनुवादमाला - २२

इदं किम् ? इयं मम लेखिनी ।

तत् किम् ? तत् मम शिरस्त्राणम् ।

तव निचोलकं कुत्र वर्तते ? मम निचोलकं पेटिकायां विद्यते ।

पुष्पं कुत्र वर्तते ? पुष्पं शिरसि मया निहितम् ।

कन्दुकं कुतो न दृश्यते ? कन्दुकं भस्त्रिकायां विद्यते ।

(शिरस्त्राणं head gear. निचोलकं shirt. शिरसि on head. निहितं kept. भस्त्रिका bag.)

अनुवादमाला - २३

रामः देशीयविद्याशालायां पठति । सः छात्रालये वसति । सः नवम्यां कक्ष्यायां ग. वर्गे पठति । सः सायं क्रीडाङ्गणे कन्दुकेन खेलति । सः पाठान् सम्यक् पठति । तस्य पिता मधुरायां वसति । छात्रालयाय देयं सः धनादेशेन प्रेषयति । छात्रालये वासाय प्रतिमासं शतं रूप्यकाणि देयानि । तत्र शतं अपवरकाः सन्ति । एकस्मिन् अपवरके चत्वारः माणवकाः वसन्ति ।

(छात्रालयः - hostel. कक्ष्या - class room. वर्गः - section. क्रीडाङ्गणं - play ground. देयं - what is to be given. धनादेशः - money order. अपवरकः room)

अनुवाद माला - २४

अस्यां कक्ष्यायां सप्त वर्गाः सन्ति । क वर्गः, ख. वर्गः, ग. वर्गः, घ. वर्गः, ङ. वर्गः, च. वर्गः, छ. वर्गः इति तेषां नाम ।

एकस्मिन् वर्गे त्रिंशत् माणवकाः पठन्ति । पञ्चानां माणवकानां एकः नेता । तव वर्गे कति नेतारः सन्ति ? मम कक्ष्यायां पञ्च नेतारः भवन्ति । मम वर्गे गोपालः, रामुः च पठतः । किं श्रीनिवासः वासुदेवः च तव वर्गे पठतः ? श्रीनिवासः मम वर्गे पठति । वासुदेवः च. वर्गे पठति ।

(नेता - Leader)

अनुवादमाला - २५

मम कक्ष्यायां त्रिचतुराः विद्यार्थिनः पुरस्कारान् लभन्ते । अस्मिन् वत्सरे रामुः सर्वेषां माणवकानां उत्तमः । तस्मै पञ्चषाणि पुस्तकानि पारितोषिकाणि दत्तानि । श्रीनिवासः कक्ष्यायां द्वितीयः । तस्मै लेखिनी दत्ता । रमा तृतीया । तस्यै पेटी दत्ता । अहमपि पारितोषिकाय स्पृहयामि । अतः सम्यक् पाठान् पठामि ।

(पुरस्कारः, पारितोषिकम् - Prize)

अष्टादशः पाठः - Lesson - 18

Words ending in consonants (हलन्त शब्दाः).

We have learnt the declension of words ending in vowels (अ इ उ ऋ). In this lesson we are going to learn the declension of words ending in consonants. Though there are 34 consonants, only those ending in (च, ज, त, द, न, भ, र, व, श, ष, स, ह) are in vogue.

A list of important words ending in consonants are given below with their genders.

| | | | | | |
|--------|--------|--------|--------|---------|-------------------|
| जलमुच् | पुं | जलमुक् | जलमुचौ | जलमुचः | Cloud. |
| वाच् | स्त्री | वाक् | वाचौ | वाचः | Speech. |
| भिषज् | पुं | भिषक् | भिषजौ | भिषजः | Doctor. |
| स्रज् | स्त्री | स्रक् | स्रजौ | स्रजः | Garland. |
| असृज् | न | असृक् | असृजी | असृज्जि | Blood. |
| मरुत् | पुं | मरुत् | मरुतौ | मरुतः | Wind. |
| सरित् | स्त्री | सरित् | सरितौ | सरितः | River. |
| जगत् | न | जगत् | जगती | जगन्ति | World. |
| पचत् | पु | पचन् | पचन्तौ | पचन्तः | A man cooking. |

पचत् स्त्री पचन्ती पचन्त्यौ पचन्त्यः A woman cooking.

पचत् न पचत् पचती पचन्ति A person
cooking.(neu)

धीमत् पु धीमान् धीमन्तौ धीमन्तः Intelligent(m)

धीमती स्त्री धीमती धीमत्यौ धीमत्यः Intelligent.(f)

धीमत् न धीमत् धीमती धीमन्ति Intelligent.(n)

महत् पु महान् महान्तौ महान्तः Great (m)

महत् स्त्री महती महत्यौ महत्यः Great (f)

महत् न महत् महती महन्ति Great (n)

दिविषद् पुं दिविषत् दिविदौ दिविषदः God.

ककुद् स्त्री ककुत् ककुदौ ककुदः Hunch

हृद् न हृत् हृदी हृन्दि Heart

क्षुद् स्त्री क्षुत् क्षुधौ क्षुधः Hunger

Note :

1. The Neuter words will follow the pattern of the masculine words in cases 3 to 8.

2. The (त्) ending words behave differently. Compare मरुत् , पचत् , धीमत् and महत् ।
3. Words like पचत् , धीमत् and महत् are adjectives and so they will have patterns in all the three genders. In feminine gender they take ई ending as in पचन्ती, धीमती, महती and follow the pattern of गौरी शब्द. These forms can be easily learnt since they admit only a few changes.

चकारान्तः पुंलिङ्गः 'जलमुच्' शब्दः (cloud)

Case endings.

| | | | | | | |
|--------|-----------|-------------|------------|----|-------|------|
| प्र | जलमुक् | जलमुचौ | जलमुचः | स् | औ | अः |
| द्वि | जलमुचं | जलमुचौ | जलमुचः | अं | औ | अः |
| तृ | जलमुचा | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भिः | आ | भ्यां | भिः |
| च | जलमुचे | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भ्यः | ए | भ्यां | भ्यः |
| प | जलमुचः | जलमुग्भ्यां | जलमुग्भ्यः | अः | भ्यां | भ्यः |
| ष | जलमुचः | जलमुचोः | जलमुचां | अः | ओः | आं |
| स | जलमुचि | जलमुचोः | जलमुक्षु | इ | ओः | सु |
| सं-प्र | हे जलमुक् | हे जलमुचौ | हे जलमुचः | स् | औ | अः |

When the case endings भ्यां, भिः, भ्यः and सु are added, several changes take place due to sandhi rules. In the nominative singular, स् is totally lost. In other case forms, it is only a question of adding the case terminations.

२. 'वाच्'शब्दः चकारान्तः स्त्रीलिङ्गः (speech)

वाक् वाचौ वाचः

वाचं वाचौ वाचः

वाचा वाग्भ्यां वाग्भिः

The rest of the forms are like the masculine forms. In locative plural the form will be (वाक्षु)

३. 'भिषज्'शब्दः जकारान्तः पुंलिङ्गः (Doctor)

भिषक् भिषजौ भिषजः

भिषजं भिषजौ भिषजः

भिषजा भिषग्भ्यां भिषग्भिः

Write the other forms. Note that the locative plural form will be भिषक्षु

४. 'स्रज्'शब्दः जकारान्तः स्त्रीलिङ्गः (Garland)

स्रक् स्रजौ स्रजः

स्रजं स्रजौ स्रजः

स्रजा स्रग्भ्यां स्रग्भिः

Rest of the forms are like. भिषज्। The locative plural form will be स्रक्षु।

५. 'असृज्'शब्दः जकारान्तः नपुंराकलिङ्गः (Blood)

असृक् असृजौ असृज्जि

असृक् असृजौ असृज्जि

असृजा असृग्भ्यां असृग्भिः

The other declensions are like. भिषज्. The locative plural form is असृक्षु

६. 'मरुत्' शब्दः तकारान्तः पुलिङ्गः (Wind)

मरुत् मरुतौ मरुतः
मरुतं मरुतौ मरुतः
मरुता मरुद्भ्यां मरुद्भिः

Write all the other forms. The locative plural form is मरुत्सु

७. 'सरित्' शब्दः तकारान्तः स्त्रीलिङ्गः (River)

सरित् सरितौ सरितः
सरितं सरितौ सरितः
सरिता सरिद्भ्यां सरिद्भिः

The rest of the forms are like the masculine declension.

The locative plural form is सरित्सु

८. 'जगत्' शब्दः तकारान्तः नपुंसकलिङ्गः (World)

जगत् जगती जगन्ति
जगत् जगती जगन्ति
जगता जगद्भ्यां जगद्भिः

The other case forms follow the masculine pattern. The locative plural form is जगत्सु

Note : We have learnt the commonत् ending words like मरुत्, जगत् and सरित्. We may now learn three special cases of पचत्, धीमत् and महत्

१. पचत् शब्दः तकारान्तः पुलिङ्गः

पचन् पचन्तौ पचन्तः
पचन्तं पचन्तौ पचतः
पचता पचद्भ्यां पचद्भिः

The other forms are like those of मरुत्. The locative plural form is. पचत्सु

पचत् meaning " The one cooking " is a present participle form and its declension differs from that of मरुत् in the first two cases. Similar such forms are गच्छत् (going) पठत् (reading) लिखत् (writing). The feminine forms will be पचन्ती, लिखन्ती, पश्यन्ती, कुप्यन्ती, कथयन्ती and so on. The neuter gender forms will follow the pattern of जगत्.

The forms are given below.

पचन्ती पचन्त्यौ पचन्त्यः
पचन्ती पचन्त्यौ पचन्तीः
पचन्त्या पचन्तीभ्यां पचन्तीभिः

Rest like 'गौरी' ।

पचत् पचती पचन्ति
पचत् पचती पचन्ति
पचता पचद्भ्यां पचद्भिः

Note : The neuter present participle form in nominative and accusative plural is पचन्ति. This should not be confused with the present tense III person plural form पचन्ति. Both forms look the same but their grammatical formation is different.

Eg. रथ्यायां कुटुम्बानि अन्नं पचन्ति .

The families are cooking food on the street.

रथ्यायां पचन्ति कुटुम्बानि आरोग्यं न परिपालयन्ति ।

The families cooking on the street do not care for the health.

Some examples are given below.

गोपबालकाः कृष्णं पश्यन्ति .

The cowherd boys see Krishna

कृष्णं पश्यन्ति नेत्राणि न तृप्यन्ति ।

The eyes seeing Krishna are never satisfied.

ग्रीष्मे तृणानि शुष्यन्ति ।

In summer the grass become dry.

गावः शुष्यन्ति तृणानि न भक्षयन्ति ।

The cows do not eat the drying grass.

लतसु कुसुमानि विकसन्ति ।

The flowers grow in creepers.

बाला विकसन्ति कुसुमानि आनयति ।

The girl is bringing the blossoming flowers.

आतपे आमलकबीजानि स्फुटन्ति ।

The Amla seeds burst in sunlight.

स्फुटन्ति आमलक बीजानि सर्वतः प्रसरन्ति ।

The bursting Amla seeds spread everywhere.

Please note that the forms पश्यन्ति, शुष्यन्ति, विकसन्ति, स्फुटन्ति are used as verbs in one sentence and as participles in the other.

Now we will see the third variety of त् ending words.

१०. 'धीमत्' शब्दः तकारान्तः पुंलिङ्गः

धीमान् धीमन्ती धीमन्तः

धीमन्तं धीमन्ती धीमतः

धीमतां धीमद्भ्यां धीमद्भिः

The other forms are as before. The word धीमान् means one endowed with intellect. With words like धन, बल, गुण, दया, क्रिया and माला (ending in अ or आ) the particle वत् can be added to give the sense of possessing. Thus we get forms like धनवत्, बलवत्, गुणवत्, दयावत्, क्रियावत्, मालावत्. See their forms.

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| धनवान् | धनवन्तौ | धनवन्तः |
| बलवान् | बलवन्तौ | बलवन्तः |
| गुणवान् | गुणवन्तौ | गुणवन्तः |
| दयावान् | दयावन्तौ | दयावन्तः |
| क्रियावान् | क्रियावन्तौ | क्रियावन्तः |
| मालावान् | मालावन्तौ | मालावन्तः |

Exercise

Write the Samskrit equivalents of the following words:
 thirsts, cooks, sees, spreads, writes, becoming angry,
 flowering.

पचत्, धीमत्, पश्यन्ति Decline these words fully.

Fill up the blanks with suitable words.

रामः पत्रं (लिख्)

ते गृहे अन्नं

लताः भूमौ वर्षाकाले

धनवान् दरिद्रेभ्यः

एकोनविंशः पाठः Lesson- 19

Nouns with Consonant ending.(2)

Just as the particle वत् is added to words ending अ and आ(see previous lesson) so the particle मत् is added to nouns (referring to quality) ending in इउ and ऋ.

Thus words like बुद्धि, श्री, धी, पशु, वसु, पितृ, भ्रातृ will become बुद्धिमत्, श्रीमत्, धीमत्, पशुमत्, वसुमत्, पितृमत्, भ्रातृमत् ।

(Masculine)

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| श्रीमान् | श्रीमन्तौ | श्रीमन्तः |
| धीमान् | धीमन्तौ | धीमन्तः |
| वसुमान् | वसुमन्तौ | वसुमन्तः |
| पितृमान् | पितृमन्तौ | पितृमन्तः |

(Feminine)

| | | |
|---------|-----------|-----------|
| श्रीमती | श्रीमत्यौ | श्रीमत्यः |
| धीमती | धीमत्यौ | धीमत्यः |
| वसुमती | वसुमत्यौ | वसुमत्यः |
| पितृमती | पितृमत्यौ | पितृमत्यः |

(Neuter)

| | | |
|---------|---------|-----------|
| श्रीमत् | श्रीमती | श्रीमन्ति |
| धीमत् | धीमती | धीमन्ति |
| वसुमत् | वसुमती | वसुमन्ति |
| पितृमत् | पितृमती | पितृमन्ति |

Note- Normally , त्वं the II person singular pronoun is used for referring to 'you'. There is also an honourific term भवत् which is used for referring to respectable persons. But while using भवत् , the verbal form should be in III person singular.

Eg. त्वं गच्छ - You may go

भवान् गच्छतु- You may go. (honourific)

भवान् भवन्तौ भवन्तः (पुंलिङ्ग) you (honourific)

भवती भवत्यौ भवत्यः (स्त्रीलिङ्ग) you (honourific)

(There are many exceptions to this वत् - मत् rule. For example यव (barley) becomes यवमान् and लक्ष्मी (wealth) becomes लक्ष्मीवान्

Note the declensions of महत् .

| | | | |
|---------|---------|-----------|---------|
| (Nom.) | महान् | महान्तौ | महान्तः |
| (Acc.) | महान्तं | महान्तौ | महतः |
| (Inst.) | महता | महद्भ्यां | महद्भिः |

The other forms are derived as before.

Note that we have the long syllable incorporated into the Nominative case and the singular of Accusative case. Note the feminine and neuter forms given below.

| | Fem | Neu |
|-------|--------------------------|------------------------|
| Nomi. | महती महत्यौ महत्यः | महत् महती महान्ति |
| Acc. | महतीं महत्यौ महतीः | महत् महती महान्ति |
| Inst. | महत्या महतीभ्यां महतीभिः | महता महद्भ्यां महद्भिः |

Compare the forms.

मरुत् -मरुत् मरुतौ मरुतः मरुतं मरुती मरुतः
 पचत् -पचन् पचन्ती पचन्तः पचन्तं पचन्ती पचतः
 धीमान् -धीमान् धीमन्तौ धीमन्तः धीमन्तं धीमन्ती धीमतः
 महत् -महान् महान्तौ महान्तः महान्तं महान्ती महतः

(Note. (1) मरुत् is a standard example of a word ending in a consonant. पचत् differs from it in some forms धीमत् varies from पचत्. and महत् varies from धीमत्.

2. पचत् धीमत् महत् are qualifying nouns and therefore. we get different forms in different genders. The feminine words follow the pattern of गौरी and the neuter gender words जगत्. महत् becomes महान्ति in the Nominative plural.

अनुवादमाला--२६

जलमुचां सङ्घर्षेण विद्युत् उद्भवति । विद्युतां प्रकाशः क्षणिकः । उपन्यासकः मधुरया वाचा जनान् प्रीणयति । द्वौ भिषजौ रोगिणः परीक्षां कुरुतः । दमयन्ती वरुणस्रजं नलस्य कण्ठे अर्पयति स्म । छिन्नायाः अङ्गुलेः असृजः बिन्दवः अपतन् । वृक्षाणां पर्णानि मरुता चलन्ति । मरुतः रूपं नास्ति । स्पर्शेन मरुतं अवगच्छामः । भारतदेशे गङ्गा, यमुना, गोदावरी इत्यादयः पुण्याः सरितः प्रवहन्ति ।

गोदावरी- सरितः समीपे पञ्चवत्यां , श्रीरामः सीतया सह अवसत् ।

बाला सरितः जलमानेतुं गच्छति । ईश्वरः विचित्रं जगत् सृजति ।
जगति विचित्राः स्थावराः, जङ्गमाः, जीवाः, अजीवाः च सन्ति ।
अत्र निर्झरस्य पृषन्ति अस्मान् आर्द्रयन्ति ।

पर्वतं आरोहन्तः जनाः दीर्घं निःश्वसन्ति ।

बालाः मैदाने धावन्तः उत्पतन्तः हसन्तः कन्दुकं क्षिपन्तः च
विहरन्ति ।

गङ्गोत्तर्याः निर्गच्छन्ती गङ्गा शिखरेभ्यः अवतरन्ती हरिद्वारे समभूमिं
प्रविशति ।

यमुनोत्तर्याः आगच्छन्ती यमुना प्रयागे गङ्गया मिलति ।

बालाः वृक्षात् पतन्ति जम्बूफलानि सङ्कलयन्ति ।

भ्रमराः विकसत्सु पुष्पेषु मधु पिबन्ति ।

अयं बालः धावन्तं कन्दुकं अनुधावति ।

‘ इक्ष्वाकुवंशप्रभवः रामः धृतिमान् बुद्धिमान् नीतिमान् गुणवान्
श्रीमान् ’ इति नारदः अवर्णयत् ।

इमाः कन्याः गुणवत्यः रूपवत्यः बुद्धिमत्यः च ।

लोके यत् यत् विभूतिमत् श्रीमत् ऊर्जितं तत् तत् भगवतः अंशभूतम् ।

शुद्धिमति सूर्यवंशे रामः अवातरत् ।

महतां दर्शनं क्षेमाय ।

तेषां उपदेशश्रवणमपि क्षेमाय ।

गिरिः महान् । गिरेः अब्धिः महान् ।

अब्धेः नमः महत् । नभसः अपि ब्रह्म महत् ।

ततः अपि आशा महीयसी ।

महद्भ्यो नमः । महान्तः परहिताय प्राणानपि त्यजन्ति ।

महता प्रयासेन धनं सम्पादितम् । तञ्जानगरे बृहदीश्वरस्य
आलयः महान् ।

तत्र द्वारे महान् नन्दी वर्तते । अन्तः महतीं लिङ्गस्य आकृतिं
पश्यामः ।

अनुवादमाला - २७

सः अजं हरति । त्वं धनं अहरः ।
 रामः गुरवे फलानि आहरति ।
 अहं उद्यानात् पूजायै पुष्पाणि आहरामि ।
 त्वं कदा पुस्तकानि आहरेः ?
 विमला कमलां कपोले प्रहरति ।
 भीमः सुयोधनं गदया प्राहरत् ।
 रामः रावणं समहरत् ।
 हरिश्चन्द्रः असत्यं परिहरति । त्वं हिंसां परिहर ।
 पानाय शुद्धं जलं आहर । अशुद्धं जलं परिहर ।
 यदा अहं रुग्णः अभवं, तदा मम माता शीतं जलं पर्यहरत्,
 उष्णमेव जलं मह्यं अयच्छत् ।
 त्वं कृष्णेन सह विहर, दुष्टेण रविणा सह मा विहर ।
 सः उद्याने मित्रैः साकं कन्दुकैः विहरति ।
 अहं बाल्ये नद्याः पुलिने व्यहरम् ।
 चोरः गृहे स्थितं वस्तु अपाहरत् ।
 अहं सत्यं व्याहरामि । रामुरपि कदाचित् असत्यं व्याहरेत् ।
 साधुः गोपालदासः धर्मेण व्यवहरति ।
 माणवकः गुरवे शुल्कं उपहरति ।
 आचार्याय त्वं प्रियं वस्तु उपहर ।
 आचार्यः असकृत् रामायणात् वाक्यानि उदाहरति ।
 अहं सत्यस्य निरूपणाय पूर्ववृत्तं उदाहरम् ।
 विष्णुः मीनः भूत्वा वेदं उदहरत् ।

वराहः भूत्वा समुद्रे मग्रां भूमिं उदहरत्। कमठः भूत्वा मन्दरं
गिरिं उदहरत्।

त्वं सदा सत्यं व्याहर। अप्रियं मा व्याहर। अहं तथ्यं व्याहरामि।

कविः मङ्गलश्लोकेन काव्यं उपसंहरति।

Note : The root हर means "to take away". The meaning changes by the addition of prefixes. (See Lesson No.14)

(कपोलं - Cheek, रुग्णः - Indisposed, पुलिनं - Sandy Bund, शुल्कं - wages. (fees), असकृत् often and often. पूर्ववृत्तं Earlier incident, मीनः Fish, वराहः Pig, कमठः Tortoise, मग्राः Submerged, मन्दरः Name of a mountain. तथ्यं As it is (truth).

अनुवादमाला- २८

Translate into English

ईश्वरात् जगत् उद्भवति। ततः अस्य जगतः ईश्वरः एव कर्ता। महतः अल्पस्य च वस्तुनः जगत् एव आधारः। मम नगरे महतः गिरेः उपरि विनायकः अस्ति। खगाः महान्तं वृक्षं अधिवसन्ति। पतन्तं बालं माता रक्षति। तव माता किं पचन्ती आस्ते? इयं भारतभूमिः वसुमती। बुद्धिमन्तः जनाः अस्यां वसन्ति। बुद्धिमति शिष्ये गुरोः प्रीतिः वर्तते। श्रीमान् रामुः यन्त्रशालां निर्वहति। लक्ष्मीवते वराय कन्यां यच्छेः। विद्यावान् नरः सभासु पूजां लभते। देवि! मां श्रीमन्तं विनयवन्तं भक्तिमन्तं भाग्यवन्तं च कुरु। जगतः गुरुः कृष्णः। भूषणवती कन्या सुन्दरी भवति। ह्रीमती बाला अपरिचितं आगतं अतिथिं अपश्यत्, गृहस्य अन्तः अधावत्।

खगः- Bird, अधिवसति- Lives, यन्त्रशाला- Factory,
हीमती- Bashful, अपरिचितः- Unfamiliar (Stranger)

विंशः पाठः - २०

(गोकुले एकस्याः गोपिकायाः गृहम्। प्रदोषवेला। गोपिका महानसे तिष्ठति। कृष्णः तद्गृहं प्रविशति। अपवरकं प्रविश्य नवनीतं चोरयित्वा भक्षयति। तालिकाशब्दं श्रुत्वा आगता गोपी कृष्णं दृष्ट्वा तं भर्त्सयति।

गोपिका - अरे कस्त्वम् ?

कृष्णः - (भीतः अपि अभीतः इव) अहं कृष्णः । बलरामः अस्ति किल ? तस्य अनुजः । बलरामः मम अग्रजः ।

गोपिका - - अस्तु । किं इह रे ! न इदं तव गृहम् । कुतः अत्र आगच्छः ?

कृष्णः - - (सभयं मनसि चिन्तयित्वा वदति) मम गृहं इव आसीत् । बालः किल ? अन्तः आगच्छम् ।

गोपिका - - किं तव गृहं एवं अस्ति ? अनृतं वदसि ।

कृष्णः - (सधैर्यं) नैव । सत्यं, मम मन्दिरं इति शङ्कया आगच्छम् ।

गोपिका - - (सकोपं) कुतः अपवरकस्य अन्तः आगच्छः ? नवनीतपात्रे हस्तं किमर्थं अक्षिपः ?

कृष्णः - - मातः !

गोपिका - - अरे किं अहं तव माता ?

कृष्णः - - (सचातुर्यं) त्वं मम माता इव । यदा अहं नवनीतपात्रे हस्तं क्षिपामि तदा मम मातापि एवमेव पृच्छति ।

गोपिका-- कथं पृच्छति ?

कृष्णः -- नवनीतपात्रे हस्तं किमर्थं क्षिपसि इति ।

गोपिका-- त्वं चोरः ।

कृष्णः--नैव । मम गृहे गोवत्सः कुत्रापि नष्टः ।

गोपिका-- सः अपवरके कथं स्यात् ?

कृष्णः--सः नवनीतपात्रे निलीनः स्यादिति मत्वा हस्तं अक्षिपम् ।

गोपिका-- किं सः आसीत् ?

कृष्णः-- न आसीत् । नवनीतं हस्ते लग्नम् । तदेव जिह्वया
अलिक्षम् ।

गोपिका-- किं त्वं मुग्धः ? किं चतुरः ?

कृष्णः-- न मुग्धः । नापि चतुरः । गच्छामि । वत्सं मार्गयामि ।
मा विषीद । (कृष्णः धावति)

गोपिका-- अहो धन्या यशोदा ! चतुरः कृष्णः मां मोहयति ।
अधरं मधुरं वदनं मधुरं नयनं मधुरं हसितं मधुरम् ।
वचनं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधिपतेः अखिलं मधुरम् ।

(अपवरकं - room तालिका - bolt भर्त्सयति - Scolds, threatens
अभीतः - fearless शङ्कया - out of suspicion गोवत्सः - Calf,
लग्नं - Stuck, अलिक्षं - Licked मुग्धः - fool, मा विषीद - Do
not grieve, धन्या - Fortunate मोहयति - infatuated)

-The key-

It is a cowherd woman's house in Gokula. It is evening time. The lady is in her kitchen. Krishna enters the house. He enters the room, steals the butter and eats

it. Hearing the sound of the bolt, the Gopi (cowherd - woman) who came there and threatens Krishna.

Gopika : Fellow, who are you ?

Krishna : (pretending to be fearless though actually fearing) I am Krishna. Balarama is there indeed ? I am his younger brother. Balarama is my elder brother.

Gopika : Let it be. what is here ? It is not your house. Why did you come here ?

Krishna : (fearing, thinking for a while in the mind, says) It looked like my house. I am young boy. I just came inside.

Gopika : Is your house like this ? you are uttering a lie.

Krishna : (with courage) Never. True I came here doubting that it is my house

Gopika (angrily) : Why did you go inside the house ? Why did you lay your hands on the butter ?

Krishna : Oh Mother !

Gopika : Fellow, Am I your mother ?

Krishna : (cleverly) You are like my mother. Whenever I lay my hands on the butter, my mother also asks like this.

Gopika : How does she ask ?

Krishna : Why are you laying hands on the butter vessel?

Gopika : You are a thief.

Krishna : No. No. The calf of my house was lost. I came in search of that

Gopika : How can it be inside the room ?

Krishna : I thought that it was hiding instelf inside the butter pan. So I put my hands inside.

Gopika : Was it there ?

Krishna : No. Only the butter got stuck in my hands. I licked it.

Gopika : Are you a fool or a clever one ?

Krishna : I am neither a fool nor a clever boy. I go now. I will search for the calf. Do not grieve (Krishna runs)

Gopika : How fortunate is Yasoda. The clever krishna enraptures me.

The lips are sweet. The face is sweet.

The eyes are sweet. The smile is Sweet.

The words are sweet The gait is sweet.

All of the king of Mathura is sweet.

एकविंशः पाठः Lesson - 21

पद्यानि Poetry

In Sanskrit, prose is called गद्य and poetry is called पद्य. A poet by name Bana wrote a prose work called Kadambari. Kalidasa's Raghuvamsa is poem. Valmiki's Ramayana is called the first poem. The style is different in poetry. If it is brought into prose order, then the meaning can be understood easily. A poem has four quarters. A quarter is called a पाद in Samskrit

नभसो भूषणं चन्द्रः नारीणां भूषणं पतिः ।

पृथिव्याः भूषणं राजा विद्या सर्वस्य भूषणम् ॥

(नभसः = For Sky, पृथिव्याः = For earth or Country

भूषणं - Ornament

Meaning - The moon is the ornament of the sky. Husband is the ornament for woman. King is the ornament of the country. Learning is the ornament for every body.

The prose order for the verse is: चन्द्रः नभसः भूषणं, पतिः नारीणां भूषणं, राजा पृथिव्याः भूषणं, विद्या सर्वस्य भूषणम्।

We may see that each quarter has got eight syllables. This meter is known as अनुष्टुप्. Most part of the Ramayana is composed in this meter only.

Write the meaning of the following stanzas with the help of word meanings given within brackets.

नरस्याभरणं रूपं रूपस्याभरणं गुणः ।

गुणस्याभरणं ज्ञानं ज्ञानस्याभरणं क्षमा ॥

(नरस्य + आभरणं = नरस्याभरणं । अ + अ = आ, दीर्घ सन्धिः । क्षमा- Forbearance).

नास्ति विद्यासमं चक्षुः नास्ति सत्यसमं तपः ।

नास्ति रागसमं दुःखं नास्ति त्यागसमं सुखम् ॥

(न + अस्ति = नास्ति , (दीर्घसन्धिः)। चक्षुः- Eye, तपः -

Penance, रागः- Desire)

मक्षिकाः व्रणमिच्छन्ति वनमिच्छन्ति पार्थिवाः ।

नीचाः कलहमिच्छन्ति शान्तिमिच्छन्ति साधवः ॥

(व्रणं + इच्छन्ति = व्रणमिच्छन्ति - desire wounds पार्थिवाः - Kings)

गुणो भूषयते रूपं शीलं भूषयते कुलम् ।

सिद्धिः भूषयते विद्यां भोगो भूषयते धनम् ॥

(गुणः + भूषयते = गुणो भूषयते। भूषयते- brings glory
शीलं- Good conduct, सिद्धिः - Success, भोगः-
Enjoyment)

स्पृशन्नपि गजो हन्ति जिघ्रन्नपि भुजङ्गमः ।

हसन्नपि नृपो हन्ति मानयन्नपि दुर्जनः ॥

(स्पृशन् + अपि = स्पृशन्नपि, स्पृशन्नपि - Even touching,
भुजङ्गमः - Serpent)

अवृत्तिकं त्यजेत् राज्यं वृत्तिं सोपद्रवां त्यजेत् ।

त्यजेत् मायाविनं मित्रं धनं प्राणहरं त्यजेत् ॥

(अवृत्तिकं - Jobless, वृत्तिः- Job, सोपद्रवां - miserable
मायाविनं- deceitful, प्राणहरं- taking life out)

न पुत्रात् परमो लाभः न भार्यायाः परं सुखम् ।

न धर्मात् परमं मित्रं नानृतात् पातकं परम् ॥

(लाभः- Gain, सुखं- Happiness, न + अनृतात् =
नानृतात्(दीर्घसन्धिः), अनृतं - Falsehood)

आपत्सु मित्रं जानीयात् युद्धे शूरं क्रणे शुचिम् ।

भार्या क्षीणेषु वित्तेषु व्यसनेषु च बान्धवान् ।

(जानीयात्- Must Know - must be added to every sentence. शुचि:- Pure, क्षीणेषु वित्तेषु- When money is lost)

द्वाविंशः पाठः - Lesson 22

Nouns ending in consonants (३)

Note: -

1. The word सुहृद् is formed by the combination of two words सु+हृद् (good+heart). It refers to. 'friend'
The word दुर्हृद् which is a combination of दुर्+हृद् (bad+heart) refers to an enemy.
2. The suffix सद् has the sense of "being" "living".
The word स्वर्गसद् literally means living in heaven, that is, the Gods. Likewise, the words जलसद् भूसद्, व्योमसद्, अरण्यसद् refers to those living in water, earth, sky and forest respectively.
3. These words are treated like adjectives and, therefore, they operate in all the three genders. See the examples given below.

| | | |
|--------|-------------|-----------|
| सुहृत् | सुहृदौ | सुहृदः |
| सुहृदं | सुहृदौ | सुहृदः |
| सुहृदा | सुहृद्भ्यां | सुहृद्भिः |

सुग्रीवः, रामस्य सुहृत् (Mas)

Sugriva is Rama's friend.

शकुन्तलायाः अनसूया प्रियंवदा इति द्वे सुहृदौ

(Fem. dual) .

Anasuya and Priyamvada are the two friends of Sakuntala.

कामधेनुः स्वर्गसत् (Fem) Kamadhenu is the one living in heaven.

लक्ष्मीः पद्मसत् (Fem) Lakshmi is the one seated on a lotus.

ब्रह्माऽपि पद्मसत् (Mas) Brahma is also the one seated on a lotus.

ब्रह्मा + अपि = ब्रह्माऽपि (दीर्घसन्धिः)

दकारान्तः स्त्रीलिङ्गः 'सम्पद् शब्दः' (Wealth)

| | | |
|--------|-------------|-----------|
| सम्पत् | सम्पदौ | सम्पदः |
| सम्पदं | सम्पदौ | सम्पदः |
| सम्पदा | सम्पद्भ्यां | सम्पद्भिः |

Loc plural सम्पत्सु

(आपद्- Danger, विपद्- accident, संसद्- gathering are also द् ending Fem. gender words. They should not be declined in other genders).

त्रयोविंशः पाठः-२३ Lesson-23 - Verbs

Panini's Ashtadhyayi is the standard work in Samskrit Grammar . His "Dhatu patha" consists of 1950 verbal roots. According to his system, the roots are divided into ten classes called "Vikarana" or conjugation. Each conjugation has a sign. Among the ten Conjugations, the first, fourth, sixth and tenth

are frequently used. They have the conjugational signs, अ, य, अ and अय respectively. These conjugational signs are to be added to the verbal forms. Thus, the Present Tense III Person Singular. of पठ् to read which belongs to I Conjugation is पठ् + अ+ति -पठति. This group (1.4.6,10) of roots can be subdivided into three groups again, they are (I) simple roots. (II) Regular roots and (III) Irregular roots. The simple roots do not undergo changes. The regular roots do undergo changes, but they follow a particular pattern or rule. The irregular roots undergo a lot of changes that do not come under any particular rule. A list of regular roots and irregular roots are given below. Observe their formation.

| 1st. Conju. | Parasmaipada | Simple roots. |
|-------------|--------------|---------------|
| अट् | अटति | wanders |
| अर्च् | अर्चति | worships |
| अर्ह् | अर्हति | deserves |
| अव् | अवति | protects |
| ईर्ष्य | ईर्ष्यति | being jealous |
| कांक्ष् | कांक्षति | desires |
| कूज् | कूजति | cooes |
| कण् | कणति | sounds |
| क्रीड् | क्रीडति | plays |
| खन् | खनति | digs |
| खेल् | खेलति | plays |
| खाद् | खादति | eats |
| गद् | गदति | tells |

| | | |
|--------|---------|--------------|
| गर्ज् | गर्जति | roars |
| गुञ्ज् | गुञ्जति | resonates |
| गूह् | गूहति | hides |
| चर् | चरति | walks |
| चल् | चलति | moves |
| चाम् | चामति | sips water |
| चुम्ब् | चुम्बति | kisses |
| चूष् | चूषति | sucks |
| जय् | जयति | conquers |
| जल्प् | जल्पति | prattles |
| जीव् | जीवति | lives |
| ज्वल् | ज्वलति | burns |
| तक्ष् | तक्षति | chisels, |
| दल् | दलति | breaks |
| दश् | दशति | bites |
| नट् | नटति | acts |
| नन्द् | नन्दति | rejoices |
| नद् | नदति | makes sound |
| निन्द् | निन्दति | condemns |
| पठ् | पठति | reads |
| पत् | पतति | falls |
| फल् | फलति | bears fruits |
| भज् | भजति | seeks |
| भण् | भणति | tells |
| भष् | भषति | barks |
| भ्रम् | भ्रमति | reels |

| | | |
|----------|-----------|----------------|
| मन्थ् | मन्थति | churns |
| मील् | मीलति | closes the eye |
| मूर्च्छ् | मूर्च्छति | swoons |
| रक्ष् | रक्षति | protects |
| रट् | रटति | makes sound |
| रिङ्क् | रिङ्गति | crawls |
| लिङ्क् | लिङ्गति | embraces |
| वद् | वदति | tells |
| वम् | वमति | vomits |
| वस् | वसति | lives |
| वाञ्छ् | वाञ्छति | desires |
| शंस् | शंसति | praises |
| ष्ठीव् | ष्ठीवति | spits |
| स्कन्द् | स्कन्दति | leaks |
| हस् | हसति | laughs |
| हिक्क् | हिकति | to hiccup |
| हस् | हसति | becomes small. |

2 Regular roots.

| | | |
|------------------|--------|---------------|
| (क्षि - क्षय्) | क्षयति | degrades |
| (जि - जय्) | जयति | wins |
| (तृ - तर्) | तरति | crosses |
| (द्रु - द्रव्) | द्रवति | melts |
| (धृ - धर्) | धरति | bears |
| (धे - धय्) | धयति | drinks |
| (नी - नय्) | नयति | leads-carries |

| | | |
|--------------|--------|-------------|
| (भू-भव्) | भवति | is, becomes |
| (भृ-भर्) | भरति | bears |
| (स्मृ-स्मर्) | स्मरति | remembers |
| (हृ-हर्) | हरति | takes away |
| (ह्वे-ह्वय्) | ह्वयति | calls |

The vowels इ, उ, ऋ, लृ occurring at the end of the root get changed to ए ओ अर् and अल्. Eg. नी=ने, भू=भो. जि=जे, द्रु=द्रो. When the conjugational sign अ is added to them, they get changed to ए अय् ओ and अव् respectively. Thus भू becomes भव् and जि becomes जय्. They come under regular group.

2. The endings ऐ and औ get changed to आय् and आव्. They also come under the regular group.

| | | |
|-------------|---------|----------------|
| ग्लै-ग्लाय् | ग्लायति | becomes tired. |
| ध्यै-ध्याय् | ध्यायति | meditates. |
| म्लै म्लाय् | म्लायति | linguishes |

3. The penultimate letter, if, having इ उ ऋ लृ changes ए ओ अर् अल् respectively.

| | | |
|-------------|------------|---------------|
| कुश्-क्रोश् | क्रोशति | cries loudly. |
| शुच्-शोच् | शोचति | laments. |
| सिद्-सेध् | (नि) षेधति | obstructs. |

Therefore, the change has taken place before श्, च्, ध् in the examples given above. With the root सिध् the prefix नि has been added.

3. The irregular roots.

| | | |
|------------|---------|----------|
| पा-पिब् | पिबति | drinks |
| घ्र-जिघ्र | जिघ्रति | smells |
| ध्मा-धम् | धमति | blows |
| म्ना-मन् | मनति | learns |
| दृश्-पश्य | पश्यति | sees |
| दा-यच्छ | यच्छति | gives |
| स्था-तिष्ठ | तिष्ठति | stands |
| गम्-गच्छ | गच्छति | goes |
| गुप्-गोपाय | गोपायति | protects |
| यम्-यच्छ | यच्छति | controls |

4thConjugation- Parasmaipada- Simple roots

| | | |
|--------|-----------|-----------------|
| अस् | अस्यति | throws |
| कुप् | कुप्यति | is angry |
| क्रुध् | क्रुध्यति | is angry |
| तुष् | तुष्यति | is happy |
| तृप् | तृप्यति | is satisfied |
| त्रस् | त्रस्यति | fears |
| दीव् | दीव्यति | plays |
| दुष् | दुष्यति | spoils |
| नश् | नश्यति | gets destroyed |
| नृत् | नृत्यति | dances |
| पुष् | पुष्यति | nourishes |
| पुष्प् | पुष्प्यति | blossoms |
| मुह् | मुह्यति | gets infatuated |

| | | |
|--------|-----------|------------|
| मृष् | मृष्यति | bears |
| शाम् | शाम्यति | calms down |
| शुष् | शुष्यति | dries up |
| श्लिष् | श्लिष्यति | embraces |
| सिध् | सिध्यति | succeeds |
| सीव् | सीव्यति | stitches |
| स्निह् | स्निह्यति | loves |

6th Conjugation - Parasmaipada- Simple roots

| | | |
|--------------|---------|----------------|
| क्षिप् | क्षिपति | throws |
| तुद् | तुदति | goads |
| दिश् | दिशति | gives |
| मिल् | मिलति | meets |
| मुच् (मुञ्च) | मुञ्चति | drops |
| लिख् | लिखति | writes |
| लिप् (लिम्प) | लिम्पति | paints (apply) |
| स्पृश् | स्पृशति | touches |
| स्फुट् | स्फुटति | cracks |
| विश् | विशति | enters |

Note:- Both the first and sixth conjugations have the sign अ. But there are certain subtle differences. Observe the third variety of the I Conjugation. The penultimate letter if it is इ, उ, ऋ, लृ when added with अ becomes ए, ओ, अर्, अल्. In sixth conjugation, such a change does not take place. See for example the root. क्षिप्. This is one of the distinctions between the first conjugation and the sixth.

3. Irregular roots.

| | | |
|-------------------------------|-----------------------------------|------------------|
| इष्(इच्छ्) | इच्छति | desires |
| सद्(सीद्) | सीदति | experiences pain |
| 10 th Conjugation- | <i>parasmaipada- Simple roots</i> | |
| अर्च् | अर्चयति | worships |
| अर्द् | अर्दयति | causes pain |
| अर्ह् | अर्हयति | respects |
| कथ् | कथयति | tells |
| क्षल्(क्षाल्) | क्षालयति | washes |
| खण्ड् | खण्डयति | cuts |
| गण् | गणयति | counts |
| चित्र | चित्रयति | describes |
| चिन्त् | चिन्तयति | thinks |
| चूर्ण् | चूर्णयति | powders |
| तर्ज् | तर्जयति | threatens |
| तर्प् | तर्पयति | pleases |
| तल्(ताल्) | तालयति | keeps beat |
| दुःख् | दुःखयति | causes pain |
| पाल् | पालयति | protects |
| पूज् | पूजयति | worships |
| पूर् | पूरयति | fills up |
| प्रथ् | प्रथयति | publishes |
| प्रीण् | प्रीणयति | pleases |

| | | |
|----------|------------|-------------|
| भक्ष् | भक्षयति | eats |
| भूष् | भूषयति | decorates |
| मान् | मानयति | felicitates |
| रच् | रचयति | arranges |
| रूप् | रूपयति | represents |
| वर्ण् | वर्णयति | describes |
| सभाज् | सभाजयति | honours |
| सान्त्व् | सान्त्वयति | pacifies |
| सुख् | सुखयति | makes happy |

b. Regular roots.

| | | |
|--------------|---------|-----------|
| घुष् (घोष्) | घोषयति | announces |
| चुद् (चोद्) | चोदयति | goads |
| चुर् (चोर्) | चोरयति | steals |
| तुल् (तोल्) | तोलयति | weighs |
| पुष् (पोष्) | पोषयति | nourishes |
| मृष् (मर्ष्) | मर्षयति | bears |

चतुर्विंशः पाठः Lesson-24

This Lesson is in the form of a conversation. Translate it with the help of hints given at the end of the lesson)

(अरविन्दः प्रकाशश्च कुमारीक्षेत्रं गच्छतः)

अरविन्दः- वयस्य ! त्वया सह इयं उल्लासयात्रा मां प्रहर्षयति ।

प्रकाशः- सत्यमरविन्द ! ममापि इयं यात्रा मोदाय भवति ।

अरविन्दः- पश्य ! चन्द्रः अस्तं गच्छति । कियत् रमणीयं दृश्यम् !

प्रकाशः- भारतभूमेः दक्षिणपीठभूमिः त्रिकोणाकारा । सा विन्ध्यपर्वतं यावत् विस्तृता । तस्याः इदं दक्षिणं कोणाग्रम् । अत्रस्थाः ईदृशं दृश्यं तदा तदा पश्यन्ति ।

अरविन्दः- किं प्रतिदिनं न पश्येयुः ?

प्रकाशः - न । अद्य शुक्लचतुर्दशी । प्रातःकालः । सूर्यः नाद्यापि उदितः । चन्द्रः अस्तं गच्छति । श्वः पूर्णिमा । प्रातःकाले सूर्यस्य उदयः, चन्द्रस्यास्तमयः च युगपत् भवेताम् ।

अरविन्दः- एवं वा ? किं सायंकाले एतादृशं द्रष्टुं न शक्यम्?

प्रकाशः- तदा द्रष्टुं शक्यमेव । श्वः सायंकाले, पूर्णिमायाः सायंकाले सूर्यास्तमयः चन्द्रस्योदयश्च एककाले भवेताम् ।

अरविन्दः- एकः उदेति । अपरः अस्तमेति । आश्चर्यम् ।

प्रकाशः- तत्र तत्त्वमस्ति ।

अरविन्दः- किं तत् तत्त्वम् ?

प्रकाशः- लोकः कदाचित् सुखं कदाचित् दुःखं च अनुभवेदेव ।

अरविन्दः- कुतः दुःखमेव नानुभवति ? कुतः सुखमेव नानुभवति ?

प्रकाशः- सुखं दुःखं च सुकृतदुष्कृतयोः फलम् ।

अरविन्दः- सुकृतं नाम किम् ? दुष्कृतं नाम किम् ?

प्रकाशः- अस्माकं समीचीनं न्याय्यं कर्म सुकृतम् ।
असमीचीनं, अन्याय्यं कर्म दुष्कृतम् ।

अरविन्दः- सुकृतं कालान्तरे सुखं यच्छति, भुक्तं पथ्यं अन्नं
इव । दुष्कृतं दुःखं यच्छति, भुक्तं अपथ्यं अन्नं इव ।
एवं वा ?

प्रकाशः- एवमेव । तस्य कालस्य दशेति नाम ।

अरविन्दः- चन्द्रसूर्ययोरपि दशा भवति वा ? तौ देवौ किल ?

प्रकाशः- भवतीव । वस्तुतः तयोः नोदयः । नास्तमयः ।

अरविन्दः- अवगच्छामि । वयं तथा पश्यामः ।

प्रकाशः- एवं एतत् । अस्तमयो नाम व्यसनं--दुःखं नाशः ।
उदयो नाम अभिवृद्धिः । तत्र पश्य ...

अरविन्दः- अतीव तुष्यामि तव विवरणेन । कथय ।

प्रकाशः- चन्द्रः ओषधीनां पतिः । राजा । तथा ऽपि सः
नश्यति । आत्मानं रक्षितुं न प्रभवति । अस्तं गच्छति ।

अरविन्दः- विचित्रं एतत् । साधनं अस्ति । फलं न भवति ।

प्रकाशः- अरविन्द ! तत्र पश्य । सूर्यः उदेष्यति । अरुणः
उदितः ।

अरविन्दः- अरुणः कः ?

प्रकाशः- सूर्यस्य सारथिः । स सूर्यस्य रथं चारयति ।

अरविन्दः- सूर्यस्य रथः अस्ति वा ?

प्रकाशः- तथा काचित् कल्पना । अस्तु । अरुणः सूर्यस्य
सारथिः । सः न समर्थः ।

अरविन्दः- कथं सारथिः न समर्थः ?

प्रकाशः- तस्य ऊरोः अधोभागः न सम्पन्नः । कट्याः अधोभागः
न सम्पन्नः ।

अरविन्दः- कथमेतत् ।

प्रकाशः- तदन्यदा कथयामि । सूर्यः तं सारथिं कृत्वा उदेति ।
वर्धते । प्रकाशते ।

अरविन्दः- एतदपि विचित्रम् । साधनं नास्ति । फलमस्ति ।

प्रकाशः- सम्यगवगच्छसि ।

अरविन्दः- किं तत्र तत्त्वम् ?

प्रकाशः- साधनसम्पन्नः अहं इति न दृष्येत् । विनिपातो
भवेदपि । साधनहीनः अहमिति न खिद्येत् । उदयो
भवेन्नाम ।

अरविन्दः- साधु वयस्य ! अतीव साधु !

कुमारीक्षेत्रम्- Kanyakumari, / उल्लासयात्रा- Picnic,
प्रहर्षयति- pleases, दृश्यं- Scene, अस्तं - Setting,
त्रिकोणाकारा- being in a triangular form, कोणाग्रं- Tip
of an angle, अत्रस्थाः- People of this region, ईदृशं-
Like this, युगपत्- Together, at once, शक्यं- Possible,
न शक्यं- Not possible, शक्यमेव- It is indeed possible,
उदयः- Rise, अस्तमयः - Setting, लोकः- World,
सुकृतदुष्कृतयोः - Of good deed and bad deed, सुकृतं-
Good deed, दुष्कृतं- Bad deed, नाम- Name, here it
denotes "may be" समीचीनं- Correct, असमीचीनं- Not
correct, न्याय्यं- Proper, just, अन्याय्यं- Unjust, भुक्तं-

Eaten, अन्नं - Food, पथ्यं- Beneficial, अपथ्यं- Not beneficial, harmful, कालान्तरे- On another occasion, व्यसनं- Calamity, नाशः - Destruction, अवगच्छामि- I understand, अतीव- Very much, विवरणेन- By the explanations, ओषधीनां - Of plants, नश्यति- Gets destroyed, आत्मानं- Himself, रक्षितुं- To protect, प्रभवति- Capable of, न प्रभवति- Not capable of, साधनं- Means, फलं- Fruit, उदेष्यति- will rise, उदितः- Risen, चारयति- Drives, समर्थ- Expert, सारथिः- Charioteer, ऊरोः - of the thigh, ऊरुः - Thigh, अधोभागः - Lower part, सम्पन्नः - Completed, कट्याः - of the waist, कटिः(कटी) - Waist, अन्यदा- On a different occasion, वर्धते- Grows, सम्यक्- Well, साधनसम्पन्नः - Well equipped, साधनहीनः Not well equipped, न दृप्येत् - Do not be proud, विनिपातः - Fall, न खिद्येत्- Do not grieve, भवेन्नाम may take place .साधु- Fine, वयस्य - Friend.

Grammer point

कथं + एतत् = कथमेतत् । तत् + अन्यदा = तदन्यदा ।
 एतत् + अपि = एतदपि । न + अस्ति = नास्ति । फलं + अस्ति = फलमस्ति । सम्यक् + अवगच्छसि = सम्यगवगच्छसि ।
 विनिपातः + भवेत् + अपि = विनिपातो भवेदपि । अहं + इति = अहमिति । भवेत् + नाम = भवेन्नाम ।

पञ्चविंशः पाठः Lesson -25

उपाध्यायः पाठं अबोधयत् । मध्ये मध्ये प्रश्नान् अपृच्छत् ।
माणवकाः उत्तरं अवदन् । तेषु एकः रामकृष्णः । सः अतीव
बुद्धिमान् । सः गवाक्षसमीपे उपाविशत् । तस्य शिरः मुहुः
मेजिकां अस्पृशत् । सः अस्वपत् ।

उपाध्यायः : रामकृष्ण ! कुतो निद्रासि ।

रामकृष्णः : आर्य ! प्रसीद ! मम द्वे प्रेयस्यौ । तत्र...

उपाध्यायः : त्वं बालः । कथं द्वे प्रेयस्यौ ?

रामकृष्णः : न अनृतं वदामि ।

उपाध्यायः : अस्तु । ज्यायसी कदा समागता ?

रामकृष्णः : यदा अहं जातः तदैव ।

उपाध्यायः : कनीयसी कदा समागता ?

रामकृष्णः : द्वित्रेभ्यः वर्षेभ्यः पूर्वम् ।

उपाध्यायः : किं मातापितरौ जानीतः ?

रामकृष्णः : जानीतः ।

उपाध्यायः : पाठवेलायां कुतः निद्रासि ?

रामकृष्णः : कनीयस्यां अतीव अभिलाषः । एको मासः गतः ।

तया सहैव अस्मि । तेन... (बालाः हसन्ति)

रामकृष्णः : मा हसत वयस्याः ! मा हसत ।

उपाध्यायः : मा हसत । रामकृष्णः सर्वं कथयतु । रामकृष्ण !

तेन...

रामकृष्णः : तेन ज्यायसी कुपिता । सा एकं उपायं अकरोत् ।

उपाध्यायः : कः उपायः ?

रामकृष्णः : तस्याः बालसखी काचित् । सा सखी मुहुः मां
उपागच्छत् ।

उपाध्यायः : सा किं अकरोत् ?

रामकृष्णः : सा मां अनुनयति स्म । तं अवसरं उपलभ्य
ज्यायसी मम समीपं आगता । अत्रापि
अनुगच्छति ।

उपाध्यायः : अत्रापि वा ? न हि पश्यामः ।

रामकृष्णः : सा अत्रैव अस्ति । मम चेतः हरति । सकलानां
इन्द्रियाणां इष्टा भवति । तां प्रसादयितुं शिरसा
नमामि । न निद्रामि ।

उपाध्यायः : रामकृष्ण ! का ज्यायसी ? का वा कनीयसी ?
का सखी ? किं प्रहेलिकां रचयसि ?

रामकृष्णः : आर्य ! निद्रा मम प्रथमा प्रेयसी । सा मम
जन्मनः प्रेयसी ।

उपाध्यायः : द्वितीया का ?

रामकृष्णः : सा विद्या । द्वित्रेभ्यः वर्षेभ्यः तस्यां अतीव प्रणयः
मम । निद्रायां अनादरश्च ।

उपाध्यायः : अस्तु, का सा निद्रायाः प्रियसखी ?

रामकृष्णः : तन्द्री । सा मां अन्वनयत् । तां अनुसरन्ती निद्रापि
मां उपगच्छति । किं करोमि ?

उपाध्यायः : साधु रामकृष्ण ! साधु ! । परीक्षायां विजयी भव ।
(सर्वे बालकाः विस्मिताः)

विद्याभिलाष- कुपितां निजबालसख्या
 तन्द्वा कथञ्चिदनुनीय समीपयाताम् ।
 चेतोहरां प्रणयिनीं सकलेन्द्रियेष्टाम्
 निद्रां प्रसादयितुं एष नमस्करोमि ॥

एष नमस्करोमि - I Salute, प्रसादयितुं- In order to please, प्रणयिनीं निद्रां- The pleasing sleep विद्याभिलाष कुपितां - who is angry on account of my interest in study, निजबालसख्या तन्द्वा- who with the help of her childhood friend, laziness, कथञ्चित् अनुनीय- Somehow appeasing me (and), समीपयातां- approaching me, सकलेन्द्रियेष्टां-pleasing to all the senses.

| | |
|---------------------------------|-----------------------|
| मध्ये मध्ये- In between, | प्रश्नः- Query |
| गवाक्ष- वातायनं - Window | मेजिका- Table |
| निद्रासि- You are sleeping | प्रसीदत- Do favour |
| प्रेयसी- Lady love | अनृतं- Falsehood |
| ज्यायसी- Elder | जानीतः- Know (dual) |
| अभिलाषः- Desire | उपागच्छत्- Approached |
| अनुनयति - Appeased | अवसरः - Opportunity |
| उपलभ्य - Having got | सकलानां - of all |
| प्रसादयितुं -In order to please | प्रहेलिका - Riddle |
| प्रणयः - Affection | तन्द्री - Laziness |
| वयस्यः - Friend | |

सूक्ति सुधा Nector of wise saying

नागुणी गुणिनं वेत्ति गुणी गुणिषु मत्सरी ।
 गणी च गणरागी च विरलः सरलो जनः ॥

A characterless person will not be able to understand (the qualities of) a virtuous man. A person though possessing certain merits will be jealous of the qualities of others. Persons who are meritorious and who also recognise the merits of others are very few.

मुखेन नोद्गिरत्यूर्ध्वं हृदयेन नयत्यधः ।

जरयत्यन्तरे साधुर्दोषं विषमिवेश्वरः ॥

A virtuous man will not speak out the defects of others nor will he gulp it in. He will digest it in the throat itself like Lord Siva did with respect to the poison.

सद्भिस्तु लीलया प्रोक्तं शिलालिखितमक्षरम् ।

असद्भिः शपथेनापि जले लिखितमक्षरम् ॥

Even the casual words of a great man will become, as it were, the words inscribed on a stone (last long). Even the promises of a wicked man turn out to be words written on water.

सम्पत्सु महतां चित्तं भवति उत्पलकोमलम् ।

आपत्सु च महाशैलशिलासङ्घातकर्कशम् ॥

At the time of prosperity, the mind of great men will become as tender as a little flower. At times of adversity it will become strong and hard like the rock of big mountain.

षड्विंशः पाठः Lesson 26

दैनन्दिनं कर्म । Day to day work

उषसि निद्रां जहाति

He leaves sleep at dawn (He gets up)

ब्राह्मे मुहूर्ते जागर्ति (उद्बुध्यते)

In the predawn hours, he wakes up.

ततः शयनात् उत्तिष्ठति ।

Then he gets up from the bed.

शौचागारे शौचं करोति । (मलं मूत्रं च विसृजति)

He attends to purifying in the bath room (He attends to the calls of nature)

आस्यं जलेन पूरयित्वा गण्डूषं करोति ।

He fills the mouth with water and cleans the mouth.

दन्तचूर्णेन ,दन्तलेपिन्या वा दन्तान् धावति । (दन्त धावनं करोति)

He brushes his teeth with tooth powder or tooth paste.

दन्तघर्षण्या दन्तकूर्चेन वा दन्तानां अन्तरालं शोधयति ।

With a brush or a small stick he cleans up the crevices between the teeth.

जिह्वां जिह्वालेखिन्या मार्जयति ।

He cleans the tongue with a tongue cleaner.

आस्यं गण्डूषेण विशोधयति ।

He cleans the mouth with mouthful of water.

प्रातः शरीरस्थितिमनुसृत्य उचितं व्यायामं करोति ।

Depending upon the state of the body ,he does exercises in the morning.

ततः शिरः पादौ च तैलेन लेपयति । ततः स्नाति ।

(शिरसि पादयोश्च तैललेपं करोति, स्नानं करोति ।)

He applies oil on his head and the legs. Then he bathes.

उष्णेन अम्बुना स्नानं शरीरे व्यथां अपाकरोति ।

A hot-water bath removes the body pain.

शीतेन उदकेन स्नानं क्षुधां दीपयति । ऊर्जां बलं च ददाति ।

तन्द्रां दाहं च अपनयति ।

A cold water bath kindles the appetite. It gives energy and strength. It removes laziness and heat.

शुद्धेन शुष्केण वस्त्रखण्डेन गात्रं शोषयति । (गात्रस्य आर्द्रतां अपनयति)

He dries up the body with a clean dry towel. (He removes the moisture of the body.)

प्रथमं धौतं अर्धोरुकं चण्डातकं वा धारयति ।

He wears a half-trouser or an underwear that had been washed before.

ततः धौतं अधोवासः धत्ते ।

Then he wears an undergarment.

उपरि उत्तरीयं कञ्चुकं वा परिधत्ते ।

He wears an upper garment or a shirt.

ततः पूर्वं धृतं वस्त्रं (वस्त्राणि) जले क्षालयति, शोधयित्वा शोषयति च ।

Then he washes the clothes worn earlier. after cleaning them dries them .

ललाटे भस्मलेपं तिलकं वा धारयति ।

He wears sacred ash or Tilaka on his forehead.

यदि माणवकः, पठनाय प्रवर्तते ।

If he is a student, he starts reading.

यदि कुत्रापि सेवावृत्तौ वाणिज्ये वा नियुक्तः, तदर्थानि साधनानि सज्जीकरोति ।

If he is employed somewhere or engaged in trading, he prepares the necessary materials.

भ्रात्रा पित्रा भगिन्या तस्मिन् समये मिलितैः अन्यैश्च साकं प्रातराशं भुङ्के ।

He takes breakfast along with his brother, sister, father and others who assemble at that time.

उचितेन प्रसाधनेन अलङ्कृतः स्वस्वकार्याय बहिः गच्छति ।

Having dressed up in a fitting manner, he goes out for his job.

सप्तविंशः पाठः Lesson - 27

In Present tense and past tense.

We have learnt to frame sentences in present tense. These sentences can be transformed into past tense as discussed in Lesson No.7, (Imperfect Past Tense).

Present tense
terminations

Past(Imperfect).
Terminations.

ति तः अन्ति
सि थः थ
मि वः मः

त् तां अन्
स् (:) तं त
अं व म

Example :

| Present | Imperfect | Present | Imperfect |
|------------|------------|------------|------------|
| <u>लट्</u> | <u>लङ्</u> | <u>लट्</u> | <u>लङ्</u> |
| भवति | अभवत् | चरति | अचरत् |
| भवतः | अभवतां | चरतः | अचरताम् |
| भवन्ति | अभवन् | चरन्ति | अचरन् |
| भवसि | अभवः | चरसि | अचरः |
| भवथः | अभवतं | चरथः | अचरतं |
| भवथ | अभवत | चरथ | अचरत |
| भवामि | अभवं | चरामि | अचरं |
| भवावः | अभवाव | चरावः | अचराव |
| भवामः | अभवाम | चरामः | अचराम |

A number of roots and the verbal forms have been taught from Lesson-9 of Volume I - Some of them take prefixes (refer to Lesson No. 14, Vol-II). It should be noted that the imperfect tense marker अ must be added after the prefix but before the root. Thus प्र+अ+हर+त्=प्राहरत् Similarly we have forms समहरत् निरगच्छत् अन्वभवत् प्राणमत् etc., Learn the usage of past tense (Imperfect) by doing the exercises.

अश्वः मन्दुरायां अस्ति । (आसीत्)

त्वं वस्त्राणि इच्छसि । (ऐच्छः)

अहं पठनं करोमि । (अकरवम्)

पुष्पाणि विकसन्ति । (व्यकसन् - वि-अकसन्)

यूयं फलानि खादथ । (अखादत)

ते उद्याने क्रीडन्ति । (अक्रीडन्)

रामः सीता च वनं गच्छतः । (अगच्छताम्)

यूयं गृहं आगच्छथ । (आगच्छत) (आ+अगच्छत)
 वयं गृहात् निर्गच्छामः । (निरगच्छाम) (निर
 +अगच्छाम)

रामः गीतं गायति । (अगायत्)
 गजः वने तिष्ठति । (अतिष्ठत्)
 राजा चोरं दण्डयति । (अदण्डयत्)
 राघवः गुरुं नमति । (अनमत्)
 अहं धेनुं नयामि । (अनयम्)
 युवां अश्वं नयथः । (अनयतम्)
 यूयं बालान् गृहं आनयथ । (आनयत) (आ+अनयत)
 माता अन्नं पचति । (अपचत्)
 युवां पाठं पठथः । (अपठतम्)
 सः गिरेः पतति । (अपतत्)
 अहं दूरे रामं पश्यामि । (अपश्यम्)
 त्वं क्षीरं पिबसि । (अपिबः)
 रामः धेनुं पोषयति । (अपोषयत्)
 शिष्यः गुरुं पृच्छति । (अपृच्छत्)
 युवां पाठं बोधयथः । (अबोधयतम्)
 गुरुः प्रीतः भवति । (अभवत्)
 राजा धनं यच्छति । (अयच्छत्)
 त्वं पाठं लिखसि । (अलिखः)
 अहं सत्यं वदामि । (अवदम्)
 युवां कुत्र वसथः । (अवसतम्)
 सा गृहं विशाति । (अविशत्)
 यूयं अत्र उपविशथ । (उपाविशत) (उप +अविशत)
 वयं हसामः । (अहसाम)

अष्टाविंशः पाठः Lesson 28

विशेषणवाचिनः विशेष्यवाचिनश्च शब्दाः

Qualifying Adjectives and the qualified :

We have seen some ideas about adjectives in lesson No.8. The adjectives qualify a person or an object. They may refer to colour, quality, excellence the amount and the like. . We qualify a person by saying - a beautiful girl, intelligent man, an old man, a deaf man and the like. The qualifying adjective is called 'Viseshana' and the qualified is called 'Viseshya' in Samskrit. The speciality of Samskrit is that the adjective takes the same gender form, person and number as the noun it qualifies.

Let us see some examples.

Try to translate them into English.

उन्नतं गिरिं आरोहामि ।

शीतलेन जलेन स्नानं अकरवम् ।

उष्णाय पानीयाय स्पृहये ।

निपुणात् आचार्यात् विद्यां गृह्णामि ।

मधुरायाः द्राक्षायाः रसं पिबामि ।

शुभ्रं वस्त्रं धरामि ।

रक्तेन उत्तरीयेण आत्मानं आवृणोति ।

नीलं नभः सहस्रैः नक्षत्रैः शोभते ।

विष्णुः पीतं वासः परिधत्ते ।

हरितैः तृणैः भूमिः पूर्णा ।

वायुः सूक्ष्मं रजः अन्यत्र नयति ।

गजस्य शरीरं स्थूलम् ।

सीतायाः वियोगेन रामः कृशः जातः ।

मम पिता वृद्धः, वृद्धया मात्रा सह नगरं गच्छति ।

बालं सुतं बाला मे सुता गृहं नयति ।

तस्य पत्नी आढ्या, पितुः गृहात् बहु धनं आनयत् ।

तस्याः पिता धनिकः, तस्यै बहुमूल्यं यौतकं अयच्छत् ।

सा धनिका अपि दरिद्रं भर्तारं अनुसरति ।

सा सङ्गीते गणिते च निपुणा ।

शूराः योधाः युद्धाय सन्नहन्ति ।

शूरा सुभद्रा रथेन अर्जुनं हस्तिनापुरं अनयत् ।

अस्त्रविद्यायां चतुरे अर्जुने तस्याः महती प्रीतिः अभवत् ।

सर्वाभ्यः अधिकं तस्याः सौन्दर्यं अर्जुनस्य मनः अकर्षत् ।

मथुरा पुराणा नगरी, द्वारका तु नवीना ।

भर्तुः शैवे सङ्गमे नारी मूका भवति ।

भर्ता पङ्गुः बधिरः काणः अन्धः विग्रः वा भवतु, पत्नी तं
श्रद्धया परिचरति ।

पत्नी, पङ्गुः बधिरा काणा अन्धा विग्रा यदि भवति, भर्ता
अपि अस्यां प्रियं दर्शयति ।

कश्चित् पत्नीं मधुरया वाचा मधुरेण इङ्गितेन च सभाजयति,
कश्चित् परुषेण वाक्येन तां गर्हते ।

काचित् स्वभावेन मृदुः भवति, काचित् कठिना । कठिनं
तस्याः हृदयं, हिंसा चर्या, परं मृदु भाषणं भवति ।

सिकतिलायां कठिनायां च भूमौ चिरं न तिष्ठ ।

सुरभिः वायुः, सुरभेः लतायाः मृदूनि पुष्पाणि आनयति ।

कार्यालये उत्तमाधिकारी दयालुः शान्तः स्यात्, तादृशो नरः
विरलः ।

इदं शान्तं पूतं च गृहम् । पूति किमपि अत्र नास्ति ।

पूर्णात् घटात् जलं आददाति ।

अद्यत्वे तडागे वारि अल्पं एव दृश्यते ।

रिक्तात् भाण्डात् दर्वी न किमपि आदत्ते ।

आरोहामि - I climb, अकरवं- did, made, पानीयं- drinking water, आत्मानं - himself, आवृणोति- Covers, नमः- Sky, वासः - Dress, परिधत्ते- wears, रजः- dust, बहुमूल्यं - very costly, यौतकं- dowry, सन्नहन्ति - get ready, अकर्षत्- drew, परिचरति- renders service, सभाजयति- honours, गर्हते- Condemns, चर्या- Conduct, उत्तमाधिकारी- Higher official, भाण्डं- vessel, दर्वी- Ladle.

एकोनविंशः Lesson - 29

एकः स्वादु न भुञ्जीत ।

एकः स्वादु न भुञ्जीत इति वृद्धाः वदन्ति । स्वादु वा ? अस्वादु वा ? इति भोजनकाले एव ज्ञायेत । अतः भोजनं प्राप्तकालं यदि भवेत् तर्हि इष्टैः सहैव भोजनं कुर्वीत इति एतत् अनुशास्ति । काकाः तत्र मार्गं दर्शयन्ति ।

किञ्चित् वनम् । द्वादश वत्सरान् यावत् अनावृष्टिः कदाचित् अभवत् । खाद्यं पक्षिणामपि मृग्यं अभवत् । अन्ते वृष्टिः दिष्ट्या जाता । क्षेत्राणि सस्यलानि । वृक्षाः पर्णफलवन्तः । सर्वत्र हरितं दृश्यम् । श्वेतवाहनः काकयूथपः अस्माकं परिचितः । वनोपान्ते कञ्चन वृक्षं सपरिवारः सः अध्यवसत् । सस्यभूयिष्ठेष्वपि क्षेत्रेषु कृषकाः बहूनां वत्सराणां ईतिबाधया पूर्वं क्लिष्टाः एकमपि धान्यकणं भूमौ न अवाकिरन् । धान्यकणा अपि न लब्धाः काकैः । कुतः अन्नं लभ्येत ?

परिवारः अन्नाय स्पृहयति इति जानन् श्वेतवाहनः
किंकरान् दिशि दिशि प्रैरयत् । “गच्छत । सर्वतो भ्रमत ।
ग्रामं ग्रामं अटत । यत्र क्वचित् धान्यराशिः दृष्टश्चेत् सद्यः
परापतत । मह्यं निवेदयत । सर्वे वयं संभूय गत्वा धान्यानि
खादेम । एकः न भुञ्जीत । अयं नियमः सर्वैः परिपाल्यः”
इति आदिशत् ।

सर्वे यथादिष्टं ग्रामे ग्रामे धान्यराशिं व्यचिन्वन् । तेषु
कश्चित्काकः स्वार्थपरः । स एकाकी तत्र तत्र व्यचरत् । मार्गे पतितं
धान्यकणं स्वयमेव अखादत् । यूथपाय न किमपि आवेदयत् ।
कुत्रचित् एकः शकटः धान्यमूतानि सप्ताष्टानि वहन् मार्गे तेन
दृष्टः । तं अनुपतन् सः ग्रामं विशन्तं तं अपश्यत् । मूतानि
शकटात् अवरोपितानि ।

तदा किञ्चन मूतं शिथिलबन्धनं बभूव । तस्मात् धान्यानि
बहिः मार्गे न्यपतन् । शकटचालकः तत् न अविदत् । मूतानि
अवरोपितानि दृष्ट्वा सः शकटं ततः निरगमयत् । स्वार्थी काकः
एतत् आत्मनः भाग्यं मेने । स यूथपाय एतत् न न्यवेदयत् ।

“मह्यं एकस्मै एव सर्वं एतत् । यदि कश्चिदन्यः
सयूथ्यः एतत्पश्येत् , यूथपाय निवेदयेत् । यथा अन्ये अत्र
नागच्छेयुः , तथा विधेयं ” इति निश्चित्य यूथपं उपागच्छत् ।

“स्वामिन् ! नेदीयसि ग्रामे धान्यागारः कश्चन आस्ते ।
तस्य द्वारे धान्यकणाः विकीर्णाः । यदा अहं तत्र अगच्छं,
कृषकः लगुडेन मां ताडयितुं आरब्धवान् । स रात्रिन्दिवं
जागरूकः पालयति तं अगारम् । विश्रामाय यदा गच्छति ,

तत्स्थाने कश्चन अन्यः तं अगारं पालयति । काकविषमपि धूलिभिः मिश्रितं विकीर्णं इति जना वदन्ति । ततः तत्र न गन्तव्यं इति मे मतिः । श्रुत्वा देवः प्रमाणं ” इति सविनयं अवदत् । यूथपः तत् श्रुत्वा सर्वानपि तान् आदिशत् , तत्र न गन्तव्यं इति ।

मुदितः एष स्वार्थी काकः गुप्तं यथा तथा स्वयं तत्र गत्वा यथेष्टं धान्यकणान् अखादत् विनैव कमपि उपरोधम् । अत्यशनात् अलसः शकटमार्गे एव सुप्तः , रात्रौ केनापि मन्दं मन्दं गच्छता शकटेन पेषितः अभ्रियत ।

अन्ये काकाः तं अनागतं वीक्ष्य तस्य अन्वेषणाय इतस्ततः अगच्छन् । पथि तं मृतं आलोक्य यूथपाय न्यवेदयन् । “ अहो बुभुक्षया विकलो वा सुप्तो वा ? कदाचित् शकटागमनमेव एष न अजानाद् वा ? यदि द्वित्राः गच्छेम, अन्योन्यं जागरणं सुकरं स्यात् । अयमेकाकी आगतः । अतः इतः परं एकाकी क्षुधितः न विचरेत् । आहारे दृष्टमात्र एव, सर्वान् स्वकीयान् का केति आह्वयेत् । ततः लब्धं यथायथं सम्भूय एव सर्वे खादेयुः । एकाकी न भुञ्जीयात् ” इति सर्वानादिशत् श्वेतवाहनः । ततः परं काकाः यदि आहारादिकं पश्येयुः, तर्हि काकेति सर्वान् आमन्त्रयेयुः । सर्वे यदा समवेताः , ततः खाद्यग्रहणाय भूमिं गच्छेयुः । “ एकः स्वादु न भुञ्जीत ” इत्येतदनुशासनं काकैः उक्तं इति वृद्धाः वदेयुः ॥

स्वादु = Sweet, ज्ञायेत = Known, भोजनं प्राप्तकालं यदि = If the time of food has arrived, इष्टः =

Loveable, अनुशास्ति = Emphasizes, अनावृष्टिः = drought, खाद्यं = Food, मृग्यं = to be sought, दिष्ट्या = Unexpectedly, Luckily, सस्यलानि- filled with grains, परिचितः = Familiar, दृश्यं = Scene, हरितं = Green, परिचितः = familiar, सस्यभूयिष्ठं = filled with grains. क्षेत्रं = field, ईतिबाधा = Natural disaster, अवाकिरन् = spread, प्रैरयत् = sent, भ्रमत = roam, परापतत = run back, भुञ्जीत = eat, परिपाल्यः = fit to be protected. स्वार्थपरः - centered on ones own deals, मूतं = baggage, सप्ताष्टानि = 7 or 8, अनुपतन् = flying behind, विशन्तं = entering, अवरोपितं = brought down, शकटचालकः = Driver, शिथिलबन्धनं = unbound, अविदत् = felt, निरगमयत् = brought forth, सयूध्यः = belonging to the same class, निश्चित्य = having determined, नेदीयसि = very near, धान्यागारः = granery, लगुडं = stick, जागरूकः = awake, विश्रामाय = for rest, काक (मारि)विषं = poison that kills crows, धूलिः = dust. विकीर्णं = strew, श्रुत्वा देवः प्रमाणं = on hearing, let the master decide, मुदितः = joyful, गुप्तं यथा तथा = secretly, उपरोधः = impediment, अत्यशनं = excessive eating पेषितः = ground, अम्रियत = died, अलसः = lazy, सुप्तः = sleeping, विकलः = Loosend, अजानात् = felt, द्वित्राः = 2-3 persons, अन्वेषणं = searching, बुभुक्षा = hunger, जागरणं = caution, सुकरं = easily accomplished, क्षुधितः - hungry man, दृष्टमात्रे = just on seeing.

वृत्तिः वृत्तिकृत् च ।

The work and worker.

पलगण्डः, लेपकः- one who paints walls.

तुन्नवायः, सौचिकः- Tailor.

असिधावकः, शस्त्रमार्जः One who sharpens knives.

धावनं- Sharpening.

देवाजीवः, देवलः, अर्चकः - Temple priest.

आपणिकः- Shop keeper.

वणिक्- Merchant.

विक्रयिकः- Trader.

तक्षा, तक्षकः, वर्धकिः, काष्ठतट्, काष्ठतक्षः - Carpenter.

तक्षणं- Carpentry.

रजकः, धावकः, निर्णेजकः - Launderer/Washerman,

रजकी, रजकवधूः- Washerwoman,

धावनं, क्षालनं, शोधनं, निर्णेजनं, मार्जनं- Washing cloths.

नापितः, वापकः, क्षुरकः, क्षुरी, मुण्डी - Barber.

केशसाधकः, केशरचयिता- Hair dresser,

केशसाधना, केशरचना- Hairdressing.

मुण्डनं- Tonsuring.

तन्तुवायः, कुविन्दः, पटकारः - Weaver.

ऊतिः- Woof, व्यूतिः- Weavers warp.

पटकर्म, वायनं, वाणिः, व्यूतिः - Weaving.

उत्सारकः- One who disperses the croud,

क्षत्ता, सूतः, Horsedriver.

शौण्डिकः, मण्डहारकः, कल्यपालः- Brewery men.

त्रिंशः पाठः Lesson 30

Cardinal and ordinal numbers. (1)

In continuation of lesson No. 8

| | पुं | स्त्री | नपुं |
|---------|----------|----------|-----------|
| First | प्रथमः | प्रथमा | प्रथमम् |
| Second | द्वितीयः | द्वितीया | द्वितीयम् |
| Third | तृतीयः | तृतीया | तृतीयम् |
| Fourth | चतुर्थः | चतुर्थी | चतुर्थम् |
| Fifth | पञ्चमः | पञ्चमी | पञ्चमम् |
| Sixth | षष्ठः | षष्ठी | षष्ठम् |
| Seventh | सप्तमः | सप्तमी | सप्तमम् |
| Eighth | अष्टमः | अष्टमी | अष्टमम् |
| Ninth | नवमः | नवमी | नवमम् |
| Tenth | दशमः | दशमी | दशमम् |

Study the following sentences.

तव मम च द्वे नेत्रे, द्वौ हस्तौ, द्वौ कर्णौ, द्वौ पादौ, एका नासिका च।

You and I have (for you and I, there are) two eyes, two hands, two ears, two legs and a nose.

वामे हस्ते दक्षिणे हस्ते च पञ्च पञ्च अङ्गुलयः।

In the left hand and right hand, (there are) five five fingers.

अङ्गुलिषु प्रथमा ह्रस्वा स्थूला च भवति। तस्य अङ्गुष्ठः इति नाम।

Of the fingers, the first one is short and stout. It is called "angushtha" (thumb).

द्वितीया तर्जनी नाम । सा दीर्घा ।

The second one is "Tarjani" (Index finger). It is long.

तृतीया मध्यमा नाम । सा अंगुलिषु मध्यमा, दीर्घतमा च ।

The third one is "Madhyama" (middle finger). It is the middle one among fingers. It is the longest.

चतुर्थी अनामिका नाम । सा तर्जनी इव दीर्घा, परं ईषत् तनुः ।

The fourth one is "Anamika" (ring finger). It is long like the index finger but a little leaner.

पञ्चमी कनिष्ठिका नाम । सा सर्वाभ्यः अंगुलिभ्यः तनुः ह्रस्वा च ।

The fifth one is "kanisthika". It is the leanest and shortest among the fingers.

वामे पादे दक्षिणे पादे च तथैव पञ्च अंगुलयः । तासु अपि प्रथमा स्थूला, द्वितीया तृतीया चतुर्थी पञ्चमी च क्रमेण प्रथमां अपेक्ष्य तनवो भवन्ति ।

In the left leg and the right leg also there are five fingers each. Among them also, first one is stout, the second, third, fourth and fifth one are leaner than the first one.

परं हस्तयोः अंगुलीः अपेक्ष्य पादयोः अंगुलयः ह्रस्वाः एव ।

But the fingers in the legs are shorter than the fingers in the hands.

ब्रह्मणः चत्वारि मुखानि अष्टौ नेत्राणि, अष्टौ कर्णाः चतस्रो नासिकाः द्वौ पादौ, चत्वारः हस्ताः ।

Brahma has four faces, eight eyes, eight ears, four noses, two legs and four arms.

सुब्रह्मण्यस्य षट् मुखानि, द्वादश नेत्राणि, द्वादश कर्णाः, षट्
नासिकाः द्वौ पादौ, द्वादश भुजाः च सन्ति ।

Subrahmanya has six faces, twelve eyes, six noses,
two legs and twelve arms.

विनायकः एकेन मुखेन द्वाभ्यां नेत्राभ्यां द्वाभ्यां कर्णाभ्यां
पञ्चभिः हस्तैः च विराजते । गजस्य इव तस्य मुखे दीर्घा
शुण्डा भवति । सा तस्य पञ्चमः हस्तः ।

Vinayaka shines with one face, two eyes, two ears
and five hands. He has long trunk on his face
like an elephant. It is his fifth hand.

दिशाः चतस्रः । प्रातः सूर्यं पश्यन् तिष्ठ । तव पुरतः प्राची
दिशा । तव दक्षिणे, दक्षिणा दिशा । तव पृष्ठे प्रतीची
दिशा । तव वामे उदीची दिशा ।

The directions are four (in number). Stand facing the
sun in the morning. To your front is the East.
To your back is the west. To your right is the
south and to your left is the north.

भूतानि पञ्च, पृथिवी, जलं, अग्निः, वायुः, आकाश इति ।

The elements are five (in number), earth, water, fire,
wind and space.

मम कुटुम्बे वयं अष्टौ भवामः । मम पितरौ, सोदरौ, सोदर्यः
तिस्रः, अहं च ।

We are eight in our family. My parents, two brothers,
three sisters and myself.

मम सोदरीषु सीता मम अग्रजा, अन्ये द्वे मम अनुजे राधा
शान्ता च ।

Among my sisters, Sita is elder to me, the other two,
Radha and Santa are younger.

मम गेहे चत्वारः अपवरकाः। तत्र प्रथमः विश्रामकक्षः। द्वितीयः
पुंसां शयनकक्षः। तृतीयः स्त्रीणां शयनकक्षः। चतुर्थः
अपवरकः पाकशाला भवति।

There are four rooms in my house. The first one is
retiring room, the second is a bed- room for
men, the third one is the bed - room for woman.
The fourth one is the Kitchen.

विश्रामकक्षस्य द्वे द्वारे। ते वितते। तत्र त्रीणि महान्ति वातायनानि
च सन्ति।

In the retiring room there are two doors. They are
wide. There are three windows.

संख्याः - Numbers 2

Note the corresponding terms for "one by one
in pairs' "in threes' etc. They are got by adding शः
with the actual number. They are indeclinables.

एकशः, द्विशः, त्रिशः, चतुःशः, पञ्चशः, षट्शः, सप्तशः,
अष्टशः, नवशः, दशशः

एतानि फलानि त्रिशः विभज।

Divide these fruits in threes.

माणवकाः पञ्चशः समवेताः तिष्ठन्ति।

The students stand in groups of five. To divide an
object or group into a particular set, the particle धा is
added. Note that (षट्+धा) becomes (षोढा).

फलानि त्रिधा विभज। एकं अस्मै देहि, तत् तस्मै देहि। तृतीयं
एतस्मै देहि।

Divide the fruits into threes. Give one to this man.
Give the other to him. Give the third one to the
other man.

See the equivalents for once, twice etc. Note that we
have two sets of forms.

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| Once | एकवारं, | सकृत् |
| Twice | द्विवारं, | द्विः |
| Thrice | त्रिवारं, | त्रिः |
| Four times | चतुर्वारं | चतुः |
| Five times | पञ्चवारं | पञ्चकृत्वः |
| Six times | षड्वारं | षट्कृत्वः |
| Seven times | सप्तवारं | सप्तकृत्वः |
| Eight times | अष्टवारं | अष्टकृत्वः |
| Nine times | नववारं | नवकृत्वः |
| Ten times | दशवारं | दशकृत्वः |

Note that except for the first four numbers
the term कृत्वः is added in the second set.

घटिकाहरः षड्वारं नदति ।

The clock sounds six times.

रामः त्रिवारं (त्रिः) भुङ्के ।

Rama eats thrice.

Note that some numbers denote certain conventional
meanings.

सुमित्रा दशरथस्य द्वितीया द्वितीया ।

Sumitra is Dasaratha's second wife.

For everyone, self comes first. Next comes the wife. Hence the wife is called "Second", similar to the expression "Better half" in English.

Normally the days after the full moon or the new moon are referred to as प्रथमा तिथिः the first day, द्वितीया तिथिः the second day etc., Instead we simply say प्रथमा, द्वितीया etc.

शुक्लचतुर्थ्यां विनायकं पूजयन्ति ।

On the fourth day of the bright fort-night Vinayaka is worshipped.

विजयदशम्यां देवीपूजा समाप्तिं गच्छति ।

On the tenth day called Vijaya Dasami, Mother worship comes to a conclusion

The words शतं and सहस्रं refer to 100 and 1000 respectively. Yet, in day to day speech these numbers are used to refer to a large number.

शरदः शतं जीव ।

May you live for hundred years.

सहस्रं समाः गताः अशोकस्य शासनात्परम् ।

A thousand years elapsed after Asoka's rule.

प्रथमः अनुबन्धः

भाषणे संस्कृतम् । (१)

Appendix - 1

जात ! शयनात् उत्थितो वा ?

Child, have you got up from the bed ?

आं मातः ! इतः एषः आगच्छामि ।

Yes mother, I am coming.

दन्ताः शोधिता वा ? (दन्तान् अशोधयः किम् ?)

Have you cleaned the teeth ?

दन्तलेपिन्या अधुनैव शोधितवान् अस्मि । (अशोधयम्)

Yes, just now I cleaned my teeth with tooth-paste.

मुखं क्षालितं वा ? तर्हि आगच्छ, क्षीरं सशर्करं सज्जम् । पिब ।

अन्यथा तत् शीतं भवेत् ।

Has the face been washed ? Then come, milk with sugar is ready. Drink. Otherwise it will become cold.

मातः ! क्षीरं अद्य मास्तु । काफीं पिबामि ।

Mother, No milk to-day, please, I drink coffee.

अस्तु, काफीं स्वीकुरु । शीघ्रं स्नाहि ।

All right, take coffee. Bathe quickly.

मातः ! रामः त्वरते । स एव प्रथमं स्नानं करोतु । (स्नातु)

Mother, Rama is hurrying. Let him take bath first.

त्वमपि शीघ्रं स्नाहि । पठनाय विलम्बः भवति । अस्तु, कञ्चुकं

आप्रपदीनं, अन्यत् सर्वं सज्जं वा ?

You may also take bath quickly. It is getting late to study. Ok, things like shirt and pants are ready?

सर्वं पूर्वेद्युः रात्रावेव अहं सज्जं कृतवान् ।

I got ready all those things last night itself.

अधोरोकं, अन्तर्युतकं च फेनशोधिन्या लिप्ते । कृपया ते क्षालय,

शोषय, तापेन निर्वलीकं कुरु ।

The half pant and the banian are applied with soap. Please wash them, dry them and make them shrinkless by ironing.

सायं क्रीडाकाले ते उपयोज्ये ।

Both of them will be useful for the evening play time.

अम्ब, समयः अत्येति । अनुमन्यस्व । विद्याशालां गच्छामि ।

Mother, time is up. Permit me. I shall go to school.

समयो ऽस्ति । मा त्वरस्व । गमने आगमने च जागरूको भव ।

There is time. Do not hurry up. Be careful while going and coming.

स्वस्ति गच्छामि ।

Fine, I am going

वत्स ! सायं विद्याशालातः साक्षात् इह आगच्छ । मध्ये मा विलम्बं कुरु ।

Child Come here direct from the school in the evening.

Do not delay in the middle.

सायमाशं सज्जं करोमि । तत् भुक्त्वा अनन्तरं क्रीडायै गच्छ ।

I shall make ready the evening tiffin, After eating it you may go for play.

मध्याह्ने अनुजं पश्य ।

See your younger brother in the afternoon.

तस्य हस्ते लघ्वाशः दत्तः । पानाय नीरमपि दत्तम् । स भोक्तुं न जानाति । उपकुरु ।

Tiffin has been given in his hands. Water for drinking has also been given. He does not know how to eat. Help him.

भाषणे संस्कृतम् (२)

Translate into English.

- किं तव नाम ?
- मम नाम माधवः ।
- किं तव पितुः नाम ?
- विश्वेश्वरः इति तं कथयन्ति ।
- किं तव जन्मस्थानम् ? कुत्र तत् वर्तते ?
- श्रीरङ्गं मे जन्मभूमिः । त्रिशिरःपुरस्य समीपे तत् वर्तते ।
- तव गृहे के के सन्ति ? भ्राता भगिनी च विद्येते वा ?
- मम गृहे माता-पिता, त्रयः भ्रातरः , एका अविवाहिता अग्रजा च विद्यन्ते । भ्रातृषु एकः ज्येष्ठः विवाहितः ।
- किं तव वयः ?
- मम वयः चतुर्दश वत्सराः । विजयदशमीतः पञ्चदशे वयसि पदं निदधामि ।
- कुत्र ते वासः ?
- त्रिशिपुरे आण्डार् वीथ्याम् ।
- कस्मिन् विद्यालये पठसि ? कस्यां कक्ष्यायाम् ?
- विजयाविद्यालये पठामि । नवम्यां कक्ष्यायाम् ।
- ज्येष्ठो भ्राता विवाहितः इति अवदः किल ? किं सः उद्युक्तः ?
कुत्र ?
- विवाहितो ज्येष्ठः टङ्कनकलां अध्यापयति, अस्माकं गृहे एव ।
- तव कक्ष्यायां कति माणवकाः पठन्ति ?
- कक्ष्यायां, 'अ' वर्गे पठामि । तत्रापि उपशतं माणवकाः पठन्ति ।

- प्रतिवर्गं शतं माणवका वा ? कुतः ईदृशः सङ्घातः ?
- अद्यत्वे पिपठिषवः बहवः । विद्याशालाः सङ्ख्यायां न्यूनाः ।
कथमपि सर्वे प्रवेशं वाञ्छन्ति । तथा प्रयत्नं कुर्वन्ति, यथा
अधिकृताः न तान् उपेक्षेरन् ।
- अस्तु, पाठनं सम्यक् प्रचलति वा?
- प्रचलति । अध्यापकाः यथायथं श्राम्यन्ति । तथापि एकैकोऽपि
माणवः बोधितं सम्यक् अवधारयति वा इति परीक्षितुं
अध्यापकस्य न अवकाशः ।
- श्रम एव । एषा स्थितिः भूयसां विद्याशालानां उद्घाटनेन
कदाचित् अपगच्छेत् ।
- विद्याशालाः अधिकाः कल्पनीयाः । अध्यापकाः अपि
अधिकतया नियोक्तव्याः । तथा सकारः प्रयतेत इति आशंसे ।
- अस्तु, पुनः पश्यामि । पितरं मदर्थे अभिवादय ।

नाम-Name, कथयन्ति- they say, जन्मस्थानं- Birth place, भगिनी - Sister अविवाहिता-Un married girl, अग्रजा - Elder sister, विवाहिता- Married woman, वत्सराः -Years, पदं निदधामि- I step in, कक्ष्या- Class वर्गः- Section, उद्युक्तः- Employed, टङ्कनकला - Typewriting, अध्यापयति Teaches, उपशतं - nearly one hundred, प्रतिवर्गं- In every section, सङ्घातः- Cramp, पिपठिषवः-Those wishing to study, सङ्ख्यायां- In number, न्यूनाः- Less, प्रवेशः- Admission, वाञ्छन्ति- Desire, प्रयत्नं- Effort, अधिकृताः- Administrators न उपेक्षेरन्- do not neglect, पाठनं- teaching, यथायथं- as it should be, श्राम्यन्ति- strive, बोधितं- What is

taught, अवधारयति- Understands, परीक्षितुं- to test,
 अवकाशः- Chance, time, भूयसां- More in number,
 उद्घाटनं- Opening, अपगच्छेत्- Disappear, नियोक्तव्याः-
 to be employed, सरकारः- Government, प्रयतेत- Try,
 आशंसे - I expect, मदर्थे - for my sake, अभिवादय- Salute.

भाषणे संस्कृतम् (३)

Translate into English.

- अये वयस्य ! सुदिनम् !
- सुदिनं मित्र !
- क्रीडाक्षेत्रात् आगच्छसि वा ?
- आम् । कथं त्वया ज्ञातम् ?
- धूलीभिः धूसरितं ते मुखम् । श्रान्तः असि ।
- आम् । अद्य द्वे होरे यावत् मया क्रीडितम् । तत्रापि शिष्यकन्दुकक्रीडा सञ्चालिता । अनारतं धावनेन ईषत् श्रान्तः अस्मि ।
- त्वं प्रतिदिनं एवं खेलसि वा ?
- न न । विरामदिनेषु एवं क्रीडामि ।
- सायं आशः स्वीकृतो वा ?
- विद्याशालातः गृहं गतवान् । तत्र सायमाशः सज्जः अभवत् । तं खादित्वा क्रीडाङ्गणं अगच्छम् ।
- अस्तु । कदा ते पठनाय अवकाशः ?
- सायं सप्तवादनात् नववादन पर्यन्तं, प्रत्यूषे पञ्चवादनात् सप्तवादनपर्यन्तं पठामि । पठनाय पर्याप्तः अवकाशः ।

- कदा शयनं भजसे ?
- रात्रौ नववादनतः प्रत्यूषे पञ्चवादनं यावत् स्वपिमि । प्रत्यूषे एव मे माता मां जागरयति । दन्तान् संशोध्य मुखं क्षालयित्वा देवं प्रणमामि । ततः पठनं करोमि ।
- नियते काले पठसि ? उचिते समये शयनाय गच्छसि । प्रत्यूषे एव शयनात् उत्थितः भवसि । श्लाघनीया ते दिनचर्या ।
- श्रान्तः अस्मि । गृहं गच्छामि । आपृच्छे पुनः दर्शनाय ।

क्रीडाक्षेत्रं- क्रीडाङ्गणं Play field, धूलीभिः धूसरितं- Covered with dust, श्रान्तः- tired, होरा- time, क्रीडितं - Played, शिष्य कन्दुक क्रीडा- Basketball, सञ्चालिता- Conducted, अनारतं- Without rest, धावनं- Running, विरामः - Rest, सायमाशः- Evening dinner, सप्तवादनात्- From 7'o clock, वादनं- (clock) striking, प्रत्यूषे- Early morning, पर्याप्तः- Sufficient, भजसे- Get, जागरयति- Wakes up, क्षालयित्वा- Having washed, नियते- Specified, उचिते- Appropriate, उत्थितः - Got up, श्लाघनीया- Appreciable, दिनचर्या- Daily routine, आपृच्छे- Take leave off.

भाषणे संस्कृतम् (४)

प्रातः कालः घटिकाहरः षड्वारं नदित्वा शान्तः । बालाः एतावता शयनीयेषु सुखं स्वपन्ति । माता तान् उत्थापयति ।
Early morning. The clock strikes six times and stops. The children are still sleeping well. The mother wakes them up.

- राम ! उत्तिष्ठ ।

Rama, get up

-मातः, एषः उत्थितः अस्मि।

Mother, I am getting up now.

-रमे जागृहि। शयनात् अपसर ? कालो गच्छति।

Ramaa, wake up. Get up from the bed. Time is up.

- अम्ब ! उत्थिता अहम् । क्षणं क्षमस्व ।

Mother, I have got up. Please bear with me for a minute.

- कृष्ण ! एतावता न उत्थितः असि। नेत्रे उन्मीलय। कालः अतीतः।

Krishna ! you have not got up yet ? Open your eyes. Time is up.

- अम्ब ! अहं स्वपिमि(निद्रामि)। उपरोधं मा कुरु।

Mother, I am sleeping, Do not disturb.

- अरे ! निद्रामि इति वदसि। अथापि भाषसे। मिथ्यैव किल ?

Fellow, you say you are sleeping, but you speak. Is it not a lie ?

- अम्ब ! दयां कुरु। अपसर ! मां निद्रातुं अनुमन्यस्व।

Mother, be compassionate, go away, allow me to sleep.

- अरे अलस ! मृषा नेत्रे मीलयन् असि। निमीलय। अन्यथा पितरं आह्वयेयम्।

Lazy fellow, you are closing your eyes in a feigned manner. Open (two eyes). Otherwise, I will tell father.

- अस्तु। पिता मां ताडयेत् इति भीषयसि। उत्थितः किं करिष्यामि ?

Let it be. You are threatening me that father will beat me. Having got up what am I going to do?

- प्रातःकाले शयनं दोषाय । उत्तिष्ठ ।

It is not good to sleep in the morning. Get up.

- अरे राम ! शयनीयानि उपधानानि तथैव सन्ति वा ? सर्वं तत् तत् तस्मिन् तस्मिन् स्थाने निवेशनीयम् । अरे तथा मा कुरु । तत् उपधानं आस्तरणे आवेष्ट्य परिष्कृत्य शयनीयस्थाने निधेहि ।

Yeh Raama ! the beds and the pillows are lying there ? keep all of them in their respective places. Yeh. do not do like that. Roll the pillow in the bedsheet, make it all right and keep it in the place where the bedding is kept.

- शयनात् उत्थापनाय इयान् कोलाहलो वा ?

Why is there so much of fuss in rising from the bed ?

- कदा वा स्वयमेव तत् तत् तदा तदा ज्ञास्यथ ।

When will you learn to do things, then and there, by yourselves?

- मातः ! मा कुप्य । सर्वं सम्यक् निहितम् । न किञ्चन विकीर्णम् ।

Mother, do not be angry. All things are kept well. Nothing is scattered.

भाषणे संस्कृतम् - (५)

- आगच्छन्तु । शौचागारे शौचं कुर्वन्तु । दन्तान् सम्यक् धावयन्तु । दन्तधावने न त्वरा कार्या । दन्तचूर्णं अत्र विद्यते । पिष्टी तु तत्र अस्ति । यावत् अपेक्षितं तावत् आदेयम् । किमपि न वृथा करणीयम् ।

Come. Have a wash in the toilet. Clean the teeth, well. There should be no hurry in cleaning the teeth. The tooth-powder is here. The paste is there. Take as much as required. Nothing should be wasted.

- दन्ताः शोधिता वा ! कूर्चिकाः सम्यक् प्रक्षालयत । मुखं जलेन आपूर्य गण्डूषं कुरुत । जिह्वां अङ्गुलीभिः निर्लिखत । अन्यथा आस्यात् दुर्गन्धः न अपेयात् ।

Have the teeth been cleaned ? Wash the brush. Fill the mouth with water and gargle. Clean the tongue with the fingers. Otherwise badsmell will come out of the mouth.

- वत्साः ! दन्ताः धाविताः वा ? मुखं क्षालितं वा ?

Children! have the teeth been cleaned? has the face been washed ?

- काफी, क्षीरं, यूषः इति पेयं सज्जम् । पिबत यथाकामम् ।
Coffee, milk, gruel - thus the drink is ready. Drink as you like.

- मातः ! मह्यं एतत् त्रयमपि न रोचते । क्षीरे बोर्नविटां विलाप्य देहि?

Mother, I do not like any of the three. Mix Bournvita in milk and give.

- अस्तु, ददामि । एतत् रोचते, तत् न रोचते इति न वक्तव्यम् । यत् अस्ति तत् पेयम् । वयं न धनिनः । आयः मितः । अतः व्यये अवहिता भवेम । अद्य यत् अस्ति ददामि । यदा न अस्ति तदा न शोकः कार्यः । अवधत्से वा ?

All right. I (will) give. You should not say that you like this, you dislike this. You must drink whatever

is available. We are not rich. Income is limited. Therefore, we will be careful about expenses. It is available today. I (will) give. When it is not available you should not grieve. Understood ?

- अम्ब ! क्षमस्व । क्षीरमेव पिबामि । न मे कोपः तापो वा ।
Mother, excuse (me). I (will) drink milk itself. No anger, no anguish against anything.
- (प्रातःकालः । सप्तमी होरा । माता शयनात् उत्थितेभ्यः बालेभ्यः प्रातः पानीयं ददाति । विद्यालय गमनाय तान् क्रमेण सज्जीकरोति) Morning 7 o' Clock. The mother gives morning drink to the children. She prepares them to go to school.
- (पिता गृहात् बहिः वेदिकायां उपविश्य वार्तापत्रिकां पठन् आस्ते । गृहस्य अन्तः सम्पद्यमानं सल्लापं शृणोति । मन्दं हसति)
The father is sitting outside the house on the platform, reading a newspaper. He is listening to the conversation taking place inside the house. He smiles gently.
- राम ! पितरं निवेदय । क्षीरपोटली न आगता । कुतः एवं इति विचारयतु ।
Ramaa ! tell father. The milk sachet has not arrived. Let him enquire, why so.
- अम्ब ! पिता वदति अद्य पोटलीवितरकः विरामं अनुभवति । वयमेव क्षीरवितरणिकां गत्वा साक्षात् आदातुं अहमिः ।
Mother ! father says, the milk sachet vendor is on leave today. We have to go to the milk depot and get it.

- पिता क्षीरवितरणिकां गत्व क्षीरपोटर्लीं आनयति ।
(The father goes to the milk depot and brings the milk sachet).

- अये ! मह्यं काफी सज्जा वा?
Aey ! is coffee ready for me ?

- क्षणं प्रतीक्षताम् । काफीफाण्टाय चूर्णं इदानीमेव चालिन्यां निहितं, उष्णोदकं च दत्तम् । पञ्चभिः-दशभिः निमेषैः फाण्टः सज्जः भवेत् । पूर्वं संहितः फाण्टः अवसितः ।

Please wait for a second. The coffee - powder is put into the stainer just now for decoction. The hot water is also poured. The decoction will be ready in 5 to 10 minutes. The decoction prepared earlier is exhausted.

- वत्साः ! स्नानं कुरुत । स्नानात् पूर्वं केशान् ईषत् तैलेन अभिमृशत । ततः स्नात । उष्णं उदकं सज्जम् । शीतं उदकं नलस्य अधः पाल्यां सज्जम् । एकैकशः स्नानागारं गच्छत ।
Children! bathe. Before bath apply some oil on the head. Then bathe. The hot water is ready. The cold water is in the bucket underneath the tap. Go to the bathroom one by one.

- अये ! भवानपि स्नानाय सज्जः भवतु । मास्तु कालातिपातः । कार्यालयाय प्रस्थानकाले संरम्भः भास्तु । भोजने त्वरा मास्तु ।

Yeh! You also get ready for bath. Do not postpone. Let there be no hurry while leaving for office. Let there be no hurry while eating.

अनुबन्धः द्वितीयः । Appendix -2

Each language has got its own specialities and peculiarities. Samskrit also has such grammatical pattern of its own. Some of the special features of samskrit are brought to the notice of students :

1. Gender in Samskrit does not depend upon meaning of a particular word. We have masculine, feminine and neuter gender words. But masculine words do not always refer to the male. For example, we have a word दाराः which means wife, but the word is in masculine gender and declined in plural only. The word मित्रं means a "friend" but it is a neuter gender word. It means both a boy friend as well as a girl friend. There is another word मित्रः (masc) which means the sun and not a friend. Even words referring to inanimate objects are assigned masculine or feminine gender. For example we have वृक्षः (masc) meaning tree and लता (fem) meaning a creeper. So, the students are advised to learn the gender also while learning the usage of a word and its meanings.
2. Some of the languages are inflectional while others are not. If the word itself undergoes a change or a modification while framing the case forms, it is called inflectional. In non - inflectional languages, the prepositions do the job of what the cases do in inflectional languages. For example the word राम becomes रामाय in dative case, meaning 'to Rama.' In English the Rama does not undergo any change. Only the preposition "to" is added to convey the meaning of the dative case. Another special feature

of Samskrit is that it has a dual number. Therefore, the students are advised to learn the declension of each word carefully.

3. One common feature between Samskrit and English is that there is no gender differentiation in the verbal forms of the III person, as contrasted from some of the languages like Tamil and Hindi. For example सः गच्छति - he goes, सा गच्छति - she goes and तत् गच्छति - it goes.
4. Some more of the special features of Samskrit have been pointed out in the course of the lessons. The students are advised to pay attention to these features as and when they learn the respective lessons and put them into practice. It may not matter much if there are a few flaws while speaking. But while putting it in black and white in written form, mistakes will become an eyesore. Therefore, the students are advised to practise writing flawless sentences in Samskrit.

अभ्यासः प्रथमः Exercise -1

आङ्गलपदानि संस्कृती कुरुत ।

Complete the sentences using Samskrit words for English words.

त्वं for a ball स्पृहयसि ।

माता to daughter फलं यच्छति ।

To you एतत् फलं रोते किम् ?

The cow for grass इतस्ततः चरति ।

माणवकः from school क्रीडाङ्गणं गच्छति ।

आचार्यः in Cauvery river स्नानं करोति ।

एतावत् पठनेन enough ।

गुरो ! Salute you (I) ।

गजाः pieces of sugarcane खादन्ति ।

करयोः ten fingers सन्ति ।

अभ्यासः द्वितीयः । Exercise - 2

उचितैः क्रिया शब्दैः पूरयत ।

Fill up the blanks with suitable verbal forms

कृष्णाय नवनीतं (रोचते) ।

ग्रामात् अहं—

रामुः संस्कृते भाषणं —

विद्यया विनयः—

अहं सिंहात्—

तृषितः जलं—

कृष्णः नद्यां—

नदीनां जलं रुचिरं—

रामः चक्षुभ्यां—

अभ्यासः तृतीयः Exercise - 3

नखरेखामध्ये दत्तं क्रियापदं उचितेन पुरुषवचनेन योजयत ।

Complete the sentences using appropriate case forms of the words given within brackets.

गुरुः अद्य द्वितीयं पाठं (बोध) (बोधयति) ।

अहं प्रतिदिनं मातरं (नम) ।

त्वं वने (विहर) ।

अद्य रामभागवतः गानमन्दिरे (गा) ।

अश्वः प्रयाणाय सज्जः (भव)

त्वं मोदकाय (स्पृह) ।

अहं रामाय (कुप) ।

मह्यं वृथा विवादः न (रोच) ।

हरिश्चन्द्रः असत्यवचनात् (जुगुप्) ।

वने मृगाः भयं विना (चर) ।

अभ्यासः चतुर्थः Exercise - 4

दत्तानि क्रियापदानि योजयित्वा वाक्यानि रचयत ।

(1) Frame sentences using the verb-forms given below

चरति, आगच्छति, आनयसि, आहरामि, वदति, अवतरति
भाषते, लिहसि, प्रभवति, नमामि ।

आङ्गल भाषायां अर्थं ब्रूत ।

Give the meaning in English.

अध्यापकः, गुरौ, पत्रात्, कदाचित्, तृषितस्य, स्वसा, जनकेन,
लेखिन्या, अश्वेभ्यः, प्रायः

संस्कृते अनुवदत ।

Give the Sanskrit equivalents.

Garden, black, jam fruit, bus, by two ears, I do not
like, peacock, from us, you are angry, to you, with
him.

अभ्यासः पञ्चमः । Exercise - 5

अधो दत्तानां शब्दानां निर्दिष्टासु विभक्तिषु रूपाणि दत्त । अर्थं
च लिखत ।

Give the required case forms of the following words
and give the meanings also.

(१) युष्मत् (त्वं) चतुर्थी, (२) गौरी - पञ्चमी, (३) रमा - तृतीया, (४) वारि- चतुर्थी, (५) उदकं- षष्ठी, (६) आकाशः- सप्तमी, (७) प्रजा- चतुर्थी, (८) धनं- द्वितीया, (९) मृत्तिका- तृतीया, (१०) विद्या- पञ्चमी ।

अभ्यासः षष्ठः । Exercise - 6

अधो दत्तेषु वाक्येषु नखरेखामध्ये पतितानि पदानि उचितायां विभक्तौ निवेशयत ।

Complete the sentences by giving the appropriate case forms of the words given within the brackets

अहं प्रातः (सूर्य) वन्दे ।

नृपतिः युद्धे (शत्रु) जयति ।

मम शिक्षकः (अस्मत्) व्यायामं बोधयति ।

बालकः दन्तैः (शष्कुली) खादति ।

बिडालकः (मूषक) अनुधावति ।

(गिरि) निकषा नदी प्रवहति ।

माता (वाम) हस्तेन बालं आलिङ्गति ।

(दुष्ट) बालं गुरुः शिक्षयति ।

(राम) विना लक्ष्मणः कदापि न गच्छति ।

गोपालः धेनुं (दण्ड) ताडयति ।

अभ्यासः सप्तमः । Exercise - 7

संस्कृते अनुवदत *Translate into Samskrit.*

Anger arises from desire. I am looking at the street from the balcony. Harming others leads to sin. I salute my father and mother. I buy fruits for giving

them to the students. That book is there in front of you. Why are you grieving like this? Do not run fast. Mahatma Gandhi sacrificed everything for the sake of the Nation. Bharati is great among men.

अभ्यासः अष्टमः Exercise - 8

आङ्गल्यां अनुवदत । *Translate into English*

आर्य ! स्वागतम् । उपविशतु भवान् ।

अहं पठने निपुणा भवामि ?

कपिः वेगेन उत्पतति ।

उद्यमेन सर्वे अर्थाः सिध्यन्ति ।

मृगाः मृगैः सह चरन्ति , एवं नराः नरैः सह चरन्ति ।

धेनोः दुग्धं स्वादु, अतः बाल ! शीघ्रं पिब ।

आचार्य ! वयं चत्वारः गणितं पठामः , भवान् सम्यक् बोधयतु ।

धर्मस्य हेतोः रामः वनं अगच्छत् । सीता अपि तं अन्वगच्छत् ।

पत्रप्रेषालयस्य पुरतः मम गृहं अस्ति ।

पदानां अर्थं दत्त । *Give the meanings in English*

मानवेन, अस्मभ्यं , क्षुधया, अतिपरिचयः,
वित्तागारः, खाद्यं, उपरिष्ठात्, रक्षागारः, तरणिः. आविलं,
सङ्गच्छते, निरामयं , सन्ध्यायां, दुह्यमानासु, आसन्ना,
अत्यर्थं, आसक्ता, धूर्ततमः, कीलकम्, मधुरतमम् ।

संस्कृते अनुवदत । *Translate into Samskrit*

When they blossom, by those causing injury,
in the ball - play, forest - animals, sports - man, praise,
before you, servant, balcony, gets angry, buys, beans,
people, gift, mendicant, gambler, goldsmith,
shopkeeper, weaver, tongue.

अभ्यासः-नवमः Exercise - 9

अधो निर्दिष्टैः पदैः अन्वितानि वाक्यानि रचयत । अर्थं ब्रूत ।

Form sentences with the following words and give the meaning.

पितरं, मातृभिः, स्वस्रे, दुहित्रा, नेतारं, दातारं, याचितारः, उपदेष्टा, विद्यादात्रे, भर्तुः ।

अभ्यासः-दशमः - Exercise -10

नखरेखामध्यगताति पदानि उचितया विभक्त्या उचितेन वचनेन योजयत ।

Fill up with suitable case forms of the words given with in the brackets.

अहं (पितृ) आज्ञया ग्रामं अगच्छम् ।

(दातृ) याचकाः उपगच्छन्ति ।

वत्सः (मातृ) अन्वधावत् ।

कृष्णस्य (स्वसृ) सुभद्रां अर्जुनः पर्यणयत् ।

जनैः निर्वाचिताः अद्यत्वे देशस्य (शास्त्र) भवन्ति ।

रामेण सहितः सुग्रीवः (भ्रातृ) वालिनं युद्धाय आह्वयत् ।

तौ (भ्रातृ) वृद्धं (पितृ) प्राणमताम् ।

(भ्रातृ) सुग्रीवाय वाली अद्रुह्यत् ।

(मातृ) लालितः शिशुः सुखं स्वपिति ।

अहं (होतृ) विप्राय दक्षिणां यच्छामि ।

अभ्यासः एकादशः Exercise - 11

आङ्गल्यां अनुवदत । Translate into English :

राजा होत्रे दक्षिणां यच्छति ।

शास्तारः जनान् धर्म्ये मार्गे नियच्छन्ति ।
 जामातरं श्वशुरः प्रियेण उपहारेण अभिनन्दयति ।
 भ्रात्रा सह लक्ष्मणः वनं अगच्छत् ।
 धाता ब्रह्मा यथापूर्वं इमं लोकं असृजत् ।
 मात्रे यशोदायै कृष्णः मोदं अवर्धयत् ।
 दुहितरं राधां वृषभानुः अन्वनयत् ।
 दातुः धनिकात् महत् धनं याचकः प्रतीक्षते ।
 भ्राता भ्रात्रा सह न विवदति ।
 याता ननान्दा स्वसा इति मे बह्वचः उपकर्त्र्यः ।

अभ्यासः द्वादशः Exercise - 12

अधो निर्दिष्टेषु विशेषणेषु विशेष्येषु च विभक्ति वचने न निर्दिष्टे ।
 युक्ताभ्यां विभक्ति वचनाभ्यां योजयत ।

Fill the blanks with suitable adjectival endings or appropriate noun forms.

मधुरान् शब्द । हिंस्र मृगाणाम् । काण - नारी । परुष -
 वचनेन । मूकाय बाल । कठिने शयन । सुरभीणि पुष्प । वृद्धाय
 गुरु । धनिक - नरेभ्यः । चतुर - भाषणेन । निपुण - पण्डितेषु ।
 सिकतिला - भूमौ । पूति - प्रदेशः । रिक्तायां पेटी । पूर्ण -
 हृदयम् । मूल्याय अल्प । अधिक - वेगस्य । विरलं देश । मृदु -
 शयने । शान्त - आश्रमपदम् ।

अभ्यासः त्रयोदशः १३ Exercise - 13

अधः केचन विशेषण प्रयोगाः दत्ताः । तेषु ये समाने लिङ्गे समानायां
 विभक्तौ समाने वचने न सन्ति, तान् परिशोध्य साधून् प्रयोगान्
 दत्त ।

Correct the adjectival forms that are appended to the nouns concerned

निपुणाभ्यां बालेभ्यः । चतुरया रामेण । उष्णेन जलेन ।
शीतलेन वायवे । अन्धः नारी । अल्पं मूल्यम् । दीनेन
बालेन । वृद्धेभ्यः नारीभ्यः । दरिद्राय माणवकाभ्यां । उन्नते
पर्वतेषु । उत्तमे कुले । आढ्ये तस्मात् कृशैः बालाभिः । मृदुला
भूमिः । मधुरं जलं । अधिकेन हिमैः । रिक्तां पेटीम् । स्थूलेन
दण्डाभ्यां । विरलेषु धनिके । मधुरं इक्षुरसः । नीलं आकाशः ।
रक्तः सूर्यः । हरितं तृणानि । शान्तं गृहम् । दयालुः हरिः ।

Key to the Exercises

The answers to the exercises are given below. Check your answers.

अभ्यासः प्रथमः । Exercise - 1

कन्दुकाय , तनयायै (पुत्र्यै) , तुभ्यं, गौः(धेनुः), तृणाय,
विद्यालयात् (पाठशालायाः), कावेर्यां नद्यां, अलं, भवन्तं
(त्वां), नमामि, इक्षुखण्डान्, दश अङ्गुल्यः ।

अभ्यासः द्वितीयः । Exercise - 2

रोचते, आगच्छामि, करोति, वर्धते (जायते), बिभेमि, पिबति,
स्नाति, भवति, पश्यति ।

अभ्यासः तृतीयः । Exercise - 3

बोधयति, नमामि, विहरसि, गायति, भवति, स्पृहयामि,
कुप्यामि, रोचते, जुगुप्सते, चरन्ति ।

अभ्यासः चतुर्थः । Exercise 4

1. गजः वने चरति । बाला गृहात् पाठशालां आगच्छति । त्वं पुस्तकं आनयसि । अहं कूपात् जलं आहरामि । सः सत्यं वदति । रामः गिरेः अवतरति । रामः मया सह भाषते । त्वं पायसं लिहसि । सः लेखनाय प्रभवति (गिरेः नदी प्रभवति) । अहं गुरुं नमामि ।

The teacher, in the preceptor, from the letter, sometime, to one with thirst, sister, with father, by pen, for the sake of horses, generally.

2. उद्यानं, जम्बूफलं, महोन्दुः, कर्णाभ्यां, न रोचते, मयूरः, अस्मभ्यं, कुप्यसि, तव (ते, तुभ्यं), तस्मिन् ।

अभ्यासः पञ्चमः Exercise-5

| | | |
|-----------|---------------|---------------|
| तुभ्यं-ते | युवाभ्यां-वां | युष्मभ्यं- वः |
| गौर्याः | गौरीभ्यां | गौरीभ्यः |
| रमया | रमाभ्यां | रमाभिः |
| वारिणे | वारिभ्यां | वारिभ्यः |
| उदकस्य | उदकयोः | उदकानां |
| आकाशे | आकाशयोः | आकाशेषु |
| प्रजायै | प्रजाभ्यां | प्रजाभ्यः |
| धनं | धने | धनानि |
| मृत्तिकया | मृत्तिकाभ्यां | मृत्तिकाभिः |
| विद्यायाः | विद्याभ्यां | विद्याभ्यः |

अभ्यासः षष्ठः । Exercise-6

सूर्यं, शत्रुं (शत्रून्), मह्यं (अस्मभ्यं), शङ्कुलीं, मूषकं, गिरिं,
वामेन, दुष्टं, रामं, दण्डेन ।

अभ्यासः सप्तमः । Exercise-7

कोपः कामात् जयते । अहं प्रासादात् वीर्यं पश्यामि ।
परेषां पीडनं पापाय भवति । अहं मातरं पितरं च नमामि ।
माणवकेभ्यः वितरणाय फलानि क्रीणामि । तव पुरतः (पुरस्तात्)
तत् पुस्तकं विद्यते । त्वं कस्य हेतोः (किमर्थं) एवं शोचसि ?
वेगेन मा धाव । देशस्य अर्थे महात्मा गान्धी सर्वमपि अत्यजत् ।
मनुष्येषु भारती उत्तमः ।

अभ्यासः अष्टमः । Exercise-8

Sir, welcome, please sit down. I am an expert
in cooking. The monkey runs fast. All things are got
by effort. The deers move with the deers. Likewise,
men move with men. The cow's milk is sweet,
therefore, child, drink quickly. Teacher, we four study
mathematics. May you teach well. Rama went to
forest for (up the holding) virtue. Sita also followed
him. Your house is opposite to the post office.

By man, for us, by hunger, well acquainted,
bank, foodstuff, above, security home, ship, dirty
(water), unites, absence of disease, at twilight, among
those that are milked, brought near, expensive,
engrossed in, very mischievous, brain, very sweet

विकसति सति, अपकारिभिः, कन्दुकक्रीडायां, वन्याः मृगाः
(श्वापदाः), क्रीडावीरः, प्रशंसा(पुरस्कारः), तव पुरतः, सेवकः

(भृत्यः, कर्मकारः), प्रासादः, कुप्यति, क्रीणाति, माषः, प्रजाः,
दानं, यतिः, कितवः, स्वर्णकारः, आपणिकः, तन्तुवायः,
जिह्वा ।

अभ्यासः नवमः । Exercise-9

त्वं पितरं नम । रामः मातृभिः तिसृभिः आशिषा
योजितः । कृष्णः स्वस्रे सुभद्रायै आभरणं अयच्छत् । जनकः
दुहित्रा सीतया सह सभां आगच्छत् । जनः उत्तमं नेतारं अनुसरति ।
दीनः मनस्विनं दातारं याचते । याचितारः दत्तेन अल्पेन न
तुष्यन्ति । उपदेष्टा शिष्याय हितं उपदिशति । विद्यादाने भवते
नमः । भर्तुः प्रियं प्रिया पत्नी काङ्क्षते ।

अभ्यासः दशमः । Exercise-10

पितुः, दातारं, मातरं, स्वसारं, शास्तारः, भ्रातरं, भ्रातरौ,
पितरं, भ्रात्रे, मात्रा, होत्रे ।

अभ्यासः एकादशः । Exercise-11

The king is giving gift to the performers of the
sacrifice.

The rulers control the people through the rules of
virtue.

The father-in-law pleases the son-in-law by gifts that
are dear to him.

Lakshmana went to the forest along with his brother.

The creator of the world created the world as before.

Krishna enhanced the joy of mother Yasoda.

Vrushabhanu brought his daughter Radha to his way.

The suppliant expects a happy gift from the wealthy
man, the giver.

The brother does not argue with his brother.

I have many helpers like sister, sister-in-law and co-sister

अभ्यासः द्वादशः । Exercise-12

शब्दान्, काणा, बालाय, पुष्पाणि, धनिकेभ्यः, निपुणेषु, पूतिः, पूर्ण, अधिकस्य, मृदुनि, हिंसाणां, परुषेण, शयने, गुरवे, चतुरेण, सिकतिलायां, पेट्यां, अल्पाय, देशं, शान्तं ।

अभ्यासः - त्रयोदशः । Exercise-13

निपुणाभ्यां बालाभ्यां (निपुणेभ्यः बालेभ्यः), चतुरेण रामेण, उष्णेन जलेन, शीतलेन वायुना (शीतलाय वायवे), अन्ध्या नारी, अल्पं मूल्यं, दीनेन बालेन, वृद्धाभ्यः नारीभ्यः, दरिद्राभ्यां माणवकाभ्यां (दरिद्राय माणवकाय), उन्नते पर्वते (उन्नतेषु पर्वतेषु), उत्तमे कुले, आढ्ये तस्मिन्, (आढ्यात् तस्मात्), कृशाभिः बालाभिः, मृदुला भूमिः, मधुरं जलं, अधिकेन हिमेन (अधिकैः हिमैः) रिक्तां पेट्ठीं, स्थूलेन दण्डेन (स्थूलाभ्यां दण्डाभ्यां), विरलेषु धनिकेषु (विरले धनिके), मधुरः इक्षुरसः, नीलः आकाशः, रक्तः सूर्यः, हरितं तृणं (हरितानि तृणानि), शान्तं गृहं, दयालुः हरिः ॥

Model Question- paper.

Give Samskrit equivalents.

1. The giver, the one drinking, son-in-law, son, grandson, he gave, he rejoiced, I take it, a person blind by one eye, floods, he stops, silently, for a

long time, do not talk, to worship, to bathe, to see, having vomitted, having chided, cracker.

3. Use appropriate adjectival form in Samskrit, for the English words.

Tall - पर्वते, Sweet - औषधैः, Cool - जलं, Deep - समुद्रे,
Fat - फलात्, Soft - शयनात्, Hard - शिला, Famous -
नृपाय, Poor - याचकाय, Beautiful - पुष्पाणि.

3. Give the present tense and Imperative forms of the following verbs in II person.

खादति, जयति, चरति, आगच्छति, वसति

4. *Translate into Samskrit :*

In India there is a democratic Government. The father fondles his son. There is no eye equal to learning. For the trees, there is fear from the wind. I will not live in the country where there is no livelihood. When is the rest time in the school? In the evenings, I do exercise for some time. My elder brother is going to proceed to Kasi. Rama is going to sing today in the Music hall. In my class five or six boys are getting prizes. The sky is bigger than the ocean. Rama slaps Kannan on his cheek. Set aside dirty water. Rama is running the factory very well. Kannan is laying his hands in the butter-vessel.

5. *Form sentences with the following verbs .*

अपश्यं, खेलामः, पठेयुः, व्यायच्छामि, अनुभवति ।

6. Use the Samskrit numeral form in words instead of the numerals.

दशरथस्य ४ पुत्राः । पाण्डवाः ५ भ्रातरः । गुहस्य ६ मुखानि । ४ बालेभ्यः फलं यच्छति । ९ ग्रहेभ्यः नमः कुर्मः ।

अहं २ कराभ्यां फलं नयामि । विष्णुः ४ भुजैः ४ आयुधानि धरति । मह्यं ५ रूप्यकाणि यच्छ । रामस्य ३ भ्रातरः । रथः ४ अश्वैः चलति ।

7. Combine the twin sentences by using the particle.

रामः बालं पश्यति, फलानि तस्मै यच्छति ।

कमला जलं नयति, वृक्षान् सिञ्चति ।

माता कन्दुकं ददाति, बालं क्रीडायै चोदयति ।

गुरुः पुस्तकं ददाति, रामं बोधयति ।

दरिद्रः वीथ्यां अटति, भिक्षां याचते ।

8. Create verbal forms with the upasargas shown against each verb and write their meanings also.

१ चरति वि, परि, सं

२ भवति प्र, अनु, सं

३ हरति प्र, वि, परि, व्या

४ तिष्ठति अनु

५ गच्छति आ, सं, निर्

॥ शुभम् ॥